दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
झांसी ■ बुधवार 21 मई 2025 ■ वर्ष -18 ■ अंक-311 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य- ₹04

सुविचार

यहां मेरा अपना कुछ भी नहीं, जिसका है, मैं उसी को अर्पित करती हूं।
-अहिल्याबाई होलकर

भारतीय सेना ने आतंकवादियों का जड़ से किया सफाया, पाकिस्तान की सेना घुटनों पर आई

ऑपरेशन सिंदूर : हम सीमा पार के आतंकियों का करते हैं इलाज

राजनाथ बोले- एक कुशल सर्जन की तरह सेना ने आतंक की जड़ों पर चलाए हथियार

मेयो हॉस्पिटल में सीएम योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री सिंह का किया स्वागत

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम सीमा पार के आतंकियों का इलाज करते हैं। भारत में पिछले दिनों ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की। सफलतापूर्वक पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया। बड़ी संख्या में आतंकियों का सफाया करने में कामयाबी हासिल की है। हमारी भारतीय सेना ने एक कुशल डॉक्टर और सर्जन की तरह काम किया। जैसे एक सर्जन, जहां बीमारी की जड़ मौजूद होती है, वहां अपने औजारों का इस्तेमाल करता है। वैसे ही भारतीय सेना ने बड़ी सटीकता के साथ आतंकवाद की जड़ों पर अपने हथियारों का इस्तेमाल किया। मगर, जैसा कि पाकिस्तान की आदत है कि जल्दी वह मानता नहीं है। पाकिस्तान ने भारत की जमीन पर हमले करना शुरू कर दिया। आम नागरिकों को निशाना बनाने का प्रयास किया। मंदिर, गिरिजाघर और गुरुद्वारों को निशाना बनाना। उसके जवाब में भारतीय सेना ने जो कार्रवाई की, उससे पाकिस्तान की फौज को घुटने पर टेकने को मजबूर कर दिया।

डॉक्टर और सैनिकों में काफी समानताएं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आप सबने महसूस किया होगा कि सैनिक और डॉक्टर दोनों के काम, उनकी प्रतिबद्धता में काफी समानताएं हैं। दोनों आम नागरिक की रक्षा करते हैं। एक राष्ट्र तो दूसरा मरीज की रक्षा करता है। दोनों को नाजुक हालात में बड़े फैसले लेते हैं। दोनों किसी भी परिस्थिति में तैयार रहते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में आपने सेना का शौर्य तो कोविड में डॉक्टरों का साहस अपने देखा है। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। ऐसे में डॉक्टरों की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है।

एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को पहली बार लखनऊ पहुंचे। वे गोमती नगर के डॉ.केएनएस मेमोरियल हॉस्पिटल (मेयो हॉस्पिटल) की सिल्वर जुबली में शामिल हुए। 25 साल पहले राजनाथ सिंह ने सीएम रहते इस हॉस्पिटल का इनॉगरेशन किया था। सीएम योगी ने उन्हें रिसीव किया। एयरपोर्ट पर राजनाथ सिंह का भव्य स्वागत हुआ। भाजपा कार्यकर्ता और एनसीसी कैडेट्स हाथों में तिरंगा लेकर पहुंचे थे।

सीएम योगी बोले-सेना ने पाक को याद दिलाई औकात

इधर, सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक विचारक ने ठीक ही कहा है कि बीज का वृक्ष बन जाना ही संस्कृति है, जबकि सड़ गल जाना विकृति है। भारत वो बीज है जो वृक्ष बन गया और पाकिस्तान विकृति है, चाहे भारत के हाथों मरे या खुद के पोषित आतंकवादियों के हाथों इसका खात्मा हो, पर उसकी नियति समाप्त होना ही है। इससे पहले योगी मंगलवार को सुबह 10.35 बजे कासगंज पहुंचे। उन्होंने 191 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नई पुलिस लाइन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 724 करोड़ रुपए की 60 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। वहीं जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान को औकात में ला दिया। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए उसको चारो खाने चित कर दिया। पाकिस्तान आज दुनिया के अंदर जान बक्श देने की गुहार लगा रहा है। भारत माता के पास बहादुर जवान नहीं होते तो पाकिस्तान जैसे दुश्मनों के रहते हुए देश की जनता कैसे सुरक्षित रहती। सीएम योगी ने कहा, कि हमारी बहादुर सेना घर में घुसकर दुश्मन को मारने की क्षमता रखती है। यूनिफॉर्म की क्या कीमत होती है और उसका क्या महत्व होता है? ये आप लोगों ने अभी ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान की कमर को तोड़ने वाले भारत माता के जवानों के माध्यम से देखा होगा। आपने देखा होगा कैसे पीएम के मार्गदर्शन में पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करते हुए, उसे औकात में लाने का काम किया गया है। भारत ने बता दिया है, हमारे अगर एक भी नागरिक को छेड़ोगे तो अपने अस्तित्व के लिए जूझना पड़ेगा। पिछले 10 सालों में पीएम के नेतृत्व में सेना के आधुनिकीकरण को लेकर लगातार काम हुए हैं।

बड़ा फैसला! उत्तराखंड के मदरसों में पढ़ाया जाएगा 'ऑपरेशन सिंदूर'

मदरसा बोर्ड अध्यक्ष बोले- बच्चे सेना के पराक्रम-इतिहास को जानेंगे

एजेंसी ■ उत्तराखंड

उत्तराखंड के मदरसों में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पढ़ाया जाएगा। इससे बच्चों को देश के सैनिकों के बलिदान और शौर्य के बारे में पता चलेगा। यह फैसला उत्तराखंड मदरसा बोर्ड ने लिया है। बोर्ड चाहता है कि बच्चे देश के इतिहास और सेना के पराक्रम से परिचित हों। बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने कहा कि मदरसों में एनसीईआरटी सिलेबस लागू किया गया है, ताकि बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा जा सके। इससे मदरसों में काफी सुधार आया है। अब हम अपने बच्चों के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफल कहानी शेयर करना चाहते हैं।

मुफ्ती शमून कासमी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात की है। उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में 451 मदरसे हैं, जिनमें लगभग 50 हजार बच्चे पढ़ते हैं। कासमी ने बताया कि उत्तराखंड सैनिकों की भूमि है। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सशस्त्र बलों ने बेजोड़ शौर्य का परिचय दिया। इसका मतलब है कि उत्तराखंड वीरों की धरती है और ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने अद्भुत बहादुरी दिखाई। देश की जनता ने सेना के शौर्य को सराहा है। मदरसों के बच्चों को भी सैनिकों की बहादुरी के बारे में बताया जाएगा। नए पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर का चैप्टर शामिल किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही पाठ्यक्रम समिति की बैठक बुलाई जाएगी। गौरतलब है कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों पर हमले किए गए थे। इसमें पीओके के सवाल नाला, गुलपुर, अब्बास, सैयदना बिलाल, बरनाला शामिल हैं। पाकिस्तान के बहावलपुर, मुरीदके, सरजल और महमूना जोया में भी हमले किए गए।

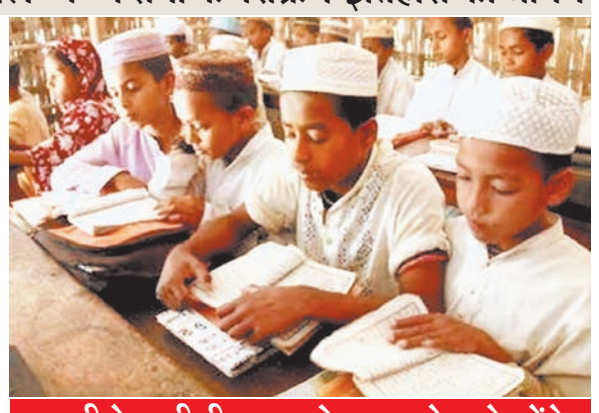

हमारी सेना की वीरगाथा को अब हमारे बच्चे पढ़ेंगे

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने इस फैसला स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों को देश के सैनिकों के पराक्रम और बलिदान के बारे में पता चल सकेगा। वक्फ बोर्ड के 117 मदरसे हैं। इनको हम आधुनिक बनाने जा रहे हैं। इसमें एनसीईआरटी के सिलेबस को शामिल किया जाएगा। हमारी सेना की वीरगाथा को अब हमारे बच्चे पढ़ेंगे। यह देवभूमि उत्तराखंड है। इस राज्य को सैन्य धाम भी कहा जाता है, इस सैन्य धाम में अगर मदरसे के बच्चे ऑपरेशन सिंदूर नहीं पढ़ेंगे तो कहां पढ़ेंगे इस सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां के गवर्नर, लेफ्टिनेंट जनरल और मुख्यमंत्री एक सैनिक के पुत्र हों, अगर वहां के बच्चे ऑपरेशन सिंदूर नहीं पढ़ेंगे तो कहां के पढ़ेंगे। हर घर से एक सैनिक निकलना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर का पाठ पढ़कर बच्चे भारत के वीर सपूतों और जीते गए युद्ध के बारे में जानेंगे। उन्होंने कहा कि इस पाठ से भारतीय सेना की कुर्बानियों को पढ़ाएंगे, बच्चे बच्चे अब सीखेंगे वतन से मोहब्बत आधा ईमान है।

ब्रीफ न्यूज

परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन का निधन

नई दिल्ली। भारत के न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम पर काम करने वाले साइंटिस्ट एमआर श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के ऊटी में निधन हो गया। वो 95 साल के थे। सुबह 4 बजे अंतिम सांस ली।

मुंबई में कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों ने तोड़ा दम

मुंबई। मुंबई के केईएम अस्पताल में कोविड पॉजिटिव दो मरीजों की मौत हो गई। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है।

अब अहमदाबाद में होगा आईपीएल का फाइनल

मुंबई। आईपीएल का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी मैदान में खेला जाएगा। इसी मैदान पर क्वालिफायर-2 भी खेला जाएगा। यह फैसला मंगलवार को बीसीसीआई की एक बैठक में लिया गया।

मर्जी से धर्म छोड़ा तो आरक्षण का नहीं मिलेगा लाभ

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि जब कोई भारतीय ईसाई विवाह कनून के तहत शादी करने के लिए मर्जी से तैयार होता है, तो शादी के बाद से ही वह व्यक्ति ईसाई माना जाएग। कोर्ट ने यह भी कहा कि तो आरक्षण के लाभों का दावा नहीं कर सकता।

खाई में गिरी गाड़ी, बिहार का जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में भागलपुर के जवान संतोष यादव शहीद हो गए। वे सोमवार रात आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के लिए निकले थे, इसी दौरान उनकी गाड़ी खाई में गिर गई।

पाक जासूस ज्योति और आईएसआई एजेंट की वॉट्सएप चैट मिली

पूछा-अटारी बॉर्डर पर कोई अंडरकवर मिला था क्या, अभी और खुलेंगे राज

एजेंसी ■ हिसार

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की पाकिस्तानी हैंडलर के साथ वॉट्सएप चैट मिली है। हरियाणा पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ज्योति के जरिए भारत के रॉ एजेंट्स की मौजूदगी का पता लगाना चाहती थी। ज्योति और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारी अली हसन के बीच हुई चैट में हसन ने ज्योति से पूछा था कि जब वह अटारी बॉर्डर गई थी, तब उसे वहां कोई अंडरकवर पर्सन मिला था क्या। ज्योति और अली हसन ने इस मुद्दे पर लंबी बातचीत की थी। इसी वजह से ज्योति से पूछताछ में एनआईए शामिल हुई है। एनआईए ज्योति को अपने साथ चंडीगढ़ ले गई, जहां उससे 7 घंटे तक पूछताछ हुई। एनआईए को शक है कि ज्योति ने आईएसआई के साथ सीक्रेट सूचना शेयर की है। आईबी और मिलिट्री इंटेलिजेंस के अधिकारी भी उससे पूछताछ में जुटे हैं। ज्योति हर बात का यही जवाब दे रही है कि उसका आईएसआई से कोई संबंध नहीं है।

भारत से मुंह की खाने का इनाम! पाक आर्मी चीफ मुनीर का हुआ प्रमोशन

इधर, भारत से मुंह की खाने के बाद भी पाक में जश्न का माहौल है। वहां की शहबाज सरकार जीत का दावा कर जनता को गलत सूचना के आधार पर पूरी तरह से बरगलाने में कामयाब रही। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक के कई सैन्य ठिकानों को क्षतिग्रस्त किया और आतंकी ठिकानों को तबाह किया। हालांकि, पाक ने इसके जवाब में अपने आर्मी चीफ आसिम मुनीर का प्रमोशन कर दिया। पाक कैबिनेट ने मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। पाक में फील्ड मार्शल का पद पाक सेना में सर्वोच्च पद है। मुनीर पाकिस्तान के इतिहास में अब दूसरे फील्ड मार्शल बन गए हैं।

मुर्शिदाबाद की हिंसा में टीएमसी नेता का 'हाथ'

हाईकोर्ट कमेटी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

हिंदू समुदाय के लोगों को बनाया था निशाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में अप्रैल में सांप्रदायिक हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की तरफ से गठित जांच समिति ने गंभीर खुलासे किए हैं। इसमें कहा गया है कि हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थानीय नेता की भूमिका थी। हमलों का नेतृत्व स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने किया। रिपोर्ट के अनुसार हिंसा में खासतौर पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय रही। पीड़ितों ने कई बार पुलिस को कॉल किया, लेकिन कोई मदद नहीं पहुंची। दरअसल, 17 अप्रैल को हाईकोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, प.बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य शामिल थे।

छग शराब घोटाला: ईओडब्ल्यू का छापा, 90 लाख बरामद

दुर्ग-भिलाई में 39 से ज्यादा ठिकानों पर दी दबिश

एजेंसी ■ भिलाई

छग शराब घोटाला केस में एसीबी-ईओडब्ल्यू ने 39 जगहों पर छापा मारा। दुर्ग-भिलाई के अलावा धमतरी व महासमुंद में ये कार्रवाई की। इसमें 90 लाख कैश, सोना चांदी व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए। टीमें चार गाड़ियों में सुबह 4 बजे भिलाई पहुंची। एक टीम आम्रपाली अपार्टमेंट में अशोक अग्रवाल के घर पहुंची। दूसरी टीम बंसी अग्रवाल व विशाल केजरीवाल के यहां दबिश दी। दुर्ग-भिलाई में एसके केजरीवाल नेहरू नगर भिलाई अशोक अग्रवाल आम्रपाली अपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भिलाई, विनय अग्रवाल खुर्सीपार, संजय गोयल डायरेक्टर स्पर्श हॉस्पिटल नेहरू नगर, विश्वास गुप्ता बिल्डर दुर्ग, बंसी अग्रवाल नेहरू नगर, आशीष गुप्ता डायरेक्टर,आशीष इंटरनेशनल होटल सुपेला नेहरू नगर स्थित घर में कार्रवाई की गई है।

नाराज छगन भुजबल अब बने महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री

बोले- अंत भला तो सब भला

मुंबई। एनसीपी के नेता छगन भुजबल ने मंगलवार सुबह महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली। मंत्री बनने के बाद उन्होंने कहा कि कहते हैं न- अंत भला तो सब भला। मैंने अब तक हर जिम्मेदारी अच्छे से निभाई है। अब भी जो जिम्मेदारी मिलेगी, उसे निभाऊंगा। दरअसल, पिछले साल नवंबर में महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की सरकार बनी थी। हालांकि, 77 साल के छगन को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया था, जिससे वह नाराज थे। भुजबल ने महाराष्ट्र कैबिनेट में एनसीपी के दिग्गज नेता धनंजय मुंडे की जगह ली है। मुंडे ने मार्च में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

सीबीएसई का फरमान-स्कूलों में लगाओ 'शुगर बोर्ड'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सीबीएसई बोर्ड ने बच्चों में बढ़ते डायबिटीज के खतरे को देखते हुए सभी स्कूलों को 'शुगर बोर्ड' लगाने के निर्देश दिए हैं। इस बोर्ड में शुगर इंटेक से जुड़ी जरूरी जानकारी होगी जैसे, हर दिन कितनी शुगर ली जा सकती है या जंक फूड और कोल्ड ड्रिंक्स में कितनी शुगर होती है। इसी के साथ इन बोर्ड के जरिए उन हेल्थ रिस्क्स के बारे में बताना होगा, जो ज्यादा शुगर लेने से होते हैं और शुगर के हेल्दी ऑप्शन्स क्या हैं। इससे छात्र अपने खाने को लेकर जागरूक होंगे और लंबे समय तक बीमारियों से दूर रह पाएंगे। सीबीएसई ने यह आदेश भी दिया है कि स्टूडेंट्स को शुगर इंटेक को लेकर जागरूक करने के लिए स्कूलों में वर्कशॉप और सेमिनार का आयोजन भी किया जाए।

मीठे से हो रही अर्ली प्यूबर्टी, टाइप-2 डायबिटीज

सुप्रीम फैसला अब फ्रेश लॉ ग्रेजुएट्स नहीं दे सकेंगे ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम

सिविल जज बनने तीन साल बतौर वकील प्रैक्टिस अनिवार्य

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि सिविल जज जूनियर डिविजन के पद के लिए उम्मीदवार अब सीधे परीक्षा पास कर नियुक्त नहीं हो सकेंगे। उन्हें तीन साल कम से कम बतौर वकील प्रैक्टिस करना अनिवार्य है।

सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि देखा गया है कि जो नए कानून स्नातक न्यायपालिका में नियुक्त होते हैं, उनके चलते कई समस्याएं हुई हैं। ऐसे में सभी उम्मीदवारों को न्यायपालिका में दाखिल होने के लिए कम से कम तीन साल बतौर वकील प्रैक्टिस करना जरूरी होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का देश की न्यायिक व्यवस्था पर दूरगामी असर पड़ेगा। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि न्यायिक व्यवस्था में आने से पहले अदालत का अनुभव मिलना बेहद जरूरी है।

प्रैक्टिकल अनुभव जरूरी

सीजेआई ने कहा कि कई उच्च न्यायालयों ने अनुभव किया है कि युवा कानून स्नातकों को न्यायिक पदों पर नियुक्त करने से कई समस्याएं होती हैं। कोर्ट के काम का अनुभव न्यायिक व्यवस्था की दक्षता को बनाए रखने के लिए जरूरी है। ये फैसला ऑल इंडिया जज ए. की याचिका पर सुनाया है।

फैसले की अहम बात

- अब उम्मीदवारों को स्टेट ज्यूडिशियल सर्विस एग्जाम में शामिल होने से पहले वकालत का अनुभव जरूरी होगा।
- अनुभव का सर्टिफिकेट प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज या 10 साल के अनुभव वाले सीनियर एडवोकेट द्वारा प्रमाणित होना चाहिए।
- न्यायाधीशों के साथ लॉ क्लर्क के रूप में 3 साल काम का अनुभव भी मान्य होगा।
- नया नियम पहले की भर्तियों पर नहीं, ये भविष्य की भर्तियों पर लागू किया जाएगा।
- नए ज्यूडिशियल ऑफिसरों के लिए एक साल का प्रशिक्षण भी अनिवार्य होगा।

दिखाना होगा सर्टिफिकेट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रैक्टिस की अवधि नामांकन की तारीख से मानी जा सकती है। अदालत ने साफ किया कि यह आदेश उच्च न्यायालयों में हो चुकी नियुक्तियों पर लागू नहीं होगा और भविष्य में होने वाली नियुक्तियों में ही ये शर्त लागू होगी। शर्त पूरी करने के लिए उम्मीदवार को 10 साल तक प्रैक्टिस कर चुके वरिष्ठ वकील या तय न्यायिक अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट को दिखाना होगा। अगर कोई वकील सुप्रीम कोर्ट या होईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहा है तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट में 10 साल तक प्रैक्टिस कर चुके वकील या तय न्यायिक अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट पेश करना होगा।

sattasudharbpl@gmail.com | satta_sudhar | facebook.com/satta.sudhar.7 | www.sattasudhar.in
पांच राज्यों से एक साथ प्रकाशित

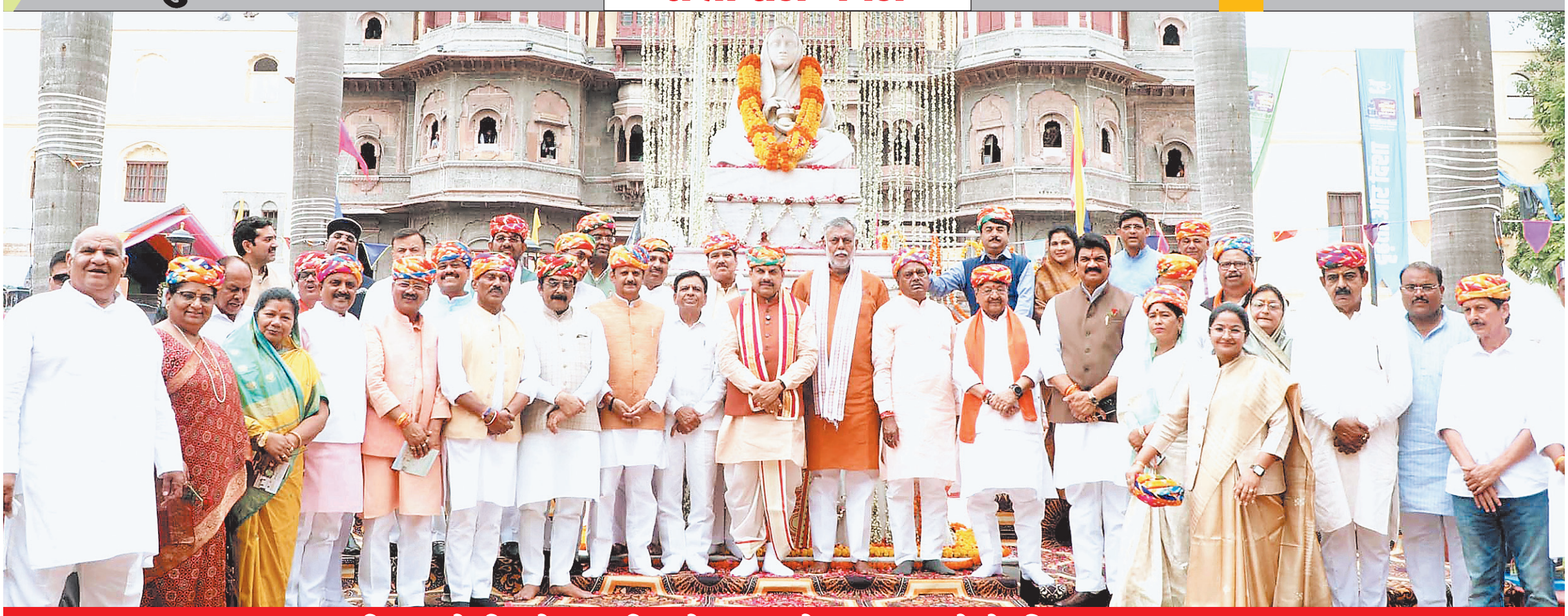

पीएम मोदी को राहवीर योजना को लागू करने के लिए धन्यवाद

महिला सशक्तिकरण महा सम्मेलन में अतिथि होंगे 'नमो'

सीएम ने मंत्रिपरिषद की बैठक के पहले सदस्यों को किया संबोधित

लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारत की अमोल निधि है। लोकमाता के सुशासन के साथ ही न्याय, शिक्षा, समाज कल्याण, धर्म कल्याण, जल संरक्षण और संवर्धन आदि के कार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए इंदौर में मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित की गई है। मालवा का गौरवशाली और स्वर्णिम इतिहास रहा है। इसे रेखांकित करने के जरूरत है। मुख्यमंत्री ने मालवा के ऐतिहासिक व्यक्तित्व मल्हार राव होल्कर, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर, बाजीराव आदि को स्मरण करते हुए मालवा की धरती को नमन किया। मुख्यमंत्री इंदौर के राजवाड़ा के दरबार हाल में मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रेरणा वाक्य विरासत से विकास की ओर से प्रेरणा लेकर विरासत के संरक्षण और संवर्धन करते हुए विकास की अवधारणा को मूर्तरूप दिया जा रहा है। मंत्रि-परिषद की पहली बैठक जनजातीय वीरांगना रानी दुर्गावती की स्मृति में जबलपुर में आयोजित की गई थी। आज लोकमाता अहिल्याबाई को समर्पित मंत्रिपरिषद की बैठक की जा रही है।

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में देश में अग्रणी प्रदेश है। कृषि और कृषि उत्पाद को बढ़ावा देने के साथ कृषकों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। मप्र सरकार किसानों तक नवीनतम तकनीक पहुंचाने, खाद्य प्र-संस्करण उद्योगों को बढावा देने तथा किसानों को अपने उत्पाद का सही मूल्य दिलाने के हर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मुख्य आतिथ्य में 31 मई को भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला उद्यमियों, कामगारों, महिला स्व-सहायता समूहों, लाड़ली बहनों का महिला सशक्तिकरण महा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रदेश से 2 लाख से अधिक महिलाओं की सहभागिता होगी।

सीएम ने बताया कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 20 मई से 31 मई 2025 तक कई भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर और अन्य स्थानों पर सांस्कृतिक और साहित्यिक आयोजन होंगे। 22 मई को कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर पर केंद्रित महानाट्य अहिल्याकथान संनादति का मंचन किया जाएगा। 23 मई को ग्राम-महिदपुर, उज्जैन में देवी अहिल्या पर केंद्रित महिला कवि सम्मेलन आयोजित होगा। 24 मई को नर्मदापुरम में 26 मई को, 27 मई को भोपाल में और बैतूल में 28 मई को महानाट्य अहिल्याकथान संनादति का मंचन होगा। इंदौर में 28 मई को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर पर केंद्रीत एकल कविता पाठ और सांस्कृतिक गतिविधियां होंगी, वहीं 29 मई को लता मंगेशकर ऑडिटोरियम, इंदौर में देवी अहिल्या केंद्रीत महानाट्य शिवयोगिनी अहिल्या का मंचन होगा। अंतिम दिन, 31 मई को राजवाड़ा परिसर, इंदौर में लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर को समर्पित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के साथ प्रदेशव्यापी आयोजन का समापन होगा। यह आयोजन लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के योगदान को याद करने और उनकी विरासत को सम्मान देने का एक प्रयास है।

1 लाख 25 हजार महिला किसान

पीएम मोदी को राहवीर योजना को लागू किए जाने के लिए मंत्रि-परिषद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमत्री डॉ. यादव को मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने इस वर्ष प्रदेश के 9 लाख किसानों से लगभग 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जाने पर धन्यवाद दिया। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 30 लाख मीट्रिक टन अधिक रहा है। गेहूं खरीद पर इस वर्ष लगभग 20 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को किया गया है। प्रदेश के जिन 9 लाख किसानों से गेहूं खरीदा गया है उसमें से 1 लाख 25 हजार महिला किसान है।

बैठक में सभी सदस्यों ने पहना धोती-कुता

मुख्यमंत्री के साथ मंत्रि-परिषद के सभी सदस्यों ने परंपरागत धोती-कुर्ता पहनकर मंत्रि-परिषद की बैठक में भाग लिया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंत्रि-परिषद के सदस्यों को अंगवस्त्रम् ओढ़ाकर और सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने मंत्रि-परिषद के सदस्यों को देवी अहिल्या बाई होल्कर स्मारक के निर्माण से संबंधित प्रेजेंटेशन दिया। लालबाग पैलेस में 3 एकड़ की भूमि पर लगभग 100 करोड़ रुपए से स्मारक का निर्माण किया जाएगा। स्मारक में लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन चरित्र, आदर्श, मूल्यों और योगदानों को रेखांकित किया जाएगा।

खाई दाल-बाटी, कढ़ी चावल, पी छाछ

इंदौर के राजवाड़ा की कैबिनेट बैठक में शामिल होने आए मंत्रियों ने मालवी व्यंजनों का लुत्फ भी लिया। राजवाड़ा के दरबार हॉल के उपर भोजन कक्ष में दाल बाफले के अलावा कढ़ी-चावल भी परोसा गया। भिंडी और टेंसी की सब्जी के अलावा पनीर की सब्जी भी मंत्रियों की थाली में परोसी गई। हॉल में तख्त और कुर्सी लगी थी। लकड़ी की थाली और कटोरियों में मालवी व्यंजनों को परोसा गया। इसके अलावा कुल्हड़ में छाछ और झोलिए के इंतजाम भी था। मंगलवार को गर्मी ज्यादा थी, इसलिए श्रीखंड और आईस्क्रीम भी ज्यादा पसंद की गई। मीठे में फ्रूट रबड़ी के अलावा मावा बाटी भी मेन्यू में रखी गई थी। बैठक के दौरान पानी के साथ झोलियां सर्व की गई। कहा जाता कि दोपहर में दाल बाटी खाई जाए तो नींद बहुत आती है। इस बैठक में भी मालवी व्यंजन ने अपना असर दिखाया और कई अफसर व मंत्री सुस्ताने की मुद्रा में नजर आए। बैठक में स्थानीय विधायकों को नहीं जाने दिया गया। इस कारण वे राजवाड़ा परिसर में ही समय बिताते नजर आए।

मुख्यमंत्री समेत मंत्रीगणों ने की लोकमाता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित

इंदौर के राजवाड़ा में आयोजित मंत्रि-परिषद की महत्वपूर्ण बैठक का शुभारंभ लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के नमन के साथ किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजवाड़ा के समीप स्थित उद्यान में देवी अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल तथा जगदीश देवड़ा सहित मंत्रीगण प्रहलाद सिंह पटेल, राकेश सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, तुलसीराम सिलावट और अन्य मंत्रीगणों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री समेत मंत्रि-परिषद के सदस्यों का मालवी परम्परा के अनुरूप पगड़ी पहनाकर स्वागत-सत्कार किया गया। मुख्यमंत्री और मंत्रीगणों ने इस स्मृति को चिर स्थायी बनाए रखने के लिए सामूहिक फोटो भी खिंचवाए। मुख्यमंत्री ने इंदौर के गौरव राजवाड़ा के प्रसिद्ध दरबार हाल के संरक्षण एवं पुनर्स्थापना कार्य का शुभारंभ किया। यह कार्य संस्कृति विभाग के पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा प्रदेश की समृद्ध, सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत के संरक्षण की दिशा में कराया जा रहा है। इससे दरबार हॉल के गौरव को फिर लौटाया जाएगा। दरबार हॉल के लिए 11 करोड़ 21 लाख रुपए सिंहस्थ मद के तहत स्वीकृत किए गए हैं। यह कार्य होने से इंदौर की पहचान होल्करकालीन स्थापत्य की कला को उसका मूल भव्य स्वरूप प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से किया संवाद खेलों के लिए किया प्रोत्साहित

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के राजवाड़ा में होने वाली ऐतिहासिक कैबिनेट बैठक के पहले होल्कर साइंस कॉलेज का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने हार्टिकल्चर लैब का अवलोकन एवं फिजिकल एजुकेशन विंग के विद्यार्थियों से चर्चा भी की। मुख्यमंत्री ने होल्कर साइंस कॉलेज में विद्यार्थियों से संवाद किया। यह क्षण विद्यार्थियों के लिए शुभाशीष से कम नहीं था। मुख्यमंत्री को अपने सामने पाकर विद्यार्थियों के चेहरे की खुशी अलग ही दिख रही थी, चारों तरफ खुशी का माहौल था।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से संवाद के दौरान विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगा कर पढ़ाई करने एवं खेल कूद गतिविधियों में सहभागिता करने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं, विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों में सुविधाओं का विस्तार कर रही है। हमारे होनहार खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कृषि विकास और विस्तार की संभावनाओं से भी विद्यार्थियों को रूबरू कराया। उन्होंने शासन की कृषि संबंधी मुख्य योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश कृषि विकास में अग्रणी राज्य की भूमिका अदा करता है। मुख्यमंत्री ने संवाद के दौरान महाविद्यालयीन विद्यार्थियों से सवाल-जवाब भी किए।

सीएम स्नैक पार्क और बर्ड पार्क को देख हुए खुश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार सुबह इंदौरर के कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय का भ्रमण किया। उन्होंने यहां पर किंग कोबरा (मेल) की सौगात भी दी। मुख्यमंत्री ने कर्नाटक के पीलीकुला बायोलॉजिकल पार्क से लाए गए किंग कोबरा (मेल) को स्नैक पार्क में छोड़ा। इंदौर किंग कोबरा का प्राकृतिक आवास नहीं है। मुख्यमंत्री ने चिड़ियाघर प्रबंधन द्वारा किंग कोबरा (मेल) के लिए बनाए गए आवास की सराहना की। अभी तक प्राणी संग्रहालय में मादा किंग कोबरा थी, अब नर किंग कोबरा के आने से प्राकृतिक रूप से ब्रीडिंग हो सकेगी जो इको-सिस्टम के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी। किंग कोबरा अपनी लंबाई, ज़हर और अनोखे व्यवहार के लिए जाना जाता है। किंग कोबरा दुनिया का सबसे लंबा विषैला सर्प है, जिसकी लंबाई 18 फीट तक हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने प्राणी संग्रहालय में स्थित बर्ड पार्क का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री बर्ड पार्क में पक्षियों की विविधता और विभिन्न प्रजातियों को देख कर प्रसन्न हुए। उन्होंने पक्षियों को स्वयं दाना खिलाया। इसके अतिरिक मुख्यमंत्री ने चिड़ियाघर के भ्रमण के दौरान शुतुरमुर्ग, पॉकेट मंकी और अन्य प्राणियों को निहारा।

देवी अहिल्याबाई का जीवन हमें सिखाता है सत्ता सेवा का माध्यम होनी चाहिए

भाजपा प्रदेशध्यक्ष बोले-प्रदेश में लोकमाता के आदर्श शासन की शुरुआत हुई

सत्ता सुधार ■ भोपाल

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने देवी अहिल्याबाई होल्कर के सुशासन, शासन की व्यवस्था जैसा आदर्श शासन मध्यप्रदेश में कैसे बनाया जा सकता है, उसकी शुरूआत और तैयारी के लिए मंगलवार को इंदौर के राजवाड़ा में कैबिनेट बैठक सम्पन्न हुई। मध्यप्रदेश में हमारी सरकार देवी अहित्याबाई होल्कर के शासनकाल जैसा सुशासन धार्मिक, सांस्कृतिक, किसानों सहित हर क्षेत्र में लाने के लिए इंदौर के राजवाडा में केबिनेट बैठक आयोजित की गई। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूरी

कैबिनेट का आभार प्रकट करते हुए अभिनंदन व धन्यवाद करता हूं।

उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या बाई नारी शक्ति, जनकल्याण और न्यायप्रिय शासन की प्रतीक थीं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सत्ता सेवा का माध्यम होनी चाहिए। आज जब सरकार उनके पदचिन्हों पर चलकर गरीब, वंचित, और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए काम कर रही है, तब यह आयोजन एक आध्यात्मिक और वैचारिक प्रेरणा का कार्य करता है। इंदौर, मालवा और समूचा मध्यप्रदेश के लिए यह आयोजन स्मरणीय और प्रेरक है। यह केवल एक कैबिनेट बैठक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का उत्सव और विरासत का सम्मान है। इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर इन पांच शहरों के अंदर मेट्रोपॉलिटन शहर में एक काउंसिल बनाकर शहरी विकास की नई परिकल्पना को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की है। अब वृहन्न मुम्बई नगरपालिका की तर्ज पर पूरे मध्यप्रदेश के समग्र विकास के लिए यह निर्णय एक ऐतिहासिक कदम है।

कायाकल्प देश के 103 अमृत भारत स्टेशनों में मध्य प्रदेश के 6 स्टेशन शामिल

पीएम कल करेंगे उद्घाटन, स्टेशनों में सौंदर्य, सुविधा व संस्कृति का समन्वय

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय रेलवे ने 1300 से अधिक स्टेशनों के कायाकल्प की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 मई को 103 स्टेशनों का उद्घाटन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत होने जा रहा है। मध्य प्रदेश के छह स्टेशन-कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, शाजापुर, सिवनी और ओरछा शामिल हैं।

गौरतलब है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे 1300 से अधिक

स्टेशनों में जो 103 स्टेशन अभी बनकर तैयार हुए हैं, उनमें मध्य प्रदेश राज्य के छह स्टेशन-कटनी साउथ, श्रीधाम, नर्मदापुरम, शाजापुर, सिवनी और ओरछा शामिल हैं। 86 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इन स्टेशनों में सौंदर्य, सुविधा और संस्कृति तीनों का समन्वय है। इन स्टेशनों पर भव्य प्रवेश द्वार, आकर्षक फसाड, हाई मास्ट लाइटिंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, मॉर्डन टॉयलेट और दिव्यांगजन के लिए सुगम रैंप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। प्लेटफॉर्म पर शेल्टर, कोच इंडिकेशन सिस्टम और सूचना के लिए डिजिटल डिस्प्ले लगाए गए हैं। सभी सुविधाओं को दिव्यांगजन अनुकूल बनाया गया है। वहीं, हर स्टेशन पर मध्य प्रदेश की लोक कला, संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिल रही है। नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन, जिसे अब आधुनिक सुविधाओं और सांस्कृतिक पहचान के साथ नया स्वरूप प्रदान किया गया है, 26 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। यह स्टेशन नर्मदा संस्कृति और स्थानीय लोककला पर आधारित थीम के तहत डिजाइन किया गया है, जिससे यह केवल एक यात्री ठहराव का स्थान नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक अनुभव बन गया है। वहीं शाजापुर रेलवे स्टेशन अब आधुनिकता और परंपरा का संगम बन चुका है। 13 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित इस स्टेशन में यात्रियों के लिए कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। प्लेटफॉर्मों का उच्चीकरण, नया फुट ओवर ब्रिज, विस्तारित छायादार क्षेत्र, सौंदर्यीकृत सर्कुलेटिंग एरिया, नव निर्मित प्रवेश द्वार, सुव्यवस्थित टिकट काउंटर और आधुनिक प्रतीक्षालय अब इस स्टेशन की पहचान बन चुके हैं।

मेरे लिए असली वातानुकूलित कमरा वही है जहां गरीब लोग रहते हैं : सांसद

भोपाल। मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ में तेज गर्मी पड़ रही है, तापमान 42 डिग्री के ऊपर चल रहा है, लेकिन केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक जनसेवा में लगे हैं। अपनी सादगी और सरलता के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. खटीक आठ बार से लगातार सांसद हैं। वे मध्य प्रदेश के पहले सांसद हैं जिन्होंने अब तक एक भी चुनाव नहीं हारा है। डॉ. खटीक सुबह हो या शाम, गर्मी हो या बारिश-हर मौसम में लोगों के बीच रहते हैं। उनके दिल में गरीबों के लिए कुछ करने का जज़्बा है और वे लगातार बुंदेलखंड जैसे पिछड़े इलाके में मेहनत कर रहे हैं। उनकी राजनीति में कोई दलाल या दिखावा नहीं होता। यही वजह है कि

उनकी लोकप्रियता कभी कम नहीं हुई। संघ की विचारधारा के बावजूद डॉ. खटीक की छवि कभी कट्टरपंथी नहीं रही। उनके लिए हर इंसान इंसान है, चाहे वह किसी भी धर्म का क्यों न हो। जब उनसे पूछा गया कि इतनी गर्मी में नेता और अधिकारी एसी कमरों में रहते हैं, तो वे खुले में चौपाल क्यों लगाते हैं? इस पर उन्होंने कहा कि मेरे लिए असली वातानुकूलित कमरा वही है जहां गरीब लोग रहते हैं, जो पेड़ की छांव में अपनी दोपहरी गुजारते हैं।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु ऑनलाइन आवेदन करें 31 जुलाई तक

झांसी । जिला प्रोबेशन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि महिला व बाल विकास मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 18 वर्ष से कम के बच्चों द्वारा बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, पर्यावरण कला और संस्कृति तथा विज्ञान और प्रौद्यौगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। अधिकारी ने बताया कि जनपद में ऐसे बच्चे जिन्होने बहादुरी सामाजिक सेवा, पर्यावरण कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौद्यौगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो वो भारत सरकार महिला व बाल विकास मन्त्रालय भारत सरकार की बेबसाइट पर जाकर पात्रता एवं फॉर्म भरने के लिए नियम व शर्तों का पालन करते हुये 31 जुलाई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के सम्मान हेतु ऑफलाइन आवेदन मान्य नही होगे।

खुलेआम जुआ खेल रहे 4 जुआरी गिरफ्तार, कब्जे से 4,750 रुपए बरामद

सकरार झांसी। झांसी अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर, आलोक सिंह व पुलिस उपमहानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी, केशव कुमार चौधरी के कुशल पर्यवेक्षण एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, झाँसी बीबीजीटीएस मूर्ति के कुशल निर्देशन में जनपद झाँसी पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही प्रभावी कार्यवाही के क्रम में आज थाना सकरार पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना सकरार क्षेत्रान्तर्गत सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से कुल 4,750/- रुपये व 52 ताश पत्ता बरामद हुआ। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना सकरार पर अभियुक्तों के विरुद्ध मु0अ0सं0 85/25 धारा 13 जुआ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की गयी। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना नाम मनोहर अहिरवार पुत्र स्व0 प्यारेलाल, जोगीराम पुत्र लालाराम, रामसिंह पुत्र चन्द्रभान, किशन पुत्र संजीब निवासी ग्राम जावन थाना सकरार बताया। चारों आरोपियों को ग्राम जावन स्थित कारस देव मंदिर से कच्चे रास्ते पर मनोहर व प्रभुदयाल के खेत में बबूल के पेड के नीचे ने ताश के पत्तों से हार जीत की बाजी लगाते हुए गिरफ्तार किया गया। इस दौरान कार्यवाही करने वाली टीम में थाना प्रभारी अमीराम सिंह, उ0नि0 रघुनाथ सिंह, का0 अमरेन्द्र कुमार एवं का0 पुष्पेन्द्र सिंह थाना सकरार जनपद झांसी मौजूद रहे।

सनशाइन क्लब झांसी ने भारतीय सेना के शौर्य को दी सलामी

झाँसी ! सनशाइन क्लब झांसी के तत्वावधान में विनोद अग्रवाल यूको की अध्यक्षता , संस्थापक अशोक अग्रवाल काका के सानिध्य एवं विजय राय के संयोजन में आज भारतीय सेना के शौर्य को नमन करते हुए सलामी दी। आरम्भ में पूर्व अध्यक्ष विशाल गुप्ता व सन्जना गुप्ता ने भारतीय सेना द्वारा आतंक व आतंकियों के अड्डों पर किस प्रबलता से उन्हें तबाह करने की सटीक मसाइलों का उचित स्थान पर प्रयोग किया गया । देश की खातिर अपनी जान पर खेल सेना सक्षमता से ऑपरेशन सिन्दूर को अंजाम दे रही है इस पर साधुवाद दिया , तदोपरान्त हिंदुस्तान जिंदाबाद - जिंदाबाद के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा।

पानी दो या जान लो: खैलार में जल संकट के खिलाफ फूटा जनाक्रोश

ग्रामीणों ने किया राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-26 पर घंटों जाम

सत्ता सुधार ■ बबीना (झांसी)

झाँसी के बबीना ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले खेलार कस्बे में पानी की भीषण किल्लत ने ग्रामीणों को उग्र कर दिया। सोमवार को जल संकट से परेशान सैकड़ों ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-26 (NH-26) पर जाम लगा दिया। तपती दोपहरी में महिलाएं, पुरुष और बुजुर्ग पानी दो या जान लो और पानी मिलेगा तभी हटेगा जाम जैसे गगनभेदी नारों के साथ सड़कों पर उतर आए। देखते ही देखते मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय वोट मांगने के लिए नेता गाँव-गाँव घूमते हैं, लेकिन जनता जब पानी जैसी मूलभूत जरूरत को लेकर त्राहि-त्राहि करती है, तो वे नदारद रहते हैं।

पुलिस-प्रशासन के समझाने पर

खुला जाम- सूचना पर बबीना थाना प्रभारी अजमेर सिंह भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे और प्रदर्शनकारियों को काफी समझाने-बुझाने के बाद जाम को खुलवाया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे अगली बार सड़क पर बिस्तर डालकर अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

बूंद-बूंद को तरसते लोग, मासूमों की प्यास देख काँपता है कलेजा- गाँव की बुजुर्ग नसीम बेगम ने बताया कि मोहल्ले में लगभग 250 लोग निवास करते हैं, जिनमें अधिकतर एससी-एसटी समुदाय से हैं। प्रदर्शन कर रही महिला रामप्यारी ने कहा, ÷बच्चों को आधा-आधा गिलास पानी दे रहे हैं। प्यास से बिलखते मासूमों को देख दिल दहल उठता है।

'हर घर नल' योजना सिर्फ कागज़ों तक सीमित

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार की बहुचर्चित 'हर घर नल, हर घर जल' योजना महज़ दिखावा बनकर रह गई है। गाँव में पाइपलाइन तो बिछा दी गई है, लेकिन सालों से एक बूंद पानी नहीं आया। कई बार शिकायत करने के बावजूद किसी ने सुध नहीं ली।

प्रशासनिक दावों की खुली पोल

झाँसी के ग्रामीण अंचलों में बढ़ती गर्मी और सूखते जलस्रोतों के बीच प्रशासन की निष्क्रियता अब लोगों के सब्र को तोड़ रही है। खेलार में हुए इस प्रदर्शन ने सरकार और प्रशासन के तमाम वादों की पोल खोल दी है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गहराते जल संकट का समाधान किस तरह करता है।

बिजली की आंख मिचोली का खेल खेलने से लोगों का दिन का चेन और रात की नींद हराम हो रही

सत्ता सुधार ■ बरुआसागर (झांसी)

तापमान की सुई निरंतर उच्च स्तर, 40 प्रतिशत पर टिकी रहने से जहाँ जीव जन्तु, पशु पक्षी गर्मी से बेहाल हो रहे है, वही बिजली की आँख मिचोली का खेल खेलने से लोगो का दिन का चेन और रात की नींद हराम हो रही है। विधुत के आवागमन का असर सबसे अधिक छोटे छोटे बच्चों तथा बृद्ध जनों पर अधिक पड़ रहा है। वह बिजली न रहने से गर्मी से बिलविलाते हुए जीवन यापन कर रहे है। बिधुत की परेशानी का दंत जहाँ पहले ग्रामीण क्षेत्रों के लोग ज्यादा झेलते थे, लेकिन भाजपा की केंद्र, राज्य एवं नगर मे सरकार काबिज होने के बावजूद बरुआ सागर की जनता बिजली की अघोषित कटौती से परेशान होना बिजली अधिकारियो की मनमानी कार्यशैली का प्रतीक है जिससे नगरवासी तरह तरह की चर्चाए कर नगर एवं राज्य सरकार को कोस रहे है।

नगर में बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा अघोषित बिजली कटौती बंद करने की मांग की

एक और सूर्य भगवान की नारजगी के चलते बुंदेलखंड सहित झाँसी जनपद एवं बरुआ सागर नगर की जनता गर्मी से बेहाल हो रही है. वही विधुत विभाग के अधिकारी गण जनता को गर्मी से राहत दिलाने के वजाय अघोषित विधुत कटौती कर जनसंमान्य की गर्मी से होने वाली परेशानियों मे इजाफा कर रहे है। नगर वासी दिन मे किसी तरह दिन मे गर्मी से बचाव कर लेते है, लेकिन रात मे बिजली के अघोषित कटौती की वजह से नींद हराम हो जाती है, बिजली के अघोषित आवागमन से जहाँ इंवेटर भी चार्ज नहीं होने से वह भी बाल बच्चो को भी गर्मी से राहत दिलाने मे असमर्थ हो रहे है।

जबकि नगर पालिका परिषद मे भाजपा की सरकार काबिज है, इसके बावजूद लोगो को बिजली के आँख मिचोली का खेल धड़ल्ले से जारी है और सत्तासीन दल के लोग नगरवासियो के परेशानियों से बेखबर बने हुए है, वही विपक्षी दल के लोग भी अनजान बने हुए है। नगरवासियो ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बरुआ सागर नगर मे विधुत विभाग के अधिकारियो द्वारा अघोषित विधुत कटौती का खेल बंद कराने की अपेक्षा की है, जिससे नगरवासियो को भीषण गर्मी से राहत मिलती रहे।

श्री लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज बबीना में

वीरांगना अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित

मुख्य अतिथि डॉ. शिखा साहू ने किया विजेता छात्राओं को सम्मानित

सत्ता सुधार ■ बबीना

श्री लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज, बबीना में सोमवार को वीरांगना देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. शिखा साहू के कर-कमलों से हुआ। छात्राओं में भारी उत्साह देखा गया और उन्होंने पूरे जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के समापन पर पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. शिखा साहू और विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह सेंगर ने विजेता छात्राओं को सम्मानित किया। कक्षा 10 की पूजा रायकवार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कक्षा 12 की स्वाती द्वितीय और कक्षा 7 की तेजल तृतीय स्थान पर रहीं।

इस मौके पर डॉ. शिखा साहू ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर का जीवन देश की बेटियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने समाज सेवा, न्यायप्रियता और नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में जो योगदान दिया, वह अनुकरणीय है।कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री सौरभ गुप्ता, सोशल मीडिया संयोजक प्रदीप फौजी, शिक्षकगण नारायण दास, रामबिलास, प्रशांत गोस्वामी, राजा अहिरवार, पिंकी तिवारी, हेमलता विश्वकर्मा, शिल्पी जैन आदि उपस्थित रहे। संचालन प्रवीण तिवारी ने किया। विद्यालय परिवार की ओर से आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया।

रानी अहिल्याबाई की जयंती पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर किया उनके कार्यों को याद

सत्ता सुधार ■ टहरौली

शिक्षा विभाग के निर्देश पर कस्बा के आदर्श जनप्रिय इंटर कॉलेज में रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती पर 2 दिवसीय प्रतियोगिताओं रंगोली, दौड, भाषण, वाद विवाद का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर पालिका मऊरानीपुर आयुष श्रीवास रहे।

रंगोली में हाईस्कूल की छात्रा ज्योति प्रथम, अनीता द्वितीय तथा सृष्टि तृतीय स्थान पर रहीं, भाषण में कक्षा 11 की छात्रा सीता प्रथम तथा देव सोनी द्वितीय स्थान पर रहे। दौड में हाईस्कूल की जूली प्रथम, अनीता द्वितीय एवं रागिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि आयुष श्रीवास, भाजपा नेता दिनेश परिहार, रिंकू दीक्षित ने अपने संबोधन में बताया कि धनगर समाज में जन्मीं अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल में व्यापक बुनियादी ढांचे तैयार कर आर्थिक विकास तथा सामाजिक संपर्क को बढ़ावा देते हुए सड़कों, पुलों और सार्वजनिक भवनों के निर्माण का काम शुरू किया,

उन्होंने भारत के विभिन्न तीर्थ स्थलों पर मंदिरों, घाटों, कुओं, और बावड़ियों का निर्माण कराकर अपने राज्य में न्याय, शिक्षा, और समाज कल्याण पर ध्यान दिया। कार्यक्रम के अंत में विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों ने डायरी कलम देकर सम्मानित किया। मंच संचालन आशीष उपाध्याय तथा आभार रजनीश कंजड ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सुनील शर्मा, कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र कुमार सोनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा पंचम सिंह पटेल, अंशुल पांडे, शिक्षिका पूनम यादव, प्रियंका खरे, गायत्री उपाध्याय सहित सभी अध्यापक गण मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी से फील्ड ऑफिसर के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की

गरौठा झाँसी। अंतर्गत ग्राम मारकुंआ निवासी पुष्पेंद्र पाठक पुत्र धीरेन्द्र पाठक ने उपजिलाधिकारी गरौठा को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि सोमवार को वह अपनी 65 वर्षीय माताजी मीरा देवी के खाते से पैसा निकलवाने के लिए प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक शाखा मारकुंआ गया था ।पैसा निकलवाने के लिए उसने विड्रॉल भरा। बैंक कैशियर द्वारा विड्रॉल पास करवाने के लिए उसे फील्ड ऑफिसर के पास भेजा गया।पीड़ित ने बताया कि वह अपनी वृद्ध मां को लेकर विड्रॉल पास करवाने के लिए जब फील्ड ऑफिसर के पास पहुंचा तो फील्ड ऑफिसर मोबाइल चलाने में व्यस्त थे । कई बार कहने के बाद भी उन्होंने मेरा काम नहीं किया।करीब 30 मिनट तक मैं अपने काम के लिए उनके पास खड़ा रहा।जब मैने उनसे विड्रॉल पास करने के लिए बोला तो वह आग बबूला हो गए और तेज आवाज में बोले कि हम अपने हिसाब से काम करेंगे,तुम्हारे हिसाब से नहीं।इसके बाद अपशब्द बोलते हुए उन्होंने बैंक के दलालों से मुझे बाहर निकलवा दिया।पीड़ित ने उपजिलाधिकारी से दोषी फील्ड ऑफिसर के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

व्यक्तित्व निर्माण में सहायक है सैन्य प्रशिक्षण : कर्नल प्रशांत कक्कड़

सत्ता सुधार ■ झांसी

एनसीसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सी ए टी सी-186 दिनांक 19 मई से 28 मई तक टैगोर लाइन, लाल कुर्ती, झांसी कैंट में आयोजित किया जा रहा है. उक्त शिविर में जनपद झांसी एवं ललितपुर के 424 एनसीसी के सीनियर एवं जूनियर डिवीजन/विंग के कैडेट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. शिविर का शुभारंभ कैंप कमांडेंट कर्नल प्रशांत कक्कड़ द्वारा किया गया. इस अवसर पर कैंप के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 10 दिवसीय कैंप में शारीरिक प्रशिक्षण, फौज के बारे में सिखलाई, हथियार से वाकफियत, फायरिंग और ड्रिल का विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा. शिविर के दौरान मिलिट्री विषय, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट, बडी पेयर के महत्व पर विशेष बल देते हुए सैन्य महत्ता, सामाजिक सेवा एवं स्व जागरूकता विषयों पर अनुभवी सैन्य प्रशिक्षकों एवं एनसीसी अधिकारियों द्वारा व्याख्यान दिया जाएगा. इसके अतिरिक्त कैडेट्स में प्रतियोगी भावना को विकसित करने के लिए फुटबॉल, खो-खो, रस्सा कशी, ड्रिल, टेंट पिचिंग, आदि प्रतियोगिताएं एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से कैडेट्स के मध्य आपसी साहचर्य एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का प्रयत्न किया

जाएगा. कैम्प कमांडेंट द्वारा शिविर में सम्मिलित सभी एनसीसी कैडेट्स को कैंप के दौरान पूर्ण अनुशासन में रहने पर जोर दिया साथ ही एनसीसी कैडेट को चल रहे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी की भूमिका के बारे में भी अवगत कराया जाएगा.

उक्त शिविर में 56 उत्तर प्रदेश बटालियन एनसीसी के प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अंशुमन सक्सेना, शिविर के सूबेदार मेजर ओमवीर कैंप में अनुशासन एवं विभिन्न व्यवस्थाओं एवं प्रशिक्षण पर पैनी नजर रखे हुए हैं. उक्त के अतिरिक्त एनसीसी अधिकारी एवं कैम्प एडजुटेंट लेफ्टिनेंट विशाल यादव, लेफ्टिनेंट संजीव शुक्ला, लेफ्टिनेंट संतोष कुमार गुप्ता, लेफ्टिनेंट नीलम सिंह, फर्स्ट अफसर अरुण कुमार दीक्षित, सेकंड अफसर मोइन अख्तर, थर्ड अफसर उदय जैन, सूबेदार विजय पाल सिंह, सूबेदार राज बहादुर गुरुंग, सूबेदार मोहम्मद इशाक, नायब सूबेदार ओम प्रकाश यादव सहित कार्यालय के वरिष्ठ सहायक अरविंद विश्वकर्मा आनंद सिरौठिया एवं श्री चंद्र आदि उपस्थित रहे।

शाखा नंबर 1 : एक बार फिर सचिव जयसिंह यादव एवं अध्यक्ष बने संजीवन राय

सत्ता सुधार ■ झांसी

झाँसी मंडल के एनसीआरएमयू कार्यालय में एनसीआरएमयू शाखा नंबर 01 की त्रैवार्षिक आम सभा और चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस महत्वपूर्ण आयोजन की अध्यक्षता कामरेड संजीवन राय ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में शाखा सचिव कामरेड जय सिंह यादव ने पिछले तीन वर्षों में शाखा द्वारा कर्मचारियों के हित में किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद, कोषाध्यक्ष एस.डी. मंसूरी ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।केंद्रीय पर्यवेक्षक वी.के. यादव और चुनाव अधिकारी निर्मल सिंह संधू की देखरेख में 27 डेलीगेट चुने गए। इसके उपरांत, नई कार्यकारिणी का निर्विरोध चुनाव हुआ. जिसमें शाखा अध्यक्ष संजीवन राय,शाखा सचिव जय सिंह यादव,कार्यकारी अध्यक्ष अनीता साहनी,उपाध्यक्ष शैलेंद्र संज्ञा, जस्टिन सिंह,आर.सी. तिवारी, पवन गौतम,संयुक्त सचिव-(पद रिक्त)सहायक सचिव विवेक गुप्ता, श्रीकांत,राकेश कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष एस.डी. मंसूरी, सीसीएम संजय कुमार साहू,एजीएम योगेश कुमार,अमित यादव,राजेश कुमार श्रीवाश, मोहम्मद परवेज कुरेशी कर्मचारियों के हितों की रक्षा का संकल्प नव-निर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए, मंडल कार्यकारी अध्यक्ष कामरेड भावेश प्रसाद सिंह ने सभी पदाधिकारियों को कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने की शपथ दिलाई और उनकी जवाबदेही तय की। मंडल मंत्री अमर सिंह यादव ने उपस्थित सभी डेलीगेटों को कर्मचारी हितों के लिए सक्रिय रहने और पदाधिकारियों के नेतृत्व में प्रशासन के अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया।

संघर्ष महिला संगठन के तत्वाधान में लू से बचाव हेतु कार्यशाला एवं कैंप का आयोजन

सत्ता सुधार ■ झांसी

संघर्ष महिला संगठन के तत्वाधान में झाँसी नगर निगम द्वारा लू से बचाव के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम के तहत जनपद के डेली ग्राम स्थित आदिवासी बस्ती में कार्यशाला एवं जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में आदिवासी बस्ती में रहने वाले सभी लोगों को सत्तू, तौलिया, छाछ व बिस्किट आदि सामान वितरित किये गये। कार्यशाला में जानकारी देते हुए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित एवं समाजसेविका नीति शास्त्री ने कहा गर्मियों के दिनों में लू (तापघात) प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। तापघात जानलेवा हो सकता है

इससे बचाव ही इसका उपचार है। शरीर का तापमान बढ़ना व पसीना न आना, सिर दर्द या सिर में भारीपन महसूस होना, त्वचा का सूखा एवं लाल होना, उल्टी आना, बेहोश होना एवं मांसपेशियों में ऐंठन इसके प्रमुख लक्षण हैं। यदि किसी व्यक्ति में यह लक्षण दिखाई देते हैं तो ऐसे व्यक्ति को तुरंत ठंडे एवं छायादार स्थान पर ले जाएं और तत्काल इसकी सूचना नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या एंबुलेंस को दें, जितना हो सके उसे पानी ठंडा पानी पिलाये और शरीर से अनावश्यक कपड़े निकाल दें व लगातार शरीर पर ठंडे पानी का स्प्रे करें। खासतौर से वृद्धजन, गर्भवती महिलाओं और बच्चों का विशेष रूप से ध्यान रखने की आवश्यकता है इन्हें तापघात की संभावना अधिक होती है। हर व्यक्ति को यह जानकारियां होना चाहिए इन जानकारियों से आप किसी का जीवन बचा सकते हैं। आगे के क्रम में कार्यशाला को संबोधित करते हुए संघर्ष महिला संगठन की चार्टर अध्यक्ष सपना सरावगी ने कहा दोपहर के समय हमें बाहर निकलने से बचना चाहिए ।

सूचना आम

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र गौरव व उसकी पत्नी श्रीमती अंकिता अमरया मुझे व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों को आये दिन परेशान व गाली गलौज करते है व तरह तरह से प्रताड़ित करते हैं। भविष्य को ध्यान में रखते हुये मैं अपने पुत्र गौरव व पुत्रवधू श्रीमती अंकिता अमरया को अपनी चल अचल सम्पत्ति व परिवार से बेदखल करता हूँ आज के बाद उक्त दोनों अपने फैलों के स्वंय जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों उक्त गौरव व श्रीमती अंकिता से कोई मतलब व सरोकार नहीं रहेगा।

अंबिका प्रसाद पुत्र स्व. धनीराम
निवासी आर बी 11 -654 / सी लक्ष्मी बाई नगर रेलवे कालोनी, झाँसी

ब्रीफ न्यूज

दुर्घटना बीमा दावे का त्वरित निस्तारण, दुर्घटना बीमा दावे का मण्डल प्रमुख ने सौंपा चैक

ललितपुर। मंडल प्रमुख राजकुमार ने बताया कि खाता धारक रेलवे में पदस्थ थे और उनका खाता बैंक की पीएनबी प्लेटिनम योजना के तहत खुलवाया गया था और यह खाता उक्त ग्राहक द्वारा सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा था। 25 फरवरी को ग्राहक का दुर्घटना वश देहांत हो गया था। हमारी शाखा के स्टाफ सदस्यों ने इस मामले पर त्वरित कार्यवाही करते हुए क्लेम की राशि परिवार जनों को सौंप कर उक्त क्लेम को निस्तारित कर दिया गया है जो हमारी और बैंक की ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दौरान मृतक कर्मचारी के परिवार के सदस्यों ने पंजाब नैशनल बैंक और मंडल प्रमुख का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मंडल प्रमुख सहित मुख्य प्रबंधक शोभित खरे, शाखा प्रबंधक चिरगांव माधुरी, स्टाफ सदस्य तथा मृतक के परिवार के सदस्य तथा समाजसेवी अरविंद कुमार वशिष्ट उपस्थित रहे।

बिजली का तार काटने मना करने पर मारपीट

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम सिलगन निवासी जयकुमारी पत्नी रामगोपाल ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीते रविवार को रात करीब 8 बजे उसके घर की बिजली का तार पड़ौसी बालकिशन, सुक्कन पुत्रगण गोकल प्रसाद, ज्ञानबाई लोधी ने काट दिया। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसके साथ लाठी-डण्डों से मारपीट कर दी। बचाव करने आये उसके पति के साथ भी मारपीट कर दी, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आयी है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

कार में टक्कर मारकर भागने का आरोप

ललितपुर। महरौनी के मोहल्ला कायस्थपुरा निवासी मनोज कुमार पुत्र बृजलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह सिविल जज की गाड़ी का ड्राईवर है। बताया कि वह कार संख्या यू.पी.94 ए.एच.4040 को लेकर कलेक्ट्रेट से निकल रहा था, तभी गाड़ी संख्या एम.पी.07 सी.के. 3994 तेज गति से आयी और उसकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी और मौके से भाग गया। इस घटना में उसकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने मनोज की तहरीर पर उक्त गाड़ी चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 324 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

जेल से छूटकर आये युवक ने भाई को पीटा

ललितपुर। महरौनी के मोहल्ला कंचनपुरा व हाल म.प्र. के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत नया बस स्टेण्ड के पास निवासी शिवराज पुत्र पप्पू आदिवासी ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीते रविवार को रात करीब 10 बजे वह कंचनपुरा में अपने मकान के बाहर बैठा हुआ था, तभी उसका बड़ा भाई विदेव आदिवासी जो कुछ दिनों पहले ही जेल से छूटकर आया है आया और उससे कहने लगा कि वह उसकी बजह से जेल गया था और उसके 50 हजार रुपये खर्च हो गये। उक्त रुपये वह उसे लौटाये। विरोध करने पर विसदेव ने उसके साथ गालियां देते हुये मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी।

मेडिकल कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

इमरजेंसी वार्ड में बिजली की आंखमिचोली से परेशान नजर आए मरीज और तामीरदार

शिवम अग्निहोत्री ■ ललितपुर

जहां गर्मी के प्रकोप के कारण आम जनमानस परेशान हैं और बदलते मौसम के कारण लोग बीमार हो रहे है वही मान्यवर काशीराम मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में में मंगलवार को करीब 2 घंटे तक बिजली आंखमिचौली करती रही।

इस दौरान विभिन्न मेडिकल उपकरणों की जरुरत वाले मरीजों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ा और भीषण गर्मी के कारण मरीज और तामीरदार पसीने से तरवअतर नजर आए। मरीजो और बच्चों को उन के परिजन हाथ से पंखा हिलाते नज़र आये इमरजेंसी बार्ड में मेडिकल कर्मचारियों के द्वारा काफी मसक्कत के बाद बिजली सप्लाई बहाल हुई। इस दौरान मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मेडिकल कालेज में मरीजों को सुविधाओं के लिये 24 घंटे आपूर्ति के लिये डबल लाइन जनरेटर और अन्य उपकरणों की व्यवस्था उपलब्ध हैं परंतु मंगलवार को लगातार विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर यह संसाधन नजर नहीं आए

दवा लेने घंटों करना पड़ा इंतजार

जिला अस्पताल में मंगलवार को मरीजों की भीड़ बढ़ने के कारण अव्यवस्था रही। पहले भरी गर्मी में मरीजो को पर्चा बनवाने के लिए काउंटर पर लंबी कतार में लगा रहना पड़ा फिर दवा काउंटर पर महिला और पुरुष की एकल खिड़की होने के कारण मरीजों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। सुबह से आए मरीजों को ओपीडी से दवा काउंटर तक पहुंचने में एक से चार घंटे से ज्यादा का समय लग गया। ऐसी गर्मी और भीड़ को देखते हुए मेडिकल कॉलेज में दवा वितरण के लिए और पर्चा बनवाने के लिए कम से कम चार कर खिड़की खोलने की आवश्यकता है सुबह से ही भीषण धूप हो जाने के कारण लोगों को भारी अवव्स्थाओं का सामना करना पड़ता है

विद्युत आपूर्ति न होने से लोगों का बुरा हाल

आसरा कालोनी के लोगों ने लामबंद होकर विद्युत विभाग को सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

बुढ़वार रोड केन्द्रीय विद्यालय के पास स्थित आसरा कालोनी में रहने वाले लोगों ने लामबंद होकर विद्युत वितरण खण्ड ललितपुर के अधिशाषी अभियंता को एक ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में बताया कि उनकी कालोनी में विगत दिवस से विद्युत आपूर्ति ठप बनी हुयी है।

बताया कि यहां लाइट न आने से लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं रात के समय विषैले कीड़ों का भी डर बना हुआ है। गर्मी अधिक होने के कारण बिजली की कटौती से लोगों का जीवन नारकीय हो गया है। उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा लगाये गये मीटरों से आने वाला बिल भी समयान्तर्गत भरा गया है। बावजूद इसके लाइट न आने से लोगों को भारी परेशानियां उठानी पड़ रहीं हैं। कालोनी के लोगों ने विभागीय अधिकारियों से कार्यवाही करते हुये निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय तुलसीराम, सिमरन, समीना, पार्वती परिहार, आरती यादव, अनिल, रेनु, गुड्डू, प्रिया, रामवती, नीलोफर, पूजा, पिंकी, सम्पतिया, मिथलेश, ममता, नेहा, रेखा, दिलीप, मानकुंवर, राजेश ठाकुर, वर्षा, महेन्द्र कुशवाहा, रंजीत, सपना, भारती, गीता, रश्मी, मालती, दीप्ति, रेहाना, नीलम, रैना, नफीसा, प्रभा, हेमा आदि मौजूद रहीं।

विद्यालयों में आज से होंगे समर कैम्प आयोजित

डीएम के निर्देश पर डीआईओएस ने शुरू की तैयारियां

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

स्कूल शिक्षा महानिदेशक लखनऊ के निर्देश पर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में माध्यमिक विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समर कैम्प को आयोजित करने हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने जनपद के राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में समर कैम्प 21 मई से 10 जून 2025 तक आयोजित करने के निर्देश दिये। यह आयोजन सभी विद्यालय सुबह 7 से 10 बजे तक करेंगे। प्रधानाचार्य यह सुनिश्चित करेंगे कि बिना अभिभावक विद्यार्थी सहमति से समर कैम्प में बच्चों को न रोका जाये। समर कैम्प की गतिविधियां करते समय सुरक्षा नियमों की अनदेखी न की जाये तथा समर कैम्प का आयोजन धूप में न किया जाये। समर कैम्प में पारंपरिक गतिविधियों को न किया जाये। नई गतिविधियां करायी जायें। जिलाधिकारी ने डीआईओएस को निर्देशित किया कि सीएमओ, उद्यान अधिकारी, क्रीड़ाधिकारी को उन विद्यालयों की सूची उपलब्ध करा दी जाये जिनमें समर कैम्प का आयोजन किया जाना है। सीएमओ विद्यालयों की आवश्यकतानुसार एवं भौगोलिक परिस्थति के अनुसार समय-समय पर विद्यालयों में चिकित्सकों को भेजें जहां वह छात्र-छात्राओं को रोगों से बचाव एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। उद्यान अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारियों को विद्यालयों में भेजकर छात्र-छात्राओं को जैम, जैली अचार बनाने, अन्य तरीकों से बागवानी करने की जानकारी प्रदान करें। जिला क्रीड़ाधिकारी अपने खेल प्रशिक्षुओं को आवश्यकतानुसार विद्यालयों में भेजकर छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान करें। डीआईओएस ने अवगत कराया कि सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित कर दिया गया है कि वह समर कैम्प हेतु विकसित मॉडयूल में दिवसवार, सुझावात्मक गतिविधियों में परिवेश के अनुसार कार्ययोजना तैयार कर लें। बैठक में सीएमओ, बीएसए, उद्यान अधिकारी, प्रधानाचार्य जीआईसी उपस्थित रहे।

महिला को झांसे में लेकर बीजासेन पेण्डल व नकद लेकर भागे बदमाश

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट अंतर्गत ग्राम बिजरौठा खदरी निवासी रामकुंवर पत्नी देवसिंह ने जीआरपी पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि वह ललितपुर रेलवे स्टेशन के बाहर सब्जी बेचने का काम करती है। बीती 15 मई को अपराह्न 12 बजे वह दुकान पर बैठी हुयी थी, तभी दो व्यक्ति उसकी दुकान पर आये और 100 रुपये के छुट्टे करने को बोला। उसने छुट्टे रुपये दिये तो उक्त लोगों ने अपनी बातों में उलझा लिया और दूसरे व्यक्ति से बात कर रही थी, तो उसने बताया कि वह बीना में काम करता है और उसके मालिक ने उसे छह महीने की वेतन नहीं दी। उससे एलसीडी टीवी टूट गयी थी और वह उससे मारपीट करता, इसलिए वह मालिक के पैसे चुराकर लाया है और चोरी के रुपये वह अपने पास रख ले और कुछ रुपये उसे खर्च को दे। पीड़िता ने बताया कि उक्त लोग उसे अपने झांसे में लेकर प्लेटफार्म संख्या 1 पर ले गये, जहां उन्होंने उसे एक पैकेट दिखाया। पीड़िता ने बताया कि वह बहकावे में आ गयी और उसने उक्त लोगों की बातों में आकर अपना बीजासेन पेण्डल, एक हजार रुपये नकद दे दिये। कुछ समय बाद उसे एहसास हुआ तो उसने अपना पैण्डल वापस मांगा तो उक्त लोगों ने उसे धक्का दिया और भाग गये। घर पहुंच कर उसने अपने पति से यह मामला बताया। अब जीआरपी पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318 (4), 303 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

पंतजी के काव्य का प्रदेय विश्व एकता और मानव एकता का जयघोष करता है

सुमित्रानन्दन पंत जयंती

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

महान कवि सुमित्रानंदन पंतजी की जयंती पर आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए नेहरू महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रो. भगवत नारायण शर्मा ने कहा कि कविवर पंत का जन्म 20 मई 1900 को हुआ था। उनकी प्रथम रचना उछ्वास 1922 को प्रकाशित हुई तत्पश्चात ग्रन्थि प्रकाशित हुई। किन्तु काव्य जगत के महारथी की तीसरी रचना पल्लव ने उन्हें सर्वाधिक लोकप्रियता प्रदान की। भारतेन्दु जी हिन्दी गद्य के उन्नायक थे परन्तु कविताएं उस जमाने में ब्रज भाषा में ही लिखी जाती थी। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भलीभांति यह समझ लिया था कि हिन्दी देश की ही नहीं अपितु विश्व की अन्ततः एकमात्र सबसे बड़ी सशक्त सम्पर्क भाषा की ओर अग्रसर है इसलिए खड़ी बोली

हिन्दी का भविष्य बहुत उज्जवल है। प्रारम्भ में राष्ट्रकवि गुप्तजी भी ब्रजभाषा के प्रेमी थे किन्तु द्विवेदीजी की प्रेरणा से उन्होंने खड़ी बोली की उँगली पकड़कर उसे चलना सिखाया। कालान्तर में प्रसाद, पंत और निराला की त्रिवेणी ने खड़ी बोली की खडख़ड़ाहट को दूर करके उसे अभूतपूर्व कोमलता प्रदान करके सौम्य, सौम्यतर ही नहीं सौम्यतम निखार पैदा कर दिया। हिन्दी जगत में छायावाद का आविर्भाव कवीन्द्र रवीन्द्र द्वारा प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व और मानव एकता के विश्वव्यापी आन्दोलन के माध्यम से हुआ। सुमित्रानंदन पन्त का मानना है कि मानव मन की परिस्थितियों में एकता, संतुलन, समन्वय तथा संयोजन लाने का गम्भीर प्रयत्न वैदिक युग से लेकर आज तक चल रहा है। साहित्य में मनुष्य की पाशविक प्रवृत्तियों और उसकी भेदबुद्धि के अहंकार तथा घृणा, द्वेष, क्रोध, लोभ, स्वार्थ, मोह आदि कुचालों से मुक्त करना ही साहित्य का मूल उदेश्य है। पन्तजी के काव्य का प्रदेय विश्व एकता तथा मानव एकता का जयघोष करता है। नवीन आशा, उल्लास तथा सौन्दर्य से अनुप्राणित धरती को मनुष्य के रहने योग्य बनाने में सहायक है। उपनिषदों से लेकर रवीन्द्रनाथ टैगोर, समता और न्याय आधारित समाजवाद के चिन्तक कार्ल मार्क्स, अरविन्द घोष और परम अद्वैतवादी महात्मा गाँधी के विचारों से पन्तजी गहराई तक प्रभावित थे।

पुण्यश्लोक वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर की जयन्ती मनायी

अतिथियों ने बच्चों को वितरण किया पुरुस्कार

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

पुरुषोत्तम नारायण इण्टर कॉलेज इंटर कॉलेज में पुण्यश्लोक वीरांगना अहिल्याबाई होल्करजी की 300वीं जन्म जयंती भाजपा उपाध्यक्ष किरण सेन के मुख्यातिथ्य में मनाई गई। सर्वप्रथम भाजपा उपाध्यक्ष किरण सेन, प्रधानाचार्य अजय सक्सेना ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस दौरान विद्यालय में अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजयी छात्रों को मुख्य अतिथि के करकमलों से स्मृति चिन्ह देकर पुरुस्कृत किया गया। मौके पर भाजपा उपाध्यक्ष किरण सेन ने अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रानी अहिल्याबाई होलकर के नाम के आगे पुण्यश्लोक लगा है उसका अर्थ शुभ चरित्र एवं ख्याति प्राप्त होता है, इनका जीवन राष्ट्र प्रेम एवं व्यक्तिगत शौर्यता का प्रतीक रहा है। आपने जीवन पर्यंत अपनी प्रजा का पालन पोषण संतानवत किया। आप महान शासिका एवं शिव भक्त रही है। आपका जीवन सम्पूर्ण महिला जाति के लिए प्रेरणा स्रोत है। अंत में प्रधानाचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षक हरिशंकर प्रसाद तिवारी, इंद्रमणि यादव, आशीष वर्मा, विवेक त्रिपाठी, शैलेन्द्र जैन, विवेक कुमार, इंद्रजीत, विकास जायसवाल, बलराम मिश्रा, छत्रपाल यादव, कला शिक्षक जितेन्द्र, अनिल राठौर, अनुज हुण्डैत, अंशुवाला तिवारी, साक्षी जैन, ऋतु बिलगैंया, राजेंद्र रजक, देवेंद्र रजक, सौरभ शिवहरे, कृष्णकांत रजक, बृजेश, इकबाल, अभिषेक, सुधीर व महेंद्र उपास्थित रहे।

धमकी भरे पत्र पर मंडी निरीक्षक ने दर्ज कराई एफआईआर

ललितपुर। महरौनी के मंडी समिति के निरीक्षक गिरिजेश कुमार तिवारी को जान से मारने की धमकी देने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में गिरिजेश कुमार द्वारा कोतवाली महरौनी थाने में एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, 2 मई 2025 को गिरिजेश कुमार को उनके नाम से एक रजिस्ट्री पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें उन्हें आत्महत्या करने के लिए प्रेरित किया गया और गंभीर धमकियां दी गईं। पत्र में न केवल उनके खिलाफ आपत्तिजनक एवं अश्लील बातें लिखी गई थीं, बल्कि उनकी पत्नी और बेटी को लेकर भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था। पत्र पर प्रेषक के रूप में प्रमुख साही इमाम बुखारी, मौत का सौदागर, लश्करे ताहिवा, प्रधान कार्यालय जलजला, सावधान इंडिया, मस्जिद निजामुद्दीन, नई दिल्ली का नाम और पता अंकित था। हालांकि, जांच में पता चला कि सभी पत्र ललितपुर से ही रजिस्ट्री किए गए थे। गिरिजेश कुमार तिवारी ने संदेह जताया है कि इस आपराधिक कृत्य में मंडी सहायक स्वप्निल त्रिपाठी उर्फ पंडा का हाथ हो सकता है। उन्होंने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। थाना महरौनी में इस संबंध में एफआईआर संख्या 0207, भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 351(3), और 356(2) के अंतर्गत दर्ज की गई है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में जुट गई।

पूमावि खितवांस में बच्चों को कराया गया योग

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

पूर्व माध्यमिक विद्यालय खितवांस में उ.प्र.राज्य आयुष सोसाइटी लखनऊ द्वारा संचालित हेल्थ वैलनेस सेन्टर (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) सिलवान के तत्वाधान में 01 से 19 मई 2025 तक विशेष योग शिविर आयोजित किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा.अर्जुन लाल, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा.राहुल जायसवाल के निर्देश पर योग प्रशिक्षक अजय सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को सूक्ष्म आसन, सूर्य नमस्कार, विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान योग का प्रशिक्षण दिया गया। योग प्रशिक्षक द्वारा बच्चों को दैनिक जीवन में योग व खानपान के महत्व को समझाकर बच्चों में बौद्धिक तथा मानसिक और शारीरिक विकास पर जोर दिया गया। योग प्रशिक्षक अजय सिंह ने बताया कि योग को दैनिक जीवन में अपना कर तन, मन से स्वास्थ्य प्राप्त करके जीवन में कोई भी लक्ष्य प्राप्त कर सकते है। विद्यालय की प्रधानाध्यक अजरा खान ने सभी विद्यार्थियों को 21 जून योग दिवस पर एक जुट होकर योग दिवस मनाने के लिए सभी विद्यार्थियों को निर्देश दिए।

कार्यवाही | राजघाट कम्पोजिट शराब की दुकान का मामला

शराब की ओवररेटिंग करते रंगे हाथों दबोचा गया सेल्समेन

सत्ता सुधार ■ ललितपुर

शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण अंचलों में शराब की दुकानों पर मदिरा और बियर की ओवर रेटिंग की लगातार मिल रहीं शिकायतों को अब आबकारी विभाग गंभीरता से लेने लगा है। कुछ समय से निरंतर मिल रहीं शिकायतों के मद्देनजर मंगलवार को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र प्रथम ने कार्यवाही करते हुये राजघाट स्थित कम्पोजिट शराब की दुकान पर आकस्मिक निरीक्षण करते हुये सेल्समेन को निर्धारित मूल्य से अधिक पर शराब बेचते हुये रंगे हाथों धर दबोचा गया। जबकि दुकान के अनुज्ञापी के खिलाफ 75 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। आबकारी निरीक्षक क्षेत्र प्रथम ने प्रेस नोट जारी करते हुये बताया कि लगातार मिल रहीं शिकायतों के क्रम में जानकारी मिली कि राजघाट स्थित कंपोजिट शराब दुकान द्वारा सुबह निर्धारित समय से पूर्व दुकान खोलकर ग्राहकों से निर्धारित मूल्य से अधिक दर (ओवर रेटिंग) पर शराब विक्रय की जा रही है। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 ने स्वयं मौके पर सुबह पहुंच कर निरीक्षण किया।

इस दौरान दुकान पर कार्यरत सेल्समैन को निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर शराब बेचते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया, जोकि उत्तर प्रदेश

आबकारी अधिनियम के अंतर्गत गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है। इसके अलावा अनुज्ञापी के विरुद्ध 75 हजार रुपए का अर्थदंड अधिरोपित करते हुए वित्तीय दंड की वसूली की कार्रवाई भी की गई है। आबकारी विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी किसी प्रकार की ओवर रेटिंग, निर्धारित समय से पूर्व दुकान खोले जाने, अवैध बिक्री या किसी अन्य प्रकार की अवैध शराब संबंधी गतिविधि की जानकारी हो तो तत्काल विभाग को सूचित करें। विभाग द्वारा इस प्रकार की शिकायतों पर दृढ़ता से, तत्परता से और पारदर्शी रूप से कार्रवाई की जाएगी।

जेठ माह के द्वितीय बड़े मंगलवार को अधिवक्ताओं द्वारा खिचड़ी वितरण

ललितपुर। जेठ माह की प्रचंड गर्मी के बीच जनपद में मानवीय संवेदना का एक सुंदर उदाहरण देखने को मिला। कचहरी परिसर में कार्यरत अधिवक्ताओं द्वारा मंगलवार को खिचड़ी वितरण का आयोजन किया गया। यह आयोजन जेठ माह के द्वितीय मंगलवार को किया गया, जिसे धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। अधिवक्ताओं ने सामूहिक रूप से यह सेवा कार्य करते हुए राहगीरों, वादकारियों और कचहरी में उपस्थित अन्य आम जनों को गर्म खिचड़ी वितरित की। खिचड़ी वितरण कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और इस सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम में शामिल अधिवक्ताओं ने बताया कि अत्यधिक गर्मी में लोगों को पौष्टिक व ताजे भोजन की आवश्यकता होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सभी ने मिलकर न केवल वितरण किया, बल्कि साफ-सफाई और अनुशासन का भी पूरा ध्यान रखा। इस पुनीत कार्य को देखकर कचहरी परिसर में उपस्थित लोगों के चेहरे पर संतोष और आभार झलक रहा था।

ब्रीफ न्यूज

इजरायल के रक्षा मंत्री का दावा, हमास का प्रमुख नेता मारा गया

गाजा। गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध के सातवें महीने में एक बड़ी खबर सामने आई है! इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने दावा किया है कि हमास का प्रमुख नेता मुहम्मद सिनवार संभवतः मारा जा चुका हैं। इजरायली मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक इस दावे की पुष्टि हवाई हमले के बाद हुई है। मुहम्मद सिनवार का भाई ज़कारिया सिनवार की भी मौत हो गई है। वह गाजा के नुसेरात इलाके में अपने बच्चों के साथ एक तंबू में रह रहा था, जिस पर इजरायली हवाई हमले में उन्हें और उनके तीन बच्चों को मौत हो गई। इन दोनों नेताओं की मौत की खबरें आ रही हैं जब गाजा में भारी तबाही और हजारों की मौत हो रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संघर्ष विराम की मांगें तेज हो रही हैं। इस हादसे से हमास को भारी नुकसान हो सकता है क्योंकि ये नेता संगठन का अहम हिस्सा थे।

फिर भारत के खिलाफ साजिश रचने लगा पाकिस्तान, घुसपैठ के लिए बना रहा सुरंग

इस्लामाबाद। भारत और पाकिस्तान की सीमा पर शांति की कोशिशों के बावजूद, पाकिस्तान की ओर से नापाक हरकतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर तो सिर्फ ट्रेलर था। अगर जरुरत पड़ी तो पूरी पिक्चर भी दिखा देंगे। पाकिस्तान की हरकतों को लगता है कि वो पूरी पिक्चर देखने को बेताब है। खबरों के मुताबिक लश्कर-ए-तैयबा के सह-संस्थापक आमिर हमजा सहित कई आतंकी नजर आए। दावा किया कि पाकिस्तानी सेना और आतंकियों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मुलाकात की और एलओसी पर सक्रियता दिखाई। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के सांबा, कठुआ और अन्य इलाकों में पहले भी ऐसी सुरंगें मिल चुकी हैं। अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान ने इन सुरंगों को बनाने के लिए पूर्व सैनिकों को भी तैनात किया है, जो सीमा के पास सक्रिय हैं। रिपोर्ट में एक अधिकारी ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले ही कहा था कि उन्हें यह निर्देश दिया गया है कि वे पता लगाएं कि क्या पाकिस्तान संघर्ष की स्थिति में गहरी सुरंगें खोदकर आतंकियों या सैनिकों को भेजने की व्यवस्था कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किया गया था।

तकनीकी खराबी के कारण पेरिस के ऑर्ली हवाई अड्डे से उड़ान बंद, मची अफरा-तफरी

पेरिस। पेरिस के ऑर्ली हवाई अड्डे पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण रविवार को सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गईं। बड़ी संख्या में उड़ानें देरी से उड़ीं। इस खराबी ने हजारों यात्रियों को प्रभावित किया, जिनमें से कई पहले से ही विमानों में सवार थे, जब उन्हें उड़ान रद्द होने की सूचना दी गई। फ्रांसीसी नागरिक विमानन प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि यह अव्यवस्था सोमवार तक जारी रह सकती है।

इस खराबी ने यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और फ्रांस के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भरने वाले यात्रियों को बुरी तरह प्रभावित किया।

जांच के अनुसार विस्फोटक सामग्री एक वाहन में रखी गई थी

बलूचिस्तान में बिगड़ रहे हालातों के बीच हुआ बड़ा धमाका दो की मौत

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

बलूचिस्तान प्रांत के किला अब्दुल्ला जिले में एक भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 11 लोग घायल हो गए। यह धमाका गुलिस्तान इलाके के अब्दुल जब्बार मार्केट के पास हुआ। किला अब्दुल्ला के डिप्टी कमिश्नर रियाज खान ने बताया, प्रारंभिक जांच के अनुसार विस्फोटक सामग्री एक वाहन में रखी गई थी। बम डिस्पोजल स्क्वाड और सुरक्षा बलों को मौके पर बुला लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। रियाज खान ने बताया कि धमाके के तुरंत बाद जिले के स्वास्थ्य मुख्यालय में आपातकाल घोषित कर दिया गया है, जहां घायलों को प्राथमिक चिकित्सा दी जा रही है।

गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों में बलूचिस्तान की सुरक्षा स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। लंबे समय से जारी विद्रोह के तहत सक्रिय आतंकवादी अब पहले से अधिक घातक और सटीक हमले कर रहे हैं। विशेष रूप से प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने अब नई रणनीतियां अपनाई हैं, जिनमें सुरक्षा बलों को सीधे निशाना बनाया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, लेवीज बल के रिसालदार गुलाब खान ने जानकारी दी कि धमाके के बाद आसपास मौजूद लेवीज कर्मियों और आम नागरिकों ने घायलों को बचाया और उन्हें तुरंत इलाज के लिए डिस्ट्रिक्ट हेल्थ हेडक्वार्टर चमन भेजा गया।घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर लिए गए हैं और अधिकारियों ने जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगटी ने इस हमले की कड़ी निंदा की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ जंग दरअसल राष्ट्रीय सुरक्षा की लड़ाई है। जब तक आखिरी आतंकी का खात्मा नहीं हो जाता, यह जंग जारी रहेगी।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुलिस्तान धमाके में शामिल तत्वों को जल्द खत्म किया जाएगा। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने भी एक अलग बयान में बताया कि सुरक्षा बल मौके पर मौजूद हैं, इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। राज्य जनता की सुरक्षा के लिए हर संभव संसाधन इस्तेमाल कर रहा है।

उग्रवादियों ने किया हमला, 4 सैनिकों की मौत: पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में रणनीतिक रूप से अहम चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) मार्ग पर स्थित एक जांच चौकी पर उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले में चार सैनिक मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नकाबपोश बंदूकधारियों ने शनिवार शाम जिले के नाल इलाके में जांच चौकी पर हमला किया और मौके से फरार हो गए। अबतक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि यह हमला बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा किया गया है।

ब्रिटेन और ईरान के बीच बढ़ा कूटनीतिक तनाव, तलब किए गए राजदूत

ब्रिटेन ने जासूसी के आरोप में तीन ईरानी नागरिकों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था

एजेंसी ■ लंदन

ब्रिटेन और ईरान के बीच कूटनीतिक तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। ब्रिटेन ने जासूसी के आरोप में तीन ईरानी नागरिकों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। बाद में सोमवार को ईरान के राजदूत को तलब किया गया। इस कदम को दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में एक नया मोड़ माना जा रहा है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि ब्रिटेन की ओर से यह कार्रवाई तब की गई, जब ईरान ने अपने एक नागरिक की लंदन में 'अवैध और अनुचित' हिरासत का विरोध करते हुए एक ब्रिटिश राजनयिक को तलब किया था। ईरान ने इस हिरासत को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन करार देते हुए कड़ा ऐतराज जताया। हालांकि, इस मामले में हिरासत में लिए गए ईरानी नागरिक की पहचान अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। बता दें कि यह ताजा विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब ब्रिटेन और ईरान के बीच संबंध पहले से ही कई मुद्दों पर तनावपूर्ण हैं। इनमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रही बातचीत, क्षेत्रीय सुरक्षा और मानवाधिकार जैसे मुद्दे शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की कूटनीतिक कार्रवाइयां दोनों देशों के बीच पहले से ही नाजुक रिश्तों को और जटिल बना सकती हैं। लंदन में कुछ विश्लेषकों का कहना है कि ब्रिटेन का यह कदम केवल राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक संदेश भी देता है कि वह विदेशी ताकतों की ओर से अपने नागरिकों और संस्थानों को निशाना बनाए जाने के खिलाफ कड़ा रुख अपनाएगा। वहीं, ईरान का दावा है कि यह मामला पश्चिमी देशों द्वारा उसके खिलाफ चलाए जा रहे 'राजनीतिक अभियान' का हिस्सा है। लंदन की एक अदालत में तीन ईरानी नागरिकों के खिलाफ जासूसी के आरोप में मुकदमा शुरू किया गया। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि इन तीनों व्यक्तियों ने ईरान के एक समाचार संस्थान के लिए काम करते हुए ब्रिटेन में रहने वाले पत्रकारों की निगरानी की और उनके खिलाफ हिंसक साजिश रची। इन आरोपों को ब्रिटेन ने अत्यंत गंभीरता से लिया है, जिसके चलते ईरान के राजदूत सईद अली मौसवी को विदेश कार्यालय में तलब किया गया। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमारी सरकार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ईरान को उसके इन कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। हम अपने देश में किसी भी तरह की जासूसी या धमकी को बर्दाश्त नहीं करेंगे।' मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि ब्रिटेन इस मामले में कठोर कदम उठाने से नहीं हिचकेगा और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मुद्दे पर सहयोग की अपेक्षा करता है।

गाजा पर कब्जा करने नेतन्याहू की सेना ने किया जमीनी अभियान तेज

तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इजरायल पूरे गाजा पर कब्जा कर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करेगा। इसी के तहत इजरायली सेना ने गाजा में नया जमीनी सैन्य अभियान शुरू कर दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि यह लड़ाई तेज गति से आगे बढ़ रही है और वे गाजा पट्टी के हर हिस्से पर कब्जा कर लेंगे। उन्होंने सैनिकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा, हम हार नहीं मानेंगे, लेकिन सफल होने के लिए हमें ऐसा कदम उठाना होगा जिसे रोका न जा सके। इजरायली सेना ने पिछले सप्ताह दर्जनों हमास लड़ाकों को मार गिराया और 670 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया था। इसी बीच इजरायल ने गाजा में राशन और अन्य बुनियादी मदद पहुंचाने का भी ऐलान किया है।

दो घंटे पुतिन से फोन पर बात, फिर भी युद्ध नहीं रोक पाए ट्रंप

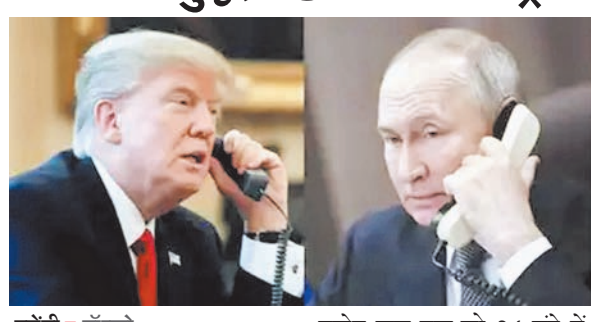

एजेंसी ■ मॉस्को

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'रूस और यूक्रेन तुरंत युद्धविराम और युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत शुरू करेंगे। शर्तें दोनों पक्षों के बीच तय होंगी, क्योंकि वे ही वार्ता की बारीकियों को समझते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि रूस युद्ध खत्म करने के बाद अमेरिका के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार करने में रुचि रखता है, जिससे दोनों देशों को आर्थिक लाभ हो सकता है। हालांकि, रूस का रुख ट्रंप के आशावाद से कुछ अलग है। पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन के साथ एक संभावित भविष्य के शांति समझौते पर एक मेमोरेंडम तैयार करने को तैयार है, लेकिन उन्होंने युद्ध की 'मूल वजहों' को हल करने पर जोर दिया। रूस पहले भी यूक्रेन के यूरोप के साथ करीबी रिश्तों को युद्ध का कारण बता चुका है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव से पहले कहा था कि वह यूक्रेन-रूस युद्ध को 24 घंटे में खत्म कर देंगे। पिछले हफ्ते कहा कि यह तब तक नहीं होगा जब तक वह और व्लादिमीर पुतिन मिलकर बात न करें। लेकिन सोमवार को दो घंटे की फोन कॉल के बाद, ट्रंप ने फिर रुख बदला। अब वह कहते हैं कि शांति समझौते की शर्तें रूस और यूक्रेन को खुद तय करनी होंगी। ट्रंप की इस उलटबयानी से साफ है कि उनकी बातों में ठोस रणनीति का अभाव है, और यह अनिश्चितता यूक्रेन के लिए खतरे की घंटी बजा रही है। इससे यह भी पता चलता है कि जितना ट्रंप मानते थे, उतनी आसानी से पुतिन मान नहीं सकते।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ट्रंप और कई यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत के बाद रूस की मंशा पर संदेह जताया। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि रूस की ओर से क्या सिद्धांत हैं। मैं चाहता हूं कि सभी वास्तव में युद्धविराम के लिए प्रतिबद्ध हों।

शराब पीने के बाद भी पूरी नहीं होती है नींद

एजेंसी ■ वाशिंगटन

शराब पीने से कुछ लोगों को सोने में मदद मिलती हुई लगती है, लेकिन यह दरअसल एक भ्रम है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि शराब पीने से नींद पूरी नहीं होती, बल्कि यह व्यक्ति को सिर्फ बेहोश कर देती है, जिससे शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिल पाता। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि शराब पीने के बाद नींद में जो बदलाव आते हैं, वे सच्ची नींद के मुकाबले बहुत ही नुकसानदायक होते हैं। शराब से रैपिड आई मूवमेंट नींद प्रभावित होती है, जो नींद का एक अहम हिस्सा है। इसके कारण व्यक्ति गहरी नींद से वंचित रह जाता है, और सुबह वह थका-थका और चिड़चिड़ा महसूस करता है। शराब का असर रात के मध्य में कम होने लगता है, जिससे नींद टूटने का खतरा बढ़ जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शराब पीने से नींद की गुणवत्ता खराब हो जाती है। नियमित रूप से शराब पीने वालों में से 90 प्रतिशत लोग नींद से संबंधित समस्याओं का सामना करते हैं। इसका असर शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन के स्तर को बढ़ाता है, जिससे नींद की प्रक्रिया बाधित होती है। लोग रात को शराब पीने के बाद 3 से 4 बजे के बीच जागने लगते हैं, जिससे वे पर्याप्त नींद नहीं ले पाते। इसके बाद भी शरीर को पूरी तरह से आराम नहीं मिलता है, और व्यक्ति अगले दिन थकान महसूस करता है। यह स्थिति शराब की आदत को और बढ़ावा देती है, क्योंकि लोग सोचते हैं कि अगले दिन बेहतर नींद के लिए उन्हें फिर से शराब पीनी होगी। इस प्रकार एक नकारात्मक चक्र का निर्माण होता है, जो शरीर और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि शराब से नींद में सुधार की बजाय और भी समस्याएं पैदा होती हैं, इसलिए शराब से दूर रहना और प्राकृतिक तरीके से नींद की आदत डालना ही सबसे अच्छा विकल्प है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को हुआ प्रोस्टेट कैंसर, ट्रंप ने जताया दुख

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को लेकर एक बेहद बुरी खबर है। उन्हें प्रोस्टेट कैंसर हो गया है। हालिया मेडिकल चेकअप में कैंसर का पता चला है। पेशाब में परेशानी के बाद उन्होंने हाल ही में मेडिकल चेकअप करवाए थे। जानकारी के मुताबिक प्रोस्टेट कैंसर की सेल उनकी हड्डियों तक फैल चुकी हैं। जो बाइडने के ऑफिस की तरफ से ही उनके स्वास्थ्य के बारे में अपडेट दिया गया है। बताया गया कि जो बाइडेन और उनका परिवार कैंसर के ट्रीटमेंट को लेकर विचार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने बाइडेन के परिवार को ढांढस बंधाते हुए उनके लंबे जीवन की कामना की है। उन्होंने कहा, हमारी यही कामना है कि पूर्व राष्ट्रपति जल्द स्वस्थ हो जाएं।

प्रोस्टेट कैंसर की गंभीरता ग्लेसन स्कोर के हिसाब से तय की जाती है। 1 से 10 तक का स्कोर बताता है कि कैंसर किस स्थिति में पहुंच गया है।

दुनियां में लोग सोच से कहीं ज्यादा दयालु, एक खास रिपोर्ट से हुआ खुलासा

एजेंसी ■ लंदन

एक तरफ जहां दुनियां के अनेक देश युद्ध की विभीषिका से परेशान नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि दुनिया के लोग सोच से कहीं ज्यादा दयालु हैं। यह आखिर कैसे संभव हो सकता है कि एक तरफ पड़ोसी देश एक-दूसरे को सीमा पर रहने के लिए हमले करते नजर आएं और दूसरी तरफ रिपोर्ट कहे कि दुनिया के लोग दयालु हैं।

दरअसल ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा प्रकाशित वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, दुनिया भर के लोग जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं अधिक दयालु और सहयोगी हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि दूसरों की दयालुता में विश्वास होना, स्वास्थ्य और संपत्ति जैसे पारंपरिक कारकों से कहीं अधिक, किसी व्यक्ति की प्रसन्नता और खुशी के स्तर को निर्धारित करता है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वेलबीइंग रिसर्च सेंटर द्वारा प्रकाशित वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट पारंपरिक मापदंडों से आगे जाकर, सामूहिक जीवन, विश्वास और आपसी संबंधों को मुख्य कारणों के तौर पर देखती है। ऑक्सफोर्ड वेलबीइंग रिसर्च सेंटर के निदेशक और रिपोर्ट के संपादक जन-इमैनुएल डी नेवे बताते हैं कि इस दौर में जबकि सामाजिक अलगाव और राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, हमें लोगों को एक बार फिर एक साथ लाने के तरीके तलाशने होंगे, यह हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण के लिए जरूरी हैं।

रिपोर्ट से निकले महत्वपूर्ण सामाजिक निष्कर्ष: वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2025 के अनुसार, खुशी के पैमाने को तय करने वाले कारक अलग-अलग देशों में अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन खुशी के पैमाने में महत्वपूर्ण सामाजिक निष्कर्ष एक जैसे ही हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि साझा भोजन खुशी का कारण होता है। परिवार का आकार तय करता है खुशी होगी या नहीं।

उलझन.. कृषि पर टैक्स लगाना पाक सरकार के लिए टेढ़ी खीर, हो सकता है विद्रोह

आईएमएफ ने भारी कर्ज देकर पाकिस्तान को फंसाया या खुद फंसा

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज तो दे दिया है, अब पाकिस्तान यह कर्जा का इस्तेमाल आतंकियों पर खर्च नहीं कर सकेगा उसे यह पैसा विकास कार्यों पर लगाना होगा अगर वह ऐसा नहीं करता है तो उसे अगली किस्त नहीं मिलेगी। एक्सपर्ट का मानना है कि पाकिस्तान अगर आईएमएफ की बात नहीं मानता है तो वह विद्रोह को दावत देने जैसा होगा।

ऐसा इसलिए क्योंकि, आईएमएफ ने कहा है कि पाकिस्तान को अगला पैकेज तभी मिलेगा, जब वह जून तक सभी चार राज्यों में कृषि पर टैक्स लगा देगा। इसे पूरा करना पाकिस्तान के लिए टेढ़ी खीर है. इसमें में चार शर्तें रखी गई हैं। वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि कर्ज देकर आईएमएफ फंस गया है और अब उसे समझ नहीं आ रहा कि पाकिस्तान पर कैसे नकेल कसी जाए। पाकिस्तान में कृषि आय पर टैक्स लगाना सिर्फ एक आर्थिक फैसला नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से विस्फोटक कदम है. क्योंकि पाकिस्तान में कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा अमीर जमींदार परिवारों के पास है, जो प्रांतीय और राष्ट्रीय राजनीति में बेहद प्रभावशाली हैं. इनमें से कई सांसद, मंत्री या सेना में रसूखदार पदों पर मौजूद हैं। इनकी कमाई पर टैक्स लगाने का मतलब होगा सीधे सत्ताधारी वर्ग के हितों को चोट पहुंचाना है। इसका भारी विरोध होगा। सरकार गिरने की नौबत आ सकती है। पाकिस्तान में कृषि क्षेत्र पारंपरिक रूप से कर-मुक्त रहा है।

इस क्षेत्र से जुड़े बड़े जमींदार और राजनीतिक प्रभावशाली वर्ग कराधान के विरोध में हैं, जिससे इस शर्त को लागू करना सरकार के लिए राजनीतिक रूप से जोखिमपूर्ण है। इससे ग्रामीण इलाकों में इसे लेकर गुस्सा बढ़ेगा। उन्हें लगेगा कि सेना और सरकार ने मिलकर उनके साथ धोखा किया है लंबे समय से पाकिस्तान के लोग ये मानते रहे हैं कि शहरों के फायदे के लिए गांवों को कुर्बान किया जाता है। खेती पर टैक्स लगाने से गांव के लोगों में विद्रोह पनप सकता है।

पाकिस्तान में कई इस्लामी संगठन और कट्टरपंथी गुट पहले से ही ग्रामीण असंतोष का लाभ उठाने की ताक में हैं। कृषि टैक्स को वे इस्लामी मूल्यों के खिलाफ जबरन वसूली बताकर लोगों को भड़का सकते हैं। केंद्र के तमाम फैसले पाकिस्तान की राज्य सरकार नहीं मानती है।

दवाएं आखिरी विकल्प हों, पहली नहीं, असली इलाज आपके अंदर की ताकत है

एजेंसी ■ लंदन

एक व्यक्ति ने परंपरागत इलाज को छोड़कर प्रकृति की ओर रुख किया और नतीजे चौंकाने वाले आए। ल्यूकेमिया और लिंफोमा जैसे दो खतरनाक कैंसर को इस व्यक्ति ने केवल प्राकृतिक तरीकों से हरा दिया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि डॉक्टरों ने उस व्यक्ति से साफ कह दिया था कि इलाज के बिना उनके बचने की उम्मीद नहीं है, लेकिन उन्होंने कीमोथेरेपी और रेडिएशन लेने से मना कर दिया। इसके बजाय उन्होंने खुद पर एक प्राकृतिक ट्रायल शुरू किया।

ठंडी नदी में 4 डिग्री तापमान में 187 मील करीब 300 किमी तैराकी की। हर हफ्ते एक रात जंगल में बिताई। जीवन से डरने की बजाय जीवन को अपनाने का नजरिया अपनाया। शरीर की स्व-उपचार क्षमता पर भरोसा जताया। पहली बर्फीली तैराकी के बाद जब उनका ब्लड टेस्ट हुआ तो डॉक्टर दंग रह गए। ल्यूकेमिया पूरी तरह गायब था। 10 महीने बाद जब दोबारा स्कैन किया गया, तो लिंफोमा का भी कोई नामोनिशान नहीं मिला। कैंसर विशेषज्ञ ने कहा कि अगर मैंने खुद टेस्ट नहीं किया होता।

गृह मंत्रालय ने तय की थी 3 माह की समय सीमा

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गये फैसले के बाद एक महत्वपूर्ण संवैधानिक बहस शुरू हो गई है। यह बहस राष्ट्रपति या राज्यपालों द्वारा विधेयक की समय सीमा तक सीमित नहीं रह गई है। जिस तरह से राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 बिंदुओं पर सलाह मांगी है। उसके बाद नई-नई बातें निकलकर सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने जो आदेश दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय परिपत्र कई वर्ष पूर्व जारी कर चुका है। जिसमें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यपालों को निर्देश भेजे थे। तीन माह की समयावधि के अंदर विधेयक पर अंतिम फैसला लेने के लिए निर्देशित किया गया था। केंद्र सरकार के प्रशासनिक निर्देशों की समय सीमा का हवाला सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में यह सीमा तय की गई थी। इस गाइडलाइन के अनुसार, राष्ट्रपति और राज्यपालों को राज्यों से आने वाले विधेयकों पर अधिकतम तीन महीने के अन्दर निर्णय लेने थे। कई राज्यों के राज्यपाल यहां तक की राष्ट्रपति कार्यालय में लंबे समय से विधेयक लंबित पड़े थे। सहमति हो, असहमति हो या विधेयक को पुनर्विचार हेतु सरकार को लौटाना हो। यह व्यवस्था गृह मंत्रालय द्वारा सुनिश्चित की गई थी। ताकि राज्यों की विधानसभा से पारित विधेयकों को अनिश्चितकाल तक लंबित न रखा जा सके। यह प्रशासनिक सुधार और संघीय ढांचे के संतुलन बनाए रखने के लिए दिया गया था। विडंबना यह है, जब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की बनाई इस गाइडलाइन का हवाला देते हुए राष्ट्रपति और राज्यपालों के निर्णयों पर समय सीमा तय करते हुए निर्णय दिया है। सुप्रीम कोर्ट इसके पहले भी कई बार राज्यपालों को निर्देश दे चुकी थी। जिसका पालन राज्यपालों द्वारा नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद सरकार की असहजता झलकने लगी। दिल्ली, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र, केरल, पंजाब जहां-जहां विपक्षी दलों की सरकारें थी। वहां के राज्यपाल चुनी हुई सरकारों के विधानसभा से पारित विधेयकों को कई महीनो और वर्षों तक रोककर रखे हुए थे। ऑपरेशन लोटस और ईड़ी की कार्यवाही कर विपक्षी दलों को तोड़ने-फोड़ने का काम राज्यपालों के माध्यम से हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद केंद्र सरकार और

भाजपा के लिए इस तरह का दबाव बनाना संभव नहीं होगा। जिसके कारण केन्द्र सरकार और भाजपा नेताओं में बड़ी बेचैनी देखने को मिल रही है। इस बेचैनी को इस रूप में समझा जा सकता है, केंद्रीय सरकार ने राष्ट्रपति के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट से सीधे सवाल पूछकर अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की यह एक दुर्लभ घटना है। यह स्थिति सरकार के दोहरे चरित्र को उजागर करती है। एक तरफ केंद्र स्वयं नियम बनाता है। दूसरी ओर उन्हीं नियमों से बचने की कोशिश करता है।

बेचारे घोड़े खच्चर वालों की बदहाली की सुध कौन लेगा?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में एक बेहद दुखद घटना सामने आई रूद्रप्रयाग निवासी केदारनाथ में एक खच्चर चला कर रोजी-रोटी कमाने वाले पशुपालक ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी। दरअसल यह खच्चर वाला अपने परिवार के भरण-पोषण के एकमात्र साधन अपने इकलौते खच्चर की बीमारी से मौत होने पर इतना परेशान हताश हो गया कि उसने सुसाइड कर जान दे दी।

यूं इस देश के हर हिस्से में रोजाना सैकड़ों लोग आत्महत्या करते हैं लेकिन इस खच्चर वाले की आत्महत्या के पीछे छिपी बेबसी बेरोजगारी और सरकार की कागजों पर दौड़ने वाली योजनाओं शासन प्रशासन की संवेदनहीनता का गठजोड़ जिम्मेदार है जो इस छोटी सी दिखने वाली घटना के पार्श्व में छिपे सत्य को इस रिपोर्ट के जरिए सामने रखने के लिए मजबूर करता है। आपको बता दें कि रूद्र प्रयाग अगस्त्यमुनी और आसपास के लगभग हर गाँव से बहुत सारे लोग केदारनाथ जाते हैं अपनी आजीविका के लिए।भारी ठण्ड में वहां रहते हैं।छः महीने खच्चर को पालते हैं यात्रा के लिए लेकिन यहीं पर एक ग़रीब आदमी अपनी आजीविका ख़त्म होने पर आत्महत्या कर लेता है।इससे बुरा क्या होगा? मृतक एक हिन्दू पशुपालक था और तीर्थयात्रियों के लिए अपने खच्चर समेत सेवा देता था।

हमारे देश में कई पहाड़ी क्षेत्रों में कई प्रमुख तीर्थयात्रा वैष्णोदेवी चारधाम यात्रा केदारनाथ अमरनाथ यात्रा आदि में एक निरीह पशु खच्चर घोड़े की सेवा को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। हजारों लाखों तीर्थ यात्रियों की यात्रा तो सिर्फ खच्चरों के भरोसे ही होती है जबकि परोक्ष तौर पर तमाम धार्मिक यात्रा स्थलों पर लगभग सभी जरूरी सामान खच्चरों के जरिए ही पहाड़ पर पहुंचता है। ये खच्चर ही परिवहन का सबसे सुगम साधन हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक चार धाम यात्रा के पहले तीन दिनों में केदारनाथ ट्रेक पर 14 खच्चरों की मौत हो गई, जिसके बाद उत्तराखंड सरकार ने तत्काल कार्रवाई की है। राज्य ने मौतों के कारणों की जांच करने और आगे की घटनाओं को रोकने के लिए आईसीएआर-राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार से एक विशेषज्ञ टीम को बुलाया है।

पशुओं में संक्रमण के संभावित प्रसार को रोकने के प्रयास में, राज्य सरकार ने 6 मई को यात्रा मार्ग पर खच्चर सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की। यह निर्णय 3 मई को आठ और 4 मई को छह घोड़ों की मौत के बाद लिया गया, जिससे तीर्थयात्रियों और पशु कल्याण कार्यकर्ताओं दोनों के बीच गंभीर चिंता पैदा हो गई।

सूत्रों ने बताया कि जांच से पता चलता है कि ये मौतें इक्वाइन इन्फ्लूएंजा से जुड़ी हो सकती हैं, जो एक बहुत ही संक्रामक बीमारी है। इस साल की शुरुआत में, इक्वाइन इन्फ्लूएंजा के मामले सामने आए थे, जिसके कारण 16,000 घोड़ों और खच्चरों की जांच की गई थी। हालांकि, सीरो-सैंपलिंग में 152 जानवरों के पॉजिटिव पाए

जाने के बाद, वायरस के लिए उनके आरटीपीसीआर टेस्ट में नकारात्मक परिणाम आए, जिससे मौतों का कारण अनिश्चित हो गया। अंतिम विश्लेषण राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया जाएगा। सरकारी अधिकारी ने कहा, ÷हालांकि मौतें असामान्य हैं, लेकिन हमारा इरादा यात्रा को स्थगित करने का नहीं है। हम जानवरों और तीर्थयात्रियों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरत रहे हैं।÷

ऐतिहासिक रूप से, वार्षिक यात्रा के दौरान कुछ खच्चरों की मृत्यु की सूचना मिली है, हर साल औसतन चार से पांच मौतें होती हैं। हालांकि, इस साल संख्या में वृद्धि ने चिंता बढ़ा दी है। 2010 में भी इसी तरह की चिंता जताई गई थी, जब खच्चरों की मौतों में वृद्धि के बाद यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि इस साल यात्रा जारी रहेगी, हालांकि सुरक्षा उपायों में वृद्धि की गई है।

गंगोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ 28 अप्रैल को शुरू हुई चार धाम यात्रा के दौरान 2 मई को केदारनाथ मंदिर के कपाट खुले। केदारनाथ और यमुनोत्री के तीर्थयात्रा मार्गों के लिए 4,300 से अधिक घोड़ा-खच्चर संचालकों के साथ-साथ 8,000 पशुओं ने पंजीकरण कराया है। गौरीकुंड से केदारनाथ मंदिर तक 18 किलोमीटर की कठिन यात्रा के कारण कई तीर्थयात्री पशुओं के परिवहन का विकल्प चुन रहे हैं। आपको बता दें कि केदारनाथ यात्रा में सबसे बेचारा खच्चर और खच्चर मालिक होता है। खच्चरों को लेकर हर साल नई समस्या सामने आती है इस बार एक नई समस्या हॉर्स फ्लू की आ गई है। इस बीमारी के लक्षण 2 मार्च को केदारनाथ विधानसभा के कुछ गांवों में मिल गए थे। इत्तेफाकन तब अश्व प्रजाति पर देश में काम करने वाले सबसे अच्छे संस्थान राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार के वैज्ञानिक इस क्षेत्र में आए उन्होंने खच्चरों में सैंपलिंग की और पता चला कि केदारघाटी में इकविन इनफलेंजा यानि हॉर्स फ्लू के लक्षण आ गए हैं इससे पहले ये बीमारी 2018 में भी आई थी।

पिछले सालों तक खच्चरों के रजिस्ट्रेशन के साथ उनका इंश्योरेंस भी हो जाता था। इस साल बताया जा रहा है कि सरकार ने कुछ दिन पहले तक इंश्योरेंस कंपनियों को सरकार काअनुदान या अंशदान नहीं दिया जिससे घोड़े खच्चरों का इंश्योरेंस नहीं हो पाया है। हालांकि इंश्योरेंस में मिलने वाली राशि भी ऊंट के मुंह में जीरे जैसी होती थी फिर भी उसका कुछ सहारा होता था पर इस साल अभी तक इंश्योरेंस न होने के कारण लोग बहुत निराश हैं। ऐसे में इस बीमारी से यात्रा मार्ग और घरों में जो 140 खच्चर मर गए हैं उनके मालिक असहाय स्थिति में हैं उनका क्या होगा। 140 खच्चरों का मतलब कम से कम 3 करोड़ 50 लाख का नुकसान। इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा ?

मरने वाले खच्चरों की संख्या विभाग 14 बता रहा है तो सुलभ गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ के बीच मरे की संख्या 30 बता रहा है। खच्चर संगठन 140 बता रहा है। सभी खच्चर मालिकों के पास उन खच्चरों की लाइसेंस और मरे खच्चरों के टैग आदि भी है। ये सभी खच्चर केदारनाथ यात्रा मार्ग से बीमार होकर रास्ते या घर में मरे हैं। हर मरे हुए खच्चर के मालिक को न्याय कैसे मिलेगा।

क्षेत्र के समाजिक कार्यकर्ता मनोज रावत ने सरकार से मांग की है कि जिन पशुपालकों के खच्चर मर गए हैं उनको मुआवजा देने के लिए कोई नीतिगत निर्णय लेंगे ।

मनुष्य का संस्कार अच्छा होना जरुरी है

संजय गोस्वामी

नर और नारी एक समान है आप नारी हो या नर, संस्कार अच्छा होना बहुत जरुरी है संस्कार ठीक नहीं है तो कोई भी मनुष्य सही या गलत की पहचान नहीं कर सकता है नारी में माँ का रूप से बड़ा और कोई नहीं है क्योंकि जन्म देती है आप दूसरे को उपदेश देने से पहले खुद ही अंदर झाँक कर देखिए आप के अंदर ईश्वर मौजूद है ना तो डरता है ना ही डराता है एक बात समझ कर चलिए आप जैसा करेंगे वैसा ही भरेंगे, ईश्वर के ध्यान में लीन हो जाये तब आप समझ जायेंगे क्या अच्छा है क्या बुरा दूसरों की देखा देखी करना ठीक नहीं है आप खुद ही ऐसा सोचे यदि हम उस जगह रहते तो क्या करते कहाँ जा रहा है आज का समाज इसपर ध्यान देने की जरुरत है दूसरे को दुःख को उसके बुरे वक़्त में नजरअंदाज करना आपकी सबसे बड़ी भूल है हम जब अकेले थे तो माता पिता मेरे साथ थे खुश थे कहीं शिफ्ट करना भी आसान था ईश्वर सब देख रहा है आप भगवान राम से प्रेरणा लें उस समय पिता के वचन को निभाना सबसे बड़ा कर्तव्य था उन्हें यानि राजा दसरथ को

श्रवण कुमार की गलती से मारे जाने पर उनके माता पिता से श्राप के कारण यह देखने को मिला जिसे उन्हें भी काफी दुःख हुआ लेकिन नियति को कौन टाल सकता है और ऐ हुआ जंगल जाना वो भी 14वर्ष के लिए इतना आसान नहीं था वो वनवास श्री राम को ही मिला था लेकिन उनके साथ माता सीता और भ्राता लखन भी गए ऐ निर्णय भी आसान नहीं होता है आप कल्पना कर देखिए आप घबराहट में बैचैन हो जायेंगे क्योंकि 14वर्ष जंगल में रहना कोई आसान काम नहीं होता है ऐ मरने जीने जैसा है लेकिन यदि आप सही में जिसे सच्चे मन से चाहते हैं उसे मौत से भी डर नहीं होता और वहाँ ना तो घर है ना ही पलंग ना ही बिजली पानी और खाने हेतु गैस का सिलेंडर लेकिन हिम्मत है और यही हिम्मत उसे महान बनाता है जो दुःख में साथ है वही आपका सच्चा आदमी है चाहे अपना हो या पराया, माता सीता ऐसा नारी बनना इतना आसान नहीं है लेकिन जीवन में भगवान श्री राम के साथ मरने जीने की इच्छा ही पुरे विश्व में माँ के रूप में पूजन किया जाना गर्व की बात है मैं आपको कहुँ कि माँ के रास्ते पर चलना चाहिए तो बुरा भी लगेगा लेकिन जीवन में दुःख के समय खुश रहना भी आएगा आप खुद को विचारों में अच्छा बनने की कोशिश करें विचार ही आपको महान बना सकती है इसमें कई कष्ट भी होंगे लेकिन जो सही लगता है उसे करें आपका धर्म क्या है ऐ देखिए यदि आप अपने धर्म को सही से निभाना आ गया तो आपके आने वाली पीढ़ी भी आपके रास्ते चल पड़ेगी और कुछ बन कर निकलेगी और जहाँ जायेंगे आपका मान सम्मान बढ़ेगा आप यदि किसी पर गुस्सा हैं हैं तो पहले एक पल के लिए शांति से काम लें और उस आदमी को पहले परख लीजिये उसमें कितना ईश्वर ने शक्ति दि है ज्ञान से और उसके कर्म से मालूम हो जायेगा कष्ट जीवन में आते हैं एक गाना है जो संतोष आनंद द्वारा लिखा है एक प्यार का नगमा है मौजों की रवानी है जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी मेरी कहानी है... इसमें दुःख और सुःख दोनों पर सब खुश रहते हैं गुरुगोबिंद सिंह जब खालसा पंथ की स्थापना कर रहें थे तब उन्होंने पूछा की कौन मुझे शीश दे सकता है आम सभा में सभी हैरान हो गए तब एक उनका भक्त ने आवाज़ लगाया मैं दूंगा और तब तम्बू में बाहर खून को देखकर लोग हैरान थे कि लगता है शीश कट गया है लेकिन बाद में दूसरा डरा नहीं और ऐसे कर पांच आदमी चले गए और बाद में सब सही सलामत निकलें यही गुरुजी जाँचना चाहते थे कि मौत से डर है या मुझसे और पंच प्यारे कहलाये, जों गुरू के अमृत का पान किया यहाँ अमृत है मौत को मात देकर गुरु का सच्चा भक्त अतः आज समाज में संस्कार को महत्व देने की जरुरत है यदि आपके पास अच्छा संस्कार नहीं मिला तो पाने की कोशिश करें आज आधुनिकता की दौड़ में बहुत से मनुष्य इतना अंधा हो गए है कि शादी के बाद ना तो अपने माँ को पूछता है ना तो पिता को सम्मान देता है बुरे वक़्त में तो उन्होंने अपने को कष्ट में रखकर अबको इस काबिल बनाया कि आप आज खा कमा कर परिवार में अपना धर्म निभा रहें हैं ऐ कैसा समाज, कोई खुद ही क्लबो में जाता है और जिम में जबकी पत्नी के जाने पर दूसरे के कहने पर शक की दृश्टिकोण से देखता है इसका उल्टा भी होता है और बाद में अंदरूनी मनमुटाव हो जाता है जों ठीक नहीं है आपस में प्रेम से रहें और एक संस्कार को बचाये रखें जों हमारे पूर्वजों ने काफी तप कर दिया है अतः उसे बनाए रखें यदि तकलीफ है तो बातें कर समस्या का हल निकालने की कोशिश करें एक बार मैं हरिद्वार शांतिकुंज में गया और वहाँ फुलपैंट पहना था लेकिन वहाँ हवन करने हेतु धोती पहनना पड़ा लेकिन ऐ गुरु का आश्रम है अतः हम उसमें उनके नियम की अवहेलना नहीं कर सकते इसका जरूर कोई अध्यात्मिक कारण होगा भारत में हमेशा नारी को पूजन किया है उनके अच्छे संस्कार और उनके त्याग और बलिदान के कारण और इसलिए हमारी भारत माता का आशीर्वाद है कि हम सभी मिलकर रहते है अतः जीवन में सबका अपना धर्म है जिसे निभाना चाहिए ऐ सभी के लिए बराबर हो, समानता का अधिकार होना चाहिए और साथ मिलकर एक अच्छा नागरिक बनना ही द्ध कर्तव्य है जिसमें पग पग पर कांटे भी आएंगे लेकिन आप उसमें अच्छा बनकर निकलोगे.यदि आप नौकरी करते हैं तो आपका कर्तव्य है कि उसे सफलता पूर्वक करें जिससे आपका मान सम्मान बढ़ेगा छुट्टी के दिनों में ईश्वर का ध्यान करें क्योंकि यही सबसे सही वक़्त होता है उसे जानने की इसमें किसी को बुरा लगता है तो लगने दीजिये ईश्वर आपको ऐसा बना देगा कि किसी भी संकट में आपको मदद करेगा लोग क्या बोलते हैं इसपर जाने की जरुरत नहीं है जहाँ तक सेहत का सवाल है ईश्वर ही साथ देने वाला है।

आतंक ...

समूची मानवता का शत्रु है आतंकवाद

जम्मू-कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है। बीते कुछ दशकों में आतंकियों ने देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी बस या ट्रेन में आतंकियों ने निर्दोषों के लहू से होली खेली है। यह एक ऐसी विकराल समस्या है, जिसने न केवल हजारों लोगों की जान ली है बल्कि अनगिनत परिवारों को तबाह किया है। बच्चे अनाथ हुए, माताएं-बेटियां विधवा हुईं और बुजुर्गों की जीवन-संध्या से सहारा छीन गया। आतंकवादी ऐसे नृशंस कृत्यों के जरिए लोगों के मन में भय भरते हैं, उनका उद्देश्य हिंसा, अस्थिरता और अव्यवस्था फैलाकर समाज को तोड़ना होता है। इन विभीषिकाओं के खिलाफ देश ने जो संघर्ष किया है, उसी के सम्मान में हर साल 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाया जाता है। यह दिन आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में शहीद हुए जवानों और नागरिकों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। इस दिन देशभर में लोगों को यह शपथ दिलाई जाती है कि वे हर प्रकार की हिंसा और आतंकवाद का विरोध करेंगे, शांति, अहिंसा और सहिष्णुता के सिद्धांतों में विश्वास रखेंगे और देश की एकता, अखंडता व सामाजिक सद्भाव की रक्षा करेंगे।

यह दिन इसलिए भी स्मरणीय है क्योंकि 21 मई 1991 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी। यह हमला लिट्टे जैसे आतंकी संगठन की सोची-समझी साजिश का परिणाम था, जिसने केवल एक नेता की जान ही नहीं ली बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को हिला कर रख दिया था। उसी दिन की स्मृति में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की शुरुआत हुई ताकि देशवासियों को यह अहसास कराया जा सके कि आतंकवाद किसी व्यक्ति, धर्म या समुदाय का दुश्मन नहीं बल्कि समूची मानवता का शत्रु है। हाल के वर्षों में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध जो नीति अपनाई है, वह पहले से कहीं अधिक कठोर, रणनीतिक और सशक्त हो चुकी है। विशेषकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने जिस बहादुरी से अभियान चलाए हैं, उन्होंने आतंकी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। धारा 370 हटाए जाने के बाद घाटी में हालात में धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। सैकड़ों आतंकी मुठभेड़ों में मारे गए हैं और सुरक्षाबलों ने सीमाओं पर घुसपैठ की अनेक कोशिशें विफल की हैं।

हालांकि पूरी तरह से आतंक का खात्मा अब भी शेष है। इसकी ताजा मिसाल 22 अप्रैल को अनंतनाग जिले के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में देखी जा सकती है। बैसरन घाटी में हुए इस हमले ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद की जड़ें अभी भी पाकिस्तान में मौजूद हैं और वहां से संचालित आतंकी संगठन भारत की शांति व्यवस्था को चुनौती देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब घाटी में आतंकी घटनाओं में गिरावट दर्ज की जा रही थी, जो भारत की कूटनीतिक और सुरक्षा नीति की सफलता का संकेत थी।

फीचर

गर्भधारण से पहले कम करें वजन

मां बनना हर महिला का सपना होता है पर गर्भधारण करने से पहले अगर कुछ सावधानी रखें तो मां और बच्चा दोनो ही स्वस्थ रहते हैं। इसलिए गर्भधारण करने से पूर्व पूरी तरह से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी होता है।

इस दौरान आपको अपने वजन का भी खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर आप गर्भधारण करने के बारे में सोच रहीं हैं तो आपको सबसे पहले अपने बढ़ते वजन को नियंत्रित करना चाहिए। अगर आप गर्भावस्था से पहले मोटी हैं तो इसके कारण आपको गर्भावस्था के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ किलो वजन घटाकर आप गर्भावस्था से जुड़ी कई तरह की समस्या को दूर कर सकती हैं। तो चलिए हम आपको इसके कुछ और कारण बताते हैं कि क्यों गर्भावस्था से पहले आपको अपना वजन कम कर लेना चाहिए। इन कारणों को जानने के बाद आप वजन घटाने के लिए तैयार हो जाएंगीं।

कई शोधों में ये दावा किया जा चुका है कि गर्भपात, बच्चे में कोई कमी और जन्म के दौरान किसी भी तरह की परेशानी का कारण मोटापा हो सकता है।

प्रजनन में आती हैं दिक्कतें

मोटापे के कारण आपकी प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है। मोटापे का असर महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है। जी हां, ये बात सच है कि मोटापे के कारण कई महिलाएं शुरुआती स्तर में ही गर्भधारण नहीं कर पाती हैं।

गर्भावस्था के दौरान मोटापे की वजह से उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य कई तरह की समस्यासओं का खतरा बढ़ जाता है। जन्म से ही मधुमेह इन सामान्य खतरों के अलावा आपके बच्चे को कोई घातक परेशानी या रोग भी हो सकता है। अगर गर्भावस्था के दौरान मोटापे के कारण बच्चे को जन्म से ही मधुमेह की शिकायत हो सकती है। इसके अलावा बच्चे को और भी कई रोग होने का खतरा बना रहता है।

प्रेरणा

गतिशील रहें

एक यात्री जा रहा था। अंधेरी रात थी। उसे लम्बा रास्ता तय करना था। एक व्यक्ति ने उसे लालटेन देते हुए कहा, इसके प्रकाश में तुम अपना रास्ता देख पाओगे। मार्ग सुख से कटेगा। इसे ले जाओ। उस यात्री ने देखा कि लालटेन का प्रकाश तीन-चार फीट तक फैल रहा है। उसके मन में संदेह हुआ कि रास्ता बहुत लंबा है। प्रकाश केवल तीन-चार फीट तक ही पड़ता है। रास्ता पार कैसे कर पाऊंगा? वह उलझ गया और उलझता ही गया। वह बोला, तीन-चार फीट का प्रकाश मुझे दस मील की यात्रा कैसे करा पाएगा?

यह विधि को न समझने के कारण है। विधि को समझे बिना साधक उलझ जाते हैं। विधि को ठीक समझ लेते हैं तो तीन-चार फीट का प्रकाश दस मील की यात्रा करा सकता है। यह प्रकाश दस मील के पूरे पथ को प्रकाशित कर सकता है। आप चलते चलें, दस मील का रास्ता प्रकाशित हो जाएगा और यदि उसी बिन्दु पर खड़े रह गए तो दो फीट का रास्ता ही प्रकाशित होगा, शेष अंधकार ही अंधकार रहेगा। आवश्यकता है चलने की, सतत गतिशील रहने की।

विधि को समझें और चलें। विधि को समझना ही पर्याप्त नहीं है, चलना भी पड़ेगा। आगे से आगे बढ़ना होगा। यदि नहीं चले, रूके रह गए तो प्रकाश जहां पड़ता है वहीं पड़ेगा, वह आगे नहीं बढ़ेगा। वह तभी बढ़ेगा, जब हम बढ़ेंगे। वह हमारे रूकने के साथ रूकेगा और बढ़ने के साथ बढ़ेगा। अभ्यास करते जाएं। आप अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। मंजिल स्वत-मिल जाएगी।

अपनी बात

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र लोंगेवाला का दौरा कर वहां तैनात सैनिकों से मुलाकात कर उनके साहस और समर्पण की दिल खोलकर तारीफ की। हाल में संपन्न हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जवानों की भूमिका की प्रशंसा कर उन्होंने कहा कि, 卐आपने भारत का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव के साथ उनकी बातचीत सफल रही। गोयल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के साथ बातचीत अच्छी रही। इससे पहले गोयल ने कहा था कि अमेरिका के साथ बहुत अच्छी बातचीत चल रही है।

ब्रीफ न्यूज

कोंतर में लगा निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर

गुना। आदि आदर्श ग्राम कोंतर विकासखंड बमौरी में स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन स्वास्थ्य कार्य योजना अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा जिला आयुष अधिकारी के निर्देशन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महिला, बालिकाएं, वृद्धजन एवं युवाओं का स्वास्थ परीक्षण किया गया। आयुर्वेदिक एवं यूनानी पद्धति द्वारा उपचार कर खान पान स्वच्छता से रहने के सन्देश दिया गया। शिविर में 45 मरीजों का उपचार किया गया। शिविर में नोडल अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद नईम खान, डॉक्टर रानी राठौर,ममता ,सुचिता शर्मा,सोनू रजक आदि उपस्थित थे।

नवीन उद्यम स्थापना हेतु आवेदन आमंत्रित

गुना। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत पिछड़ा व अल्पसंख्यक वर्ग के लिए नवीन उद्यमों की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। उद्योग इकाई हेतु 1 लाख से 50 लाख तक एवं सेवा/खुदरा व्यवसाय हेतु 1 लाख से 25 लाख तक ऋण सहायता दी जाएगी। पात्रता में आयु 18-40 वर्ष व न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अलग योजना में 10 हजार से 1 लाख तक ऋण मिलेगा। आवेदन पोर्टल पर करें। अधिक जानकारी के लिए पुराने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय से संपर्क करें।

कबीर प्रकट महोत्सव की तैयारियां तेज, श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित हुआ ड्रेस कोड

गुना। शहर में आगामी कबीर प्रकट महोत्सव की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन को भव्य और अनुशासित रूप देने हेतु कई निर्णय लिए गए। बैठक में महोत्सव के प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई और प्रचार-प्रसार हेतु सामग्री छपवाने का फैसला लिया गया। बैठक में यह तय हुआ कि मुख्य आयोजन की शुरुआत पारंपरिक शोभायात्रा से होगी, जो कोरी समाज गणेश मंदिर से आरंभ होकर कबीर बाड़ी आश्रम पर संपन्न होगी। इस शोभायात्रा का समय सुबह 9 बजे निर्धारित किया गया है। आयोजन में शामिल होने वाली महिलाओं और बालिकाओं के लिए पीले वस्त्र और स्टील के कलश वितरित किए जाएंगे। यात्रा के दौरान निशान पूजा, झंडा वंदन, गुरु महिमा पाठ और भजन सत्संग जैसे आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। वहीं, शोभायात्रा में पारंपरिक घोड़े पर बैठने की रस्म को भी शामिल किया गया है। इसके लिए बोली कार्यक्रम 8 जून की शाम 6 बजे कबीर बाड़ी आश्रम परिसर में आयोजित होगा। महिलाओं के लिए पीली साड़ी या सलवार सूट तथा पुरुषों के लिए सफेद कुर्ता-पाजामा अनिवार्य ड्रेस कोड के रूप में तय किया गया है, जिससे समारोह की गरिमा और भव्यता बनी रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्वालियर से पधार रहे प्रमुख संत महंत कमल दास जी की उपस्थिति भी सुनिश्चित की गई है, जो श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से समय पर पहुंचने और अनुशासन बनाए रखने की अपील की है।

वहीं कहीं घरों के ताले तोड़कर चोर नकदी व मोटरें समेट ले गए

जिलेभर में ताबड़तोड़ चोरी की घटनाएं, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स व नकदी लेकर फरार हुए चोर

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में चोरी की वारदातों का ग्राफ थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 2-3 दिनों में जिले के राघौगढ़, बजरंगगढ़, कैंट व कोतवाली थाना क्षेत्रों से एक के बाद एक कई चोरी की घटनाएं दर्ज हुई हैं, जिनमें कहीं वाहन चोरी हुए हैं तो कहीं विवाह समारोह से कीमती सामान गायब कर दिया गया। वहीं कहीं घरों के ताले तोड़कर चोर नकदी व मोटरें समेट ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

राघौगढ़ में चोरी गई दो बाइक, लैपटॉप और कूलर: जिले के राघौगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत फरियादी शेरसिंह भदौरिया, जो कि वर्तमान में कान्हा लेक सिटी कॉलोनी में रह रहे हैं, ने रिपोर्ट दर्ज

कराई है कि गत रात वह सो रहे थे, तभी अज्ञात चोर उनके ऊपर वाले कमरे का ताला तोड़कर एक लेनवो कंपनी का पुराना लैपटॉप, हेवल्स कंपनी का कूलर, मंदिर के पास लगी पानी की मोटर सहित दो मोटरसाइकिलें एक स्प्लेंडर एमपी 04 एनसी 6592 व एक पल्सर एमपी 38 एनके 4815 चोरी कर ले गए।

कैंट थाना क्षेत्र में दो वाहन चोरी: वहीं कैंट क्षेत्र में दो अलग-अलग वाहन चोरी के मामले सामने आए। सिंगवासा निवासी अंकेश यादव ने बताया कि वह दूध देने अग्रवाल डेयरी आया था, जहां से उसकी काली रंग की स्प्लेंडर बाइक एमपी 08 एमजे 3815 मात्र 15 मिनट में कोई अज्ञात चोर लेकर फरार हो गया। वहीं जानकीपुरम कॉलोनी निवासी रामकिशोर राठौर की ई-रिक्शा से बैटरी निकालते राणा रजक को रंगेहाथों पकड़ा गया। फरियादी के अनुसार रात 1 बजे खटपट की आवाज सुनकर वह जागे तो देखा राणा रजक रिक्शा की बैटरी निकाल रहा था। शोर मचाने पर वह अपनी स्कूटर छोड़कर भाग गया। पुलिस मौके पर पहुंची और उसकी स्कूटर को जब्त कर लिया। इसके अलावा हरिपुर रोड निवासी राजेश रजक की आपे टेक्सी एमपी 08 क्र 0867 का अगला टायर किसी अज्ञात चोर ने 14 मई की रात निकाल लिया।

बजरंगगढ़ पुलिस बेटी की शादी में चोरी गया सामान किया बरामद

चोरियों की वारदातों की बीच पुलिस की धरपकड़ भी जारी है। इसी क्रम में जिले के बजरंगगढ़ थाना पुलिस ने बेटी की शादी में गिफ्ट के तौर पर रखी गई एलईडी टीवी और मिक्सर मशीन की चोरी के मामले में मात्र 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया संपूर्ण सामान बरामद कर लिया है। जानकारी अनुसार, फरियादी मनीराम अहिरवार निवासी ग्राम सतनपुर ने 19 मई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 मई को उसकी बेटी की शादी थी। बारिश के चलते सभी लोग पास के घरों में चले गए थे और उसी दौरान मंडप के नीचे रखी एलईडी टीवी और मिक्सर मशीन चोरी हो गई। फरियादी ने गांव के ही लोकेन्द्र रजक पर संदेह जताया। इस पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 61/25 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रुहिल शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संदेही लोकेन्द्र उर्फ लुक्का को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर 18,000 कीमत की एलईडी टीवी और मिक्सर बरामद कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही में उपनिरीक्षक रुहिल शर्मा सहित प्र.आर. ओमकांत खटीक, दिलीप कलावत, राजेश शुक्ला, संदीप खटीक एवं आरक्षक नवल जाटव की विशेष भूमिका रही।

जनसुनवाईः मस्जिद अध्यक्ष को धमकी महिला को ज़हर पिलाने का आरोप

सड़कों व ज़मीन विवादों की भी गूंज

सत्ता सुधार ■ गुना

मंगलवार को जनसुनवाई में नया प्रयोग देखने को मिला। इस दौरान प्रशासन ने पुलिस विभाग के साथ संयुक्त जनसुनवाई की। इस दौरान जनसुनवाई में लोग अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे। इसी में शाही जामा मस्जिद शहर गुना की इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष आसिफ खान ने हाल ही में पुलिस अधीक्षक गुना को आवेदन देकर खुद की सुरक्षा की मांग की है। अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि 16 मई की शाम करीब 7ः30 बजे मगरीब की नमाज के समय जनाब इकरार हुसैन उर्फ हुकिया ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी और पीछा किया। किसी तरह उन्होंने अपनी जान बचाई। आवेदन में अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा उन्हें मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य नहीं करने दिया जा रहा है। इस कार्य में लगातार बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने जिन लोगों

पर आरोप लगाए हैं उनमें इकरार हुसैन उर्फ हुकिया, हाजी शरीफ कुरेशी, लियाकत खान, इकबाल हुसैन उर्फ अन्नी, टिन्नु पुत्र श्री जुज्जु फिटर, सगीर खान और शफीक कुरेशी शामिल हैं। अध्यक्ष का यह भी कहना है कि मस्जिद में लगे सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए गए हैं, ताकि घटनाओं की रिकॉर्डिंग न हो सके। उन्होंने मांग की है कि कैमरों को तत्काल पुनः चालू कराया जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों पर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने आशंका जताई है कि उनके साथ कोई भी अप्रिय घटना होती है तो इसके जिम्मेदार ये सभी नामजद लोग होंगे। इस मामले को लेकर शहर में चर्चा का माहौल है और अध्यक्ष ने प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है ताकि किसी गंभीर घटना से पहले स्थिति नियंत्रित की जा सके। इसके अलावा एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए जान का खतरा बताया है। प्रकरण चौरसिया कॉलोनी, थाना कैंट क्षेत्र का है, जहां निवासरत पूजा अहिरवार ने अपने पति अनिल अहिरवार सहित ससुराल पक्ष के पांच सदस्यों पर मारपीट करने, ज़हर पिलाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

दिशा सरोवर कॉलोनी के रहवासियों ने सड़क निर्माण को लेकर सौंपा ज्ञापन

जनसुनवाई में शहर के बजरंगगढ़ रोड स्थित दिशा सरोवर कॉलोनी के रहवासियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सड़क निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। कॉलोनी के निवासियों ने बताया कि यह कॉलोनी स्वर्गीय मूलसिंह जी के मकान के पास से होकर अंदर जाती है, जहां करीब 25 मकान बने हुए हैं और लगभग 700 फीट लंबी सड़क पूरी तरह से कच्ची पड़ी है। रहवासियों ने बताया कि वे वर्ष 2016 से लगातार नगर पालिका, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक किसी ने भी उनकी सुध नहीं ली। एकमात्र रास्ता बारिश में कीचड़ से भर जाता है, जिससे आना-जाना मुश्किल हो जाता है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस सड़क का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालों में हेमेन्द्र शर्मा, अनिंद अग्रवाल, राजकुमार जैन, कैलाश जैन, राहुल पांडे, मंशा शर्मा, छवि अग्रवाल, अनिल जैन, विक्की जैन, मोनू सोनी और आकाश धाकड़ शामिल थे।

सेना पर विवादित बयानों को लेकर 'आप' ने उठाई मंत्री बर्खास्तगी की मांग

सत्ता सुधार ■ गुना

प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर गर्माहट आ गई है। भारतीय सेना से जुड़े विवादित बयानों को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) अब खुलकर मैदान में उतर आई है। पार्टी ने मंगलवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और वन मंत्री विजय शाह को मंत्रिमंडल से तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संबोधित करते हुए 'आप' ने दोनों मंत्रियों के हालिया बयानों को देशभक्ति और सेना के सम्मान के विरुद्ध बताया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि मंत्री विजय शाह ने भारतीय सेना की जांबाज महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिस पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद विजय शाह अब तक मंत्री पद पर बने हुए हैं, जो न्याय और प्रशासन की गरिमा के खिलाफ है।

वहीं, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के उस बयान को लेकर भी पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने भारतीय सेना और सैनिकों को प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष नतमस्तक बताया था। आप का कहना है कि इस प्रकार की टिप्पणी ना केवल सेना का अपमान है, बल्कि यह देशभक्ति की भावना को भी ठेस पहुंचाती है। पार्टी पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि इन दोनों मंत्रियों को शीघ्र ही मंत्रिमंडल से नहीं हटाया गया, तो आम आदमी पार्टी प्रदेशभर में उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। ज्ञापन सौंपते समय 'आप' के जिला संयोजक, महिला मोर्चा की पदाधिकारी और अन्य कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस मुद्दे पर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है और अब निगाहें सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

सरकार की नीतियों के खिलाफ किसान-मजदूर संगठनों का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

ऑल इंडिया यूटीयूसी के संयुक्त तत्वाधान में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया

सत्ता सुधार ■ गुना

सरकार की किसान और मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ मंगलवार को हनुमान चौराहा पर ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन और ऑल इंडिया यूटीयूसी के संयुक्त तत्वाधान में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संगठन के अनुसार खरीफ सीजन की बुआई शुरू होने को है लेकिन जिले में खाद की पर्याप्त आपूर्ति अब तक सुनिश्चित नहीं हो सकी है। समय पर खाद नहीं मिलने से फसलों की बुआई प्रभावित होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने खाद व्यवस्था को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया है, जिससे कंपनियां मनमाने दाम वसूल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गुना में एनएफएल कंपनी खाद का उत्पादन करती है, फिर भी बाजार में

कालाबाजारी आम बात हो गई है। संगठन ने बताया कि सरकार द्वारा पारित नगर व ग्राम निवेश संशोधन विधेयक 2025 को किसान विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों और गरीबों को विकास के नाम पर जबरन बेदखल किया जा सकेगा, और सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। ट्रेड यूनियन नेताओं ने कहा कि सरकार ने पुराने 44 श्रम कानूनों को खत्म कर 4 नए लेबर कोड लागू किए हैं, जिससे श्रमिकों के अधिकार सीमित हो गए हैं और अब 8 की जगह 12 घंटे तक काम कराया जा सकता है। यह सब केवल उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है। प्रदर्शन में नारायणपुरा शक्कर कारखाना दोबारा शुरू करने और पार्वती-चंबल लिंक योजना में छोटे बांधों के निर्माण की मांग भी उठाई गई। कार्यक्रम का संचालन नीलेश बैरागी ने किया।

आईपीएल मैच पर सट्टा खिलाते पकड़े गए दो युवक, तीसरे की तलाश जारी

गुना। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में शास्त्री पार्क के पास पुलिस ने आईपीएल सट्टेबाजी में लिप्त दो युवकों को रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध युवक मोबाइल फोन के जरिए आईपीएल मैच पर सट्टा खिला रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी, जहां दोनों युवक सट्टा लगाते पाए गए। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में एक युवक ने अपना नाम अनिकेश राठौर (38) निवासी भार्गव कॉलोनी, गुना बताया। उसके पास से वनप्लस कंपनी का मोबाइल, 500 नगद और हाथ से लिखा एक हिसाब-किताब का पर्चा जब्त किया गया जिसमें 1420 का सट्टा लेख था। दूसरे आरोपी ने अपना नाम गगन राठौर (32) निवासी लिटिल एंजल स्कूल के पास भार्गव कॉलोनी बताया।

सीटू के नेतृत्व में प्रदर्शन और सभा आतंकी हमले के चलते हड़ताल स्थगित

अब 9 जुलाई को होगी राष्ट्रव्यापी हड़ताल

सत्ता सुधार ■ गुना

सीटू के नेतृत्व में मंगलवार को हनुमान चौराहा स्थित नगरपालिका कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन और सभा का आयोजन किया गया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार यह प्रदर्शन दोपहर 2 बजे शुरू हुआ। प्रदर्शन के बाद जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। सभा का संचालन सीटू राज्य समिति के सदस्य कल्याण सिंह लोधी ने किया। इस अवसर पर सीटू के राज्य उपाध्यक्ष डॉ. विष्णु शर्मा, महेश सैनी और जहूर खान ने सभा को संबोधित किया। वक्ताओं ने जानकारी दी कि देश के विभिन्न प्रमुख श्रमिक संगठनों ने वर्तमान राष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया है। अब यह हड़ताल आगामी

9 जुलाई 2025 को आयोजित की जाएगी। सीटू नेताओं ने बताया कि यह निर्णय जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद लिया गया है, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई। इस राष्ट्रीय त्रासदी को ध्यान में रखते हुए संगठनों ने राष्ट्रहित में यह कदम उठाया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई जारी रहेगी और 9 जुलाई से पहले देशभर में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। वक्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आतंकी हमले जैसी गंभीर घटनाओं के बीच भी श्रमिकों का उत्पीड़न नहीं रुका है। काम के घंटे जबरन बढ़ाए जा रहे हैं, न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। ठेका और आउटसोर्सिंग पर कार्यरत श्रमिकों का बेरहमी से शोषण हो रहा है।

आरोप नपाध्यक्ष सविता गुप्ता ने कांग्रेस पार्षद शेखर वशिष्ठ के आरोपों को बताया झूठा और दुर्भावनापूर्ण

शहर की जनता ने हर चुनाव में कांग्रेस को दिया जवाब, नपाध्यक्ष पर लगाए आरोप निराधार

सत्ता सुधार ■ गुना

नगर पालिका गुना की अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने कांग्रेस पार्षद शेखर वशिष्ठ द्वारा लगाए गए तमाम आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें झूठा, बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से शेखर वशिष्ठ बार-बार झूठे आरोप लगाकर केवल महिला जनप्रतिनिधि की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके आरोपों की कोई सच्चाई नहीं है और यह केवल सस्ती राजनीतिक लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है। सविता गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नगर पालिका पारदर्शिता और नियमों के तहत कार्य कर रही है। हमारे सांसद और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में जिस लोकसभा क्षेत्र में

हम हैं, वहाँ भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं है। कांग्रेस पार्षद जिस प्रकार सोशल मीडिया पर बयानबाज़ी कर रहे हैं, वह उनकी खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी स्थिति को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस को जनता पहले ही चार बार विधानसभा, लोकसभा और दो पार्षद उपचुनावों में जवाब दे चुकी है। शेखर वशिष्ठ को तो खुद उनके वार्ड के मतदाता भी नकार चुके हैं, इसलिए अब वे परिषद के उन लोगों से जवाब मांगें जिनकी नीयत साफ नहीं है। सविता गुप्ता ने प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित आरोपों पर सफाई देते हुए स्पष्ट किया कि इस योजना से जुड़े ऋण की स्वीकृति पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सलूजा के कार्यकाल में हुई थी। उन्होंने कहा, मैंने आज तक किसी भी लोन प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं और न ही मुझे इस बारे में कोई जानकारी दी गई है। नाली-नालों की सफाई पर लगाए गए आरोपों पर उन्होंने कहा कि बीते दो वर्षों से किसी भी प्रकार की अलग से टेंडर प्रक्रिया नहीं हुई है। इन मुद्दों को लेकर लगाए गए आरोप मनगढ़ंत हैं और महिला नेतृत्व को बदनाम करने की सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं।

कीटनाशक दवा के छिड़काव संबंधी आरोपों पर उन्होंने कहा कि इस विषय में जानकारी संबंधित विभाग–सीएमओ या स्वच्छता शाखा से ली जानी चाहिए। यदि मिलावट की बात सामने आती है तो सबसे पहले मैं ही कार्रवाई की मांग करूंगी। वहीं नगर पालिका की इनोवा गाड़ी के उपयोग संबंधी आरोपों को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 18 माह से मेरे पास कोई वाहन नहीं है, और यदि कोई वाहन उपयोग में है तो वह सीएमओ द्वारा किया जा रहा है, जो नियम के अंतर्गत आता है। विद्युत सामग्री की खरीद और स्ट्रीट लाइट उपयोग को लेकर भी उन्होंने कहा कि सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार कार्य हुए हैं और यदि किसी को आपत्ति है तो संबंधित शाखा से जानकारी ली जा सकती है। उन्होंने कहा, मेरे कार्यकाल में किसी पार्क की जगह सड़क डालने जैसा कोई भी कार्य नहीं हुआ है। सड़कों की गुणवत्ता को लेकर भी सविता गुप्ता ने कहा कि यह जिम्मेदारी तकनीकी अमले की होती है, और यदि कोई शिकायत आती है तो तत्काल जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार वंदना कान्वेंट स्कूल से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया में मेरी कोई भूमिका नहीं है, इसकी जानकारी राजस्व शाखा या सीएमओ के पास होगी। अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्षद निराधार आरोप लगाकर आगामी चुनाव की जमीन तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता अब सब जानती है और उन्हें एक बार फिर जवाब देने को तैयार है। उन्होंने चेताया कि इस तरह की राजनीति से कांग्रेस को कुछ हासिल नहीं होगा, उल्टा वे वार्ड की जनता का विश्वास भी खो बैठेंगे।

आरटीई में प्रवेश हेतु 2120 बच्चों के आवेदन हुए सत्यापित

सत्ता सुधार ■ गुना

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सत्र 2025-26 के लिये गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय शालाओं में वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों का निःशुल्क प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन 21 मई 25 तक कर सकते है, तथा 23 मई 25 तक त्रुटि सुधार कर आवेदन लॉक कर सकते है तथा 23 मई 25 तक जनशिक्षा केन्द्र पर आवेदन सत्यापित करा सकेंगे। 29 मई 25 को लॉटरी के माध्यम से शाला आवंटित होगी जिसकी सूचना पंजीकृत मॉबाईल पर राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा एसएमएस के माध्यम से प्रेषित की जायेगी। पालक आवंटित स्कूल का आवंटन पत्र पोर्टल से डाउनलोड कर आवंटित शाला में 2 जून से 10 जून तक प्रवेश हेतु उपस्थित हो सकेगें तथा शाला द्वारा ऑनलाईन प्रवेश की रिर्पोटिंग की जायेगी। ऋषि कुमार शर्मा, जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि 358 अशासकीय शालाओ के लिये 1749 सीटे आरक्षित है। आज दिनांक तक 3006 आवेदन ऑनलाईन किये गये है किन्तु 2120 आवेदन ही सत्यापित हुये है। श्री शर्मा ने बताया कि जनशिक्षा केन्द्रो को सत्यापन केन्द्र बनाया गया है।

जीवन में प्यार की शक्ति का रहस्य अजीबोगरीब है। इसकी ऊर्जा अनंत है। इसके आभास मात्र से आप सक्रिय हो उठते हैं। भरपूर शक्ति के साथ काम में जुट जाते हैं। यही अहसास अगर जीवन संगिनी के साथ होने का हो तो तय है कि आप इसके बल पर अपनी जिंदगी में किसी भी मुकाम को हासिल कर सकते हैं।

जरा छूकर देखो

सामान्यतया जीवन संगिनी के प्रेम को लेकर भारतीय समाज में ढेरों धारणाएं हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर जीवनसाथी के साथ व्यावहारिक जीवन सहज है तो उससे बेहतर जिंदगी नहीं हो सकती। वास्तव में है भी ऐसा, क्योंकि तरोताजा बने रहने और पूरी क्षमता के साथ काम करने के लिए सुकून सबसे अहम चीज है। इसे आप पैसों से नहीं खरीद सकते। इसे आप अपने व्यवहार और आपसी समझ से ही प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए कहा गया है कि प्यार केवल भावनाओं का लेना-देना नहीं, बल्कि इसमें स्पर्श का योगदान सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। कुछ समय पहले ही अमेरिका में हुए एक शोध में पाया गया है कि कोई भी महिला या लड़की किसी पुरुष को अगर प्यार से छू ले या पुरुष के पीठ का स्पर्श मात्र कर दे तो उसे सुकून मिलता है। उसका मानसिक तनाव कुछ कम हो जाता है। वह दुगुनी साहस के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए उठ खड़ा होता है।

स्पर्श में जादू

महिलाओं के स्पर्श में वह जादू है, जो दवा का काम करता है। महिलाओं के छुअन मात्र से पुरुष खुद को सुरक्षित महसूस करने लगते हैं। कोई भी खतरा मोल लेने को तैयार हो जाते हैं। सुरक्षा का यही बोध उन्हें अपने जीवन में निश्चिंत रहने और हर जिम्मेदारी को निभाने के लिए प्रेरित करता है।

सजने-संवरने पर रोज दीजिए 18 मिनट

ज्यादातर लोगों की हमेशा यह जानने में दिलचस्पी होती है कि महिलाएं घर से बाहर निकलने से पहले आइने के सामने कितना समय लगाती हैं। अब तक महिलाओं के बारे में यह पता नहीं चल सका है। लेकिन इसका जवाब मिल गया कि ब्रिटेन में पुरुषों को सजने-संवरने में कितना समय लगता है।

एक शोध में पता चला है कि औसत ब्रिटिश पुरुष रोज सुबह तैयार होने या संजने-संवरने में पूरे 18 मिनट खर्च करते हैं। ब्रिटेन में खुद की खूबसूरती पर गुमान करने वाले पुरुषों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ये पुरुष अपने जीवनकाल में 5,105 मिनट या अपनी जिंदगी साढ़े तीन से कुछ ज्यादा दिन आइने के सामने खुद को आकर्षक बनाने में व्यतीत करते हैं। यह सर्वेक्षण 1,012 पुरुषों पर किया गया था। इनमें से 54 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया कि वे अपने साथी को खुश करने के लिए ऐसा करते हैं।

दूसरों से स्मार्ट लगें

एक चौथाई पुरुषों का कहना था कि वे साथी पुरुषों से श्रेष्ठ दिखने की प्रतिस्पर्धा में ऐसा करते हैं। 38 प्रतिशत पुरुषों का कहना था कि वे अपने व्यक्तित्व को निखारने या खुद को खूबसूरत बनाने के संबंध में बहुत थोड़ा ही जानते हैं। उनका कहना था कि उन्हें इसके नुस्खे पूछने में झिझक महसूस होती है। वेल्श में सबसे ज्यादा, 70 प्रतिशत पुरुषों ने स्वीकार किया कि वे खूबसूरत दिखने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। इससे विपरीत वेस्ट मिडलैंड्स में पुरुषों को तैयार होने में केवल 10 मिनट का समय लगता है। उनका कहना था कि संजने-संवरने में 18 मिनट जरूर लगते हैं, लेकिन जब किसी से पहली बार मिलते हैं तो वह तारीफ करता है।

तैयार करें परफेक्ट ट्रेवल ब्यूटी किट

मेकअप और जरूरी सामान रखने के लिए ज्यादातर महिलाओं के पास ब्यूटी किट होती है। मगर, मुश्किल तब आती है जब आपको इस ब्यूटी किट को अपने साथ ले जाना हो और आपको यह समझ न आए कि क्या रखें और क्या न रखें। तो अब जानिए हर ओकेजन के हिसाब से कैसे तैयार करें ब्यूटी किट।

शादी के लिए

- शादियों के लिए जब भी ब्यूटी किट तैयार करें, तो उसमें अपने पसंदीदा परफ्यूम के लिए जगह बनाएं।
- सहेली की बिदाई के दौरान कई बार आंखें नम हो जाती हैं, इसलिए एक वाटरप्रूफ मस्कारा रखना न भूलें।
- शादी में कई कार्यक्रम होते हैं और हर कार्यक्रम में नया हेयरस्टाइल होना जरूरी है। इसलिए एक हेयर स्ट्रेटनर और एक हेयर कर्लर रखना न भूलें।

पार्टी के लिए

- हेयर एक्सटेंशन, हेयर मस्कारा साथ रखें, ताकि आपके बाल सभी से ज्यादा स्टाइलिश नजर आ सकें।
- अगर आपके बाल काफी लंबे हैं, तो आप हेयर मूस को साथ रखें, इससे आपके बाल अधिक घने और चमकदार दिखते हैं।
- एक हेयर रिमूवल क्रीम और रेजर भी पैक करना न भूलें
- क्लींजिंग मिल्क भी जरूर रखें, ताकि आप पार्टी मेकअप को ठीक तरह से अपने चेहरे से हटा सकें।

पिकनिक के लिए

- क्योंकि आप पूरा समय बाहर रहने वाली हैं तो अपने बैग में एसपीएफ 30 सनस्क्रीन लोशन रखना न भूलें।
- इस दौरान आपको कई वेट वाइप्स या टिशूज भी पैक करने चाहिए, क्योंकि पिकनिक पर भागा-दौड़ काफी होती है।
- एक अच्छा हैंड सेनिटाइजर रखना न भूलें। क्योंकि हाथ बार-बार धोना संभव नहीं होता।

अब जींस पर साड़ी बांधिये

फैशन के इस दौर में साड़ी को अलग ढंग से बांधने के तरीके से अवगत कराया जा रहा है। पारंपरिक परिधानों को नए अवतार में पेश करने के विषय में पूछने पर बताया छरहरी और लंबी दिखने वाली लड़कियां साड़ी पर बेल्ट लगा सकती हैं। इसमें आप अधिक युवा और आकर्षक नजर आएंगी। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के लिए शादी का जोड़ा तैयार किया था ताहिलयानी ने। उनका कहना है कि सुनहरी या चांदी की रंगत वाली बेल्ट पारंपरिक कमरबंध के स्थान पर आधुनिक कमरबंध के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है। अब जींस के ऊपर साड़ी बांधना नए फैशन में है।

अब एक फैशन में पारंपरिक साड़ी को अलग-अलग तरह से बांधकर उसे अब एक नये ढंग व आधुनिक रूप दिया जा सकता है। डिजाइनरों के अनुसार इन दिनों जींस के ऊपर साड़ी बांधने या साड़ी पर बेल्ट लगाने का फैशन है। युवा लड़कियों ने साड़ी बांधने के इन तरीकों का स्वागत किया है।

बिंदास लुक के लिए टशनी ट्राउजर

लेटेस्ट फैशन

टाइट फिटेड ट्राउजर व जींस वार्डरोब से बाहर हो चुके हैं और इनकी जगह वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस ने ले ली है। पिछले दिनों आईं कई फिल्मों में वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस खूब दिखाई दीं। यदि आप भी कुछ नई ड्रेस तलाश रही हैं, तो इन्हें ट्राई कर सकती हैं।

रफ एंड टफ ड्रेस

वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस रफ एंड टफ स्टाइल है, जो आपको ग्लैमरस व बोल्ड लुक देता है। लड़कियां बिंदास लुक चाहती हैं, तो उनके लिए यह परफेक्ट ड्रेस है। इस आउटफिट पर चौड़ी बेल्ट भी फैशन में है। इसमें आप लेदर या फिर ट्राउजर के फैब्रिक से ही मैच करती बेल्ट डिजाइन करवा सकती हैं। यदि आप हाई वेस्ट वाइड लेग्स ट्राउजर पहन रही हैं, तो उस पर चौड़ी बेल्ट पहनें। इससे लुक अच्छा आएगा।

डिजाइन व पैटर्न

आप इन्हें कई स्टाइल में खरीद सकती हैं। इसमें हाई वेस्ट, लो वेस्ट, प्लेटेड वगैरह स्टाइल खास हैं। इसके साथ फिटेड टी-शर्ट, फ्रील शर्ट, शॉर्ट जैकेट को कोट के साथ मैच करके पहना जा सकता है। आप वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस की चौड़ाई अपनी चॉइस के मुताबिक कम या ज्यादा भी करवा सकती हैं।

1980 का ट्रेंड

वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस नया स्टाइल नहीं है। यह 1980 का फैशन है, जो नए अंदाज के साथ लौट आया है। डिजाइनर्स ने इसमें अपनी क्रिएटिविटी यूज करके इसे और भी स्टाइलिश व फैंसी बना दिया है। फैशन डिजाइनर कहना है कि लूज ड्रेसेज ही ज्यादा कम्फर्टेबल होती हैं। ऐसे में वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर जींस बेस्ट ड्रेस हैं।

यदि आप बिंदास व रफ एंड टफ लुक चाहती हैं, तो वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस ट्राई कर सकती हैं। यह नया ट्रेंड है और इन दिनों लड़कियों के बीच बेहद पॉपुलर है। एक नजर डालते हैं इसके ट्रेंड पर।

नए प्रिंटेट

यदि प्रिंट की बात की जाए तो इसमें प्लेन, प्रिंटेड, एम्ब्रॉयडरी वर्क भी ट्रेंड में हैं। कई फैशन डिजाइनर्स ने वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस में कई डिजाइन पेश किए हैं। इसमें शीयर फैब्रिक में भी आपको ट्राउजर मिल जाएंगे, जो पूरी तरह नया स्टाइल है।

बेस्ट कलर

आप लाइट कलर के ट्राउजर ही चुनें। वाइट, लाइट स्काई, पिंक, पर्पल, ग्रे, यलो व डल ब्लैक वगैरह प्रिफर करें। वहीं फ्लेयर लेग्स जींस में ब्लू, मस्टर्ड व ग्रीन कलर ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

रवि मोहन की शादीशुदा जिंदगी विवादों में घिरी

साउथ के मशहूर अभिनेता रवि मोहन की शादीशुदा जिंदगी इन दिनों विवादों में घिरी हुई है। हाल ही में अभिनेता की पत्नी आरती ने उन पर सोशल मीडिया पर कई गंभीर आरोप लगाए। पोस्ट में रवि पर व्यक्तिगत और पारिवारिक विवाद का खुलासा किया। मामले में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए रवि मोहन ने भी सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने पक्ष से पूरी कहानी बताई और अपने बच्चों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। रवि मोहन ने अपने पोस्ट में बताया कि वह वर्षों से एक ऐसे रिश्ते में थे जिसने उन्हें मानसिक रूप से बहुत तोड़ा है। उन्होंने कहा कि स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि उन्होंने अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए पत्नी से अलग होने का फैसला किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका अलगाव सिर्फ अपनी पत्नी से है, अपने बच्चों से नहीं। रवि ने लिखा कि उनके बच्चे उनकी सबसे बड़ी खुशी और गौरव हैं और वह अपने बच्चों के लिए हर परिस्थिति में खड़े रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें कर्ज लेने के लिए मजबूर किया गया और उनके माता-पिता से भी उनसे दूर कर दिया गया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें अपने बच्चों से मिलने तक नहीं दिया गया, जिससे उनकी स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई। रवि ने बताया कि उनकी आवाज, गरिमा, कमाई, करियर के फैसले, यहां तक कि सोशल मीडिया अकाउंट तक पर नियंत्रण किया गया और उनके साथ स्वार्थ की भावना से गलत व्यवहार किया गया।

रवि मोहन और आरती की शादी साल 2009 में हुई थी, लेकिन इस साल यानी 2024 में उन्होंने अलग होने का फैसला किया। इस विवाद ने फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ आम जनता का भी ध्यान आकर्षित किया है। रवि मोहन के पोस्ट से स्पष्ट है कि वे इस कठिन दौर से गुजर रहे हैं और अपने बच्चों को लेकर बेहद गंभीर और जिम्मेदार हैं। वहीं, इस पूरे मामले में आरती ने भी सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी है, जिसमें उन्होंने रवि के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं। हालांकि, उन्होंने विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी है। दोनों के बीच जारी विवाद अब कानूनी रूप भी ले सकता है और यह देखना बाकी है कि आगे क्या मोड़ आता है।

हरनाज कौर संधू ने कम कर लिया इतना वजन

2021 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम करने वालीं ब्यूटी क्वीन हरनाज कौर संधू किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के बाद हरनाज अपने बढ़े वजन को लेकर चर्चा में आ गई थीं। उन्हें कई पब्लिक इवेंट्स में देखा गया, जहां उनका बढ़ा वजन चर्चा का विषय बन गया। सोशल मीडिया पर भी उन्हें निशाने पर लिया जाने लगा। अपने बढ़े वजन के बाद हरनाज ने लोगों को अपने ट्रांसफॉर्मेशन से भी चौंका दिया। अब ब्यूटी क्वीन अपने एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह पहले से भी ज्यादा स्लिम लग रही हैं और उनका ये ट्रांसफॉर्मेशन देख फैंस भी हैरान हैं।

ट्रांसफॉर्मेशन देख चौंके लोग, कभी बढ़े वजन पर हुई थीं ट्रोल

हरनाज का ट्रांसफॉर्मेशन देख चौंके फैंस

हरनाज सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें-वीडियो और एक्टिविटीज की झलक शेयर करती रहती हैं। अब उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह पिंक डीप नेक टॉप और जींस में किसी गार्डन जैसे एरिया में टहलती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में हरनाज इतनी स्लिम लग रही हैं कि उन्हें पहचान पाना भी मुश्किल है। ब्यूटी क्वीन के फैंस का भी कहना है कि उन्होंने काफी वजन कम कर लिया है।

इस डिजीज के चलते बढ़ गया था वजन

बता दें 2022-23 के दौरान हरनाज कौर संधू अपने बढ़े हुए वजन को लेकर सुर्खियों में आ गई थीं। जिसके बाद वह काफी ट्रोल भी हुईं। इसके बाद हरनाज कौर संधू ने बताया था कि उन्हें एक डिजीज है, जिसके चलते उनका वजन बढ़ गया है। हरनाज ने बताया था कि उन्हें सीलिएक डिजीज है, जिसके चलते उनका वजन बढ़ा था। इस डिजीज के चलते वह ग्लूटन नहीं खा सकतीं।

हरनाज कौर संधू का ट्रांसफॉर्मेशन

हरनाज ने 2024 में ही अपना काफी वजन कम कर लिया था और अपने ट्रांसफॉर्मेशन से सबको हैरान कर दिया था। अब लेटेस्ट वीडियो में हरनाज बोल रही हैं, मैं बहुत एक्साइटेड हूं क्योंकि मैं लगभग 1 साल से भी ज्यादा समय बाद पिज्जा खाऊंगी। मैं अब और इंतजार नहीं कर सकती।

सह-अस्तित्व ही भविष्य की कुंजी: रणदीप हुड्डा

वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के शौकीन बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा ने टाइगर के साथ एक दुर्लभ तस्वीर साझा करते हुए कहा कि पृथ्वी का इकोसिस्टम बेहद संतुलित और संवेदनशील है, जिसमें एक भी कड़ी टूटने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। रणदीप हुड्डा ने लुप्तप्राय प्रजाति दिवस के अवसर पर प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण की अहमियत पर जोर दिया है। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, हमारी धरती मां एक नाजुक लेकिन संतुलित इकोसिस्टम का घर है।

यदि किसी एक प्रजाति का लुप्त होना शुरू हो गया, तो इसका प्रभाव बाकी सभी पर पड़ेगा। इससे भी बुरी स्थिति यह हो सकती है कि खुद मानव जाति का अस्तित्व खतरे में पड़ जाए। लुप्तप्राय प्रजाति दिवस पर आइए इस पारस्परिक संबंध की सुंदरता को समझें और उसके संरक्षण के लिए संकल्प लें। रणदीप का प्रकृति से यह जुड़ाव केवल विचारों तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्हें वनों की यात्रा और वन्यजीवों की तस्वीरें लेना हमेशा से प्रिय रहा है। उन्होंने लिखा, प्रकृति की सुंदरता और उसमें रहने वाले जीवों को कैमरे में कैद करने का मेरा जुनून सालों पहले शुरू हुआ था। इन जीवों को नजदीक से देखना और उनकी तस्वीरों को साझा करना मेरे लिए एक खास अनुभव होता है। रणदीप हुड्डा इस बात के भी पक्षधर हैं कि इंसान को प्रकृति के साथ मिलकर रहना सीखना होगा। उन्होंने कहा, मुझे हर बार यह महसूस होता है कि अगर मनुष्य सह-अस्तित्व का पाठ सीख जाए, तो किसी भी तरह की समस्या नहीं आएगी। यही एकमात्र रास्ता है जिससे हम और अन्य जीव सुरक्षित रह सकते हैं। रणदीप अक्सर जंगलों की सैर पर निकलते हैं और वहां से बाघ, गैंडा जैसे जीवों की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हैं। हाल ही में उन्होंने महाराष्ट्र के उमरेड-करहंडला वाइल्ड लाइफ सैंक्चुरी की यात्रा की थी, जिसकी झलक भी उन्होंने अपने प्रशंसकों से साझा की थी।

अनुष्का शर्मा-विराट कोहली परिवार की प्यारी झलक वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली की जोड़ी हमेशा से ही अपने प्रेम और परिवार के लिए चर्चा में रहती है। हाल ही में विराट ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया और वृंदावन के एक आश्रम में आध्यात्मिक शांति के लिए आशीर्वाद भी लिया। अब सोशल मीडिया पर अनुष्का के मायके का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने पति विराट और बच्चों के साथ दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो में अनुष्का बेटे अकाय को गोद में लिए हैं, जो सफेद टी-शर्ट और हरे रंग की पैंट में बेहद प्यारा लग रहा है। वामिका अपनी मां के पास खड़ी है और छोटे भाई को देख रही है। विराट पीछे से वीडियो में नजर आ रहे हैं, जबकि अनुष्का की मां भी अकाय को देखकर खुश नजर आती हैं। विराट और अनुष्का अपने बच्चों के निजी जीवन को काफी प्राइवेट रखते हैं, लेकिन ये छोटी-छोटी झलकियां उनके फैंस के लिए खास तोहफा साबित होती हैं।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में नहीं जा सकेंगी उर्फी

सोशल मीडिया की चर्चित इन्फ्लूएंसर और एक्ट्रेस उर्फी जावेद के फैंस इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी स्टाइलिश और धमाकेदार एंट्री का इंतजार कर रही थी। लेकिन अब अफसोस जताया जा रहा है कि उर्फी इस प्रतिष्ठित इवेंट में शामिल नहीं हो पाएंगी। उर्फी ने खुद अपने फैंस को बताया है कि उनका वीजा रिजेक्ट हो जाने की वजह से वह कान्स फिल्म फेस्टिवल में नहीं जा सकेंगी। इस खबर ने उनके चाहने वालों को निराश कर दिया है, जो उनके खास लुक और परफॉर्मेंस देखने के लिए उत्साहित थे। उर्फी का यह फैंस के बीच बड़ा इंतजार था, लेकिन दुर्भाग्यवश यह मौका उन्हें नहीं मिला। कान्स फिल्म फेस्टिवल हर साल ग्लोबल सेलेब्रिटीज का आकर्षण बनता है, और उर्फी की अनुपस्थिति में फेस्टिवल के दौरान उनकी कमी जरूर महसूस होगी।

अरमान ने किया नई सोलो म्यूजिक एल्बम का एलान

बॉलीवुड के लोकप्रिय सिंगर अरमान मलिक ने हाल ही में अपने फैंस को खुशखबरी दी है। उन्होंने अपनी आने वाली नई म्यूजिक एल्बम का ऐलान किया है, जिसमें एक सोलो सिंगल भी शामिल होगा। खास बात यह है कि इस गाने को उनके छोटे भाई और मशहूर संगीतकार अमाल मलिक ने कंपोज किया है। अरमान ने इस घोषणा के साथ-साथ उन अफवाहों को भी खारिज किया, जो उनके और अमाल के रिश्ते में दरार होने की बात करती थीं। इस कदम से दोनों भाइयों के बीच गहरी समझ और भाईचारे की झलक मिली है। फैंस इस नए गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो दोनों कलाकारों के मिलन का प्रतीक भी है। अरमान और अमाल का यह सहयोग संगीत प्रेमियों के लिए खास तोहफा साबित होगा।

श्यामली डे का रहस्यमय पोस्ट

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु और फिल्म डायरेक्टर राज निदिमोरु के बीच रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों की करीबी तस्वीरें और साथ काम करने की वजह से इन अफवाहों को हवा मिल रही है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'शुभम' के सेट से सामंथा ने राज निदिमोरु के साथ एक खास तस्वीर शेयर की, जिसमें वे राज के कंधे पर सिर रखे नजर आ रही हैं। हालांकि, इस बात की जानकारी कम लोग जानते हैं कि राज निदिमोरु शादीशुदा हैं और उनकी एक प्यारी बेटी भी है। इस बीच, राज की पत्नी श्यामली डे ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की है जिसमें उन्होंने लिखा है कि वे उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना और प्यार भेजती हैं जो उनके बारे में सोचते, देखते और बातें करते हैं। इस पोस्ट को उनकी निजी जिंदगी और चल रही अफवाहों से जोड़कर देखा जा रहा है।

बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही निमृत कौर

छोटी सरदारनी सीरियल में मेहर के किरदार से मशहूर हुईं लोकप्रिय अदाकारा निमृत कौर अहलूवालिया अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'शौंकी सरदार' के जरिए फिल्मी करियर की शुरुआत कर रही हैं। फिल्म में निमृत कौर पंजाबी म्यूजिक और फिल्म इंडस्ट्री के दो चर्चित नामों, बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ नजर आएंगी। फिल्म का हाल ही में ट्रेलर जारी किया गया है, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। निमृत ने फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बब्बू मान और गुरु रंधावा जैसे दिग्गजों के साथ काम करना उनके लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं था।

उन्होंने बताया कि बचपन से ही वह इन दोनों कलाकारों को देखते और सराहते आई हैं, और आज उनके साथ काम करने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है। सेट पर दोनों ने उन्हें गर्मजोशी से स्वागत दिया और सहयोगी रवैया अपनाया, जिससे वह सहज महसूस कर सकीं। बब्बू मान के अभिनय में गहराई है, जो हर किसी को बेहतर परफॉर्म करने के लिए प्रेरित करता है। वहीं गुरु रंधावा का अंदाज़ सहज, आकर्षक और सहयोगपूर्ण रहा। फिल्म 'शौंकी सरदार' की कहानी समाज, संस्कृति और बदलाव से जुड़ी है। यह फिल्म केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर करती है।

ट्रेलर में पंजाब की संस्कृति, पारिवारिक रिश्तों और भाईचारे को सुंदर ढंग से पेश किया गया है। साथ ही फिल्म में भरपूर एक्शन और इमोशनल एलिमेंट्स भी मौजूद हैं। गुरु रंधावा का किरदार फिल्म को हल्का-फुल्का और रोचक बनाता है। सेट से जुड़े सूत्रों की मानें तो फिल्म के तीनों मुख्य कलाकारों के बीच अच्छी दोस्ती देखने को मिली। शूटिंग के दौरान ये तीनों न सिर्फ परदे पर बल्कि परदे के पीछे भी खूब मस्ती करते दिखे। इस फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रत्तन ने किया है, जबकि ईशान कपूर, शाह जंडियाली, धर्मिंदर बाटोली और हरजोत सिंह इसके निर्माता हैं।

जब बात देश की होती है, तो हम सब एक हैं: अनिल कपूर

मशहूर अभिनेता अनिल कपूर ने कहा कि भारत भले ही विविधताओं और मतभेदों से भरा हो, लेकिन जब बात देश की सुरक्षा की आती है, तो हर भारतीय एकजुट होकर सेना के साथ खड़ा हो जाता है। उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत की एकता और सशस्त्र बलों की बहादुरी पर गर्व जताया है। अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जो करने की जरूरत थी, वही किया गया। ऐसा कौन-सा परिवार है, जिनके सदस्यों के बीच मतभेद नहीं होते, लेकिन जब बात देश की आती है, तो हम सब एक हैं। हमेशा से रहे हैं और हमेशा रहेंगे। अपनी सशस्त्र सेनाओं के प्रति आभारी हूं कि वे बहादुरी से डटकर मुकाबला करते हैं। भारत भूलता नहीं है। भारत माफ नहीं करता है। जय हिंद...जय हिंद की सेना! अनिल कपूर के इस संदेश ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा और देशभक्ति की भावना को और भी प्रबल किया। उनके अलावा, कई अन्य हस्तियों ने भी सेना के सम्मान में अपनी आवाज़ उठाई है। पंजाबी गायक गुरु रंधावा ने भी एक भावनात्मक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने भारत को एक भावना बताया, जो सभी जाति, धर्म और भाषा की सीमाओं से परे जाकर लोगों को जोड़ती है। उन्होंने लिखा, भारत केवल एक देश नहीं है, यह एक भावना है, एक अहसास है जो लोगों को दिल से जोड़ता है।

एकता का बंधन है जो जाति, धर्म, भाषा या पृष्ठभूमि से परे है। हम सभी पहले भारतीय हैं, और हमारी एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। गुरु रंधावा ने आगे लिखा कि यदि कभी जरूरत पड़ी, तो हर भारतीय न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि वास्तविक तौर पर सेना के साथ खड़ा होगा। उन्होंने अपील की कि भारत की विविधता उसकी सुंदरता है, लेकिन राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को तोड़ने या अपमानित करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

एक्टर ताहा शाह ने अपनी मजबूत उपस्थिति से किया ध्यान आकर्षित

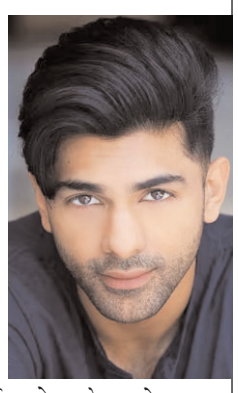

2025 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में अभिनेता ताहा शाह बादुशा ने अपनी मजबूत और संवेदनशील उपस्थिति से दर्शकों और सिनेमा प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया। अभिनेता ताहा शाह यहां अपनी फिल्म 'पारो-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी' को प्रतिष्ठित मार्चे डू फिल्म में प्रस्तुत करने पहुंचे।

अभिनेता ध्रुव सहगल द्वारा डिजाइन किए गए मैरून पिनस्ट्राइप सूट में बेहद आत्मविश्वास से कान्स के ऐतिहासिक कार्लटन होटल के सामने नज़र आए। यह सिर्फ फैशन का नहीं, बल्कि उस सामाजिक सच्चाई का भी प्रतिनिधित्व था, जिसे यह फिल्म वैश्विक मंच पर उजागर करने जा रही है। गजेन्द्र अहिरे के निर्देशन में बनी यह फिल्म दक्षिण एशिया के उन दूरदराज़ इलाकों की कहानी कहती है जहां महिलाओं को दुल्हन के रूप में खरीदा और बेचा जाता है।

ब्रीफ न्यूज

ग्राम पंचायत बरखेड़ा छज्जू में मनरेगा में भारी गड़बड़ी का खुलासा, पोर्टल पर फर्जी मजदूरों की एंट्री

अशोकनगर। जनपद की ग्राम पंचायत बरखेड़ा छज्जू में मनरेगा के तहत हो रहे नवीन तालाब निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। पोर्टल पर भले ही निर्माण कार्य में 100 मजदूरों के कार्यरत होने की जानकारी दर्ज है, लेकिन मौके पर ना मजदूर दिखे और ना ही काम होता नजर आया। बताया जा रहा है कि तालाब निर्माण कार्य भंडारी शर्मा के खेत के पास किया जा रहा है, लेकिन यहां काम मशीनों से कराया गया हितग्राहियों के नाम पर मजदूरों की फर्जी एंट्री की गई। इससे स्पष्ट है कि योजनाओं को केवल कागजों पर चलाकर राशि का बंदरबांट किया जा रहा है। ग्राम पंचायत बरखेड़ा छज्जू में भी इसी तरह की गड़बड़ी सामने आई है। यहां भी काम सिर्फ कागजों में सीमित रहा। निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच, पंचायत सचिव और तकनीकी सहायक (इंजीनियर) की मिलीभगत से यह भ्रष्टाचार किया गया है।

नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया की प्रेस कॉन्फ्रेंस

अशोकनगर। नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया, पार्षद महेंद्र भारद्वाज, पार्षद विपिन शिवहरे ने आज नगर पालिका कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नगर की जल आपूर्ति व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की और आगामी गर्मियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगर के अमाही तालाब में वर्तमान में लगभग 10 फीट पानी उपलब्ध है, जो आने वाले गर्मी के मौसम में नगर की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। यह जल स्रोत संकट की स्थिति में बड़ी राहत प्रदान करेगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि नगर की उन गलियों में जहाँ अंतिम मकानों तक पानी नहीं पहुंच पाता, वहाँ जल आपूर्ति की अवधि 15 से 20 मिनट तक बढ़ाई जाएगी, ताकि हर घर तक पानी पहुंच सके। जिन कॉलोनियों में अभी तक पाइपलाइन की सुविधा नहीं है, वहाँ टैंकरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए पर्याप्त संख्या में टैंकर तैयार रखे गए हैं।

पोकलेन मशीन चलाकर तालाब निर्माण करने के विरोध में खंगराले ने सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

ग्राम पंचायत बेजनाथ तहसील आष्ठा जिला सीहोर के खसरा क्रं. 488/1 (एस), 6 एकड़ आवास एवं समतल की गई भूमि पर दलित अल्पसंख्यक भुमि के मानसिंह पिता जगन्नाथ, जाति बलाई अनुर्सचित जाति एवं बाबु खाँ, वकील खाँ, हकीम खाँ अल्पसंख्यक मुस्लिम वर्ग जिनका कि 40-40 वर्षों से बंजर पथरीलि भूमि को आवाद कर फसल ली जा रही थी। उक्त भूमि के अलावा इन किसानों के पास कोई भूमि नही है। ग्राम पंचायत के सरपंच संतोष बागवान, सचिव कोकसिंह मालवीय द्वारा नवीन तालाब निर्माण किया जा रहा है। जबकि पूर्व से कच्चे तालाब टिटोरिया व कुरावर के रास्ते पर है, उनका गहरीकरण नही किया जा रहा है। जातिवादी मानसिकता रखने वाली ग्राम पंचायत बेजनाथ व जनपद सीओ अंकित व्यास द्वारा दलित अल्पसंख्यक की आवाद की गई भूमि पर तालाब गहरीकरण का कार्य किया जाकर मिट्टी को प्रायवेट स्तर पर बेचा जा रहा है। अनुर्सचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण परिषद के प्रदेश महामंत्री नरेन्द्र खंगराले ने जिले के कलेक्टर के.वाला गुरु, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.नेहा जैन एवं खनिज अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बताया गया कि ग्राम पंचायत बेजनाथ में कई एकड़ शासकीय भूमि रिक्त होने के बावजूद भी बिना नोटिस दिये दलित अल्पसंख्यकों को भूमि पर तालाब निर्माण किया जा रहा है। उक्त भूमि से परिवार का भरण पौषण करने वाले दलित अल्पसंख्यकों को भूमि से बेदखल कर गाँव से पलायन करने को मजबूर किया जा रहा है। श्री खंगराले ने किसानों की भूमि पर अतिरिक्त तालाब निर्माण नही किये जाने एंव पुराने तालाब जो कि टिटोरिया व कुरावर के रास्ते पर है, उन तलाबों को जल संवर्धन योजना के अन्तर्गत गहरीकरण कर उन्हीं तालाबों का नविनीकरण कराये जाने की मांग की गई है। मांग करने वालों में प्रमुख रूप से नरेन्द्र खंगराले, भीमसिंह मालवीय, मानसिंह, बाबु खाँ, वकील खाँ, हकीम खाँ आदि प्रमुख हैं।

अनुत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों की अतिरिक्त क्लास लगाकर कराई जाए परीक्षा की तैयारी: कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ भोपाल

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय-सीमा प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी विभागीय अधिकारियों से लंबित प्रकरणों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक मामलों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षा में जो छात्र किसी कारण उर्त्तीण नहीं हो पाए हैं, उनकी र्जन माह में होने वाली परीक्षा के लिए अतिरिक्त क्लास लगाकर बेहतर ढंग से तैयारी कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिले का हर छात्र पास हो और आगे की पढ़ाई जारी रख सके इसके लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले की यदि पंजीकृत प्रसूताएं अन्य जिलों में जाकर प्रसव कराते तो उनकी भी जानकारी संकलित की जाए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने राजस्व विभाग के सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि नामान्तरण, बंटवारा, सीमांकन सहित सभी राजस्व प्रकरणों का समय सीमा के निराकरण करें। उन्होंने समग्र पोर्टल पर ईकेवाईसी कार्य की समीक्षा के दौरान कैंप लगाकर हितग्राहियों की ईकेवाईसी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईकेवाईसी, फार्मर रजिस्ट्री, वन ग्रामों के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन, विभिन्न परियोजनाओं के लिए भू अर्जन तथा मुआवजा वितरण के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर नितिन टाले, वंदना राजपूत आनंद सिंह राजावत, एसडीएम तन्मय वर्मा तथा डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुशवाह सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

समस्याओं का समाधान तत्परता से करना प्रशासन का अहम कार्य: कलेक्टर

साप्ताहिक समय सीमा के लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा के लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने विभागीय कार्यों की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने सी.एम.हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराएं। शेष लंबित सी.एम. हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण त्वरित करें तथा निराकरण की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा करें। उन्होंने सी.एम. डेशबोर्ड में विभागीय विषयों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रशासन का कार्य शिकायतों का तत्परता से समाधान करना है। शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गंभीर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने समग्र ई-केवायसी का कार्य पूर्ण करने के लिए पंचायतवार एवं नगरीय निकायवार लक्ष्य अनुरूप कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। अधिकारी, कर्मचारी समय पर पहुंचे कार्यालय बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला कार्यालय प्रमुखों को निर्देर्शित किया कि शासन निर्देशानुसार सभी अधिकारी एवं अधीनस्थ स्टॉफ प्रात: 10:00 बजे अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित होकर शासकीय कार्यों का सम्पादन करें। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने वाले शासकीय कर्मियों का एक दिन का वेतन राजसात किया जाएगा।

भुगतान योग्य लंबित प्रकरण न रहें

कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को भुगतान राशि से संबंधित प्रकरण विभागों में लंबित न रहे। जिस स्तर से बजट की मांग की जानी हो उसके प्रस्ताव तैयार कर संबंधित वरिष्ठ कार्यालय को भेजे जाएं। पेयजल पर दे विशेष ध्यान गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जाए। साथ ही नियमित मॉनीटरिंग की जाए। पेयजल संबंधी कॉल सेंटर के माध्यम से सतत निगरानी रखें।

स्वास्थ्य संस्थाओं का करें निरीक्षण

बैठक में गूगल मीट से जुड़े समस्त एस.डी.एम को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र तथा उप स्वास्थ केन्द्रों का भ्रमण समय-समय पर करें। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में सतत रूप से समीक्षा करते रहें। रोगी कल्याण समिति की बैठकें समय पर आयोजित की जाएं। स्वास्थ संस्थाओं के सफल संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

04 अधिकारियों को नोटिस जारी

बैठक में समय पर उपस्थित न होने तथा शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी न देने पर 04 अधिकारियों को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये गए है। कलेक्टर ने बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन,एसीईओ जिला पंचायत एन.एस नरवरिया,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नीरज छारी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चंदेरी गौरीशंकर राजपूत को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किये गए है। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री राजेश जैन, अपर कलेक्टर श्री मुकेश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सोनम जैन, श्री आर.बी. सिण्डोस्कर एवं सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

21 मई को रवाना होगी अंतर्राष्ट्रीय कराटे टीम

विधायक सुदेश राय ने सभी खिलाड़ियों को प्रदान की राशि

सत्ता सुधार ■ सीहोर

शहर के मास्टर आफ ताओ कराटे एसोसिएशन के तत्वाधान में दस दिवसीय कराटे कैंप का समापन किया जाएगा और नेपाल में होने वाली इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता के लिए डेढ़ दर्जन से अधिक कराटे खिलाड़ियों को रवाना किया जाएगा। कैंप में जारी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण शिविर के दौरान पहुंचे विधायक सुदेश राय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर कोच लखन ठाकुर, विमला ठाकुर, त्रयंबक ठाकुर सहित एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी शामिल थे। शिविर के दौरान विधायक श्री राय ने कहाकि सभी खिलाड़ियों को वह राशि प्रदान करेंगे, जिससे आने वाले दिनों में यह खिलाड़ी हमारे क्षेत्र का नाम इंटरनेशनल स्तर पर रोशन करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए मास्टर आफ ताओ कराटे एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि एसोसिएशन के लगातार 30 सालों से कराटे कोच श्री ठाकुर के नेतृत्व में नेपाल में टीम इंटरनेशनल प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए जा रही है। आगामी 21 मई को रवाना होने वाली टीम में करीब डेढ़ दर्जन कराटे खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। प्रशिक्षण का समापन मंगलवार को किया जाएगा। डेढ़ दर्जन खिलाड़ियों का सम्मान करने के दौरान विधायक श्री राय के अलावा प्रदीप नागिया, जीतमल मेवाड़ा, नरेन्द्र गौर, शैलेन्द्र राय, रोहित पासी आदि शामिल थे।

तत्कालीन पटवारी अरुणा कलावत का कारनामा

ग्राम तोंकली में दूसरे की जमीन फर्जी तरीके से कागजों में हेरा फेरी कर, बिना अनुमति खरीद कर चोरी-छुपे किया सीमांकन,बटांकन

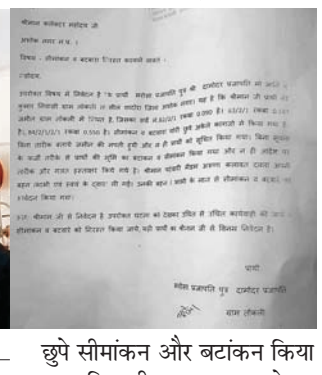

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले की शाढ़ौरा तहसील अंतर्गत ग्राम तोंकली में तत्कालीन हल्का पटवारी अरुणा कलावत के फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आवेदक भरोसा पुत्र दामोदर प्रजापति निवासी ग्राम तोंकली तहसील शाढ़ौरा जिला अशोकनगर द्वारा मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन देकर शिकायत की गई है कि तत्कालीन पटवारी श्रीमती अरुणा कलावत द्वारा कागजों में हेराफेरी कर उसकी जमीन को खरीद कर फर्जी कागजों में सीमांकन, बटांकन कर लिया है। जिसकी जांच कराकर निरस्त किए जाने की मांग की गई है।शिकायत कर्ता आवेदक भरोसा प्रजापति ने बताया कि ग्राम तोंकली में स्थित उसकी भूमि सर्वे नंबर 82/2/1 रकबा 0.090 हेक्टेयर, सर्वे नंबर 83/2/1 रकबा 0.14 हेक्टेयर,सर्वे नंबर 84/2/1/2/1 रकबा 0.550 हेक्टर है,जिसका तत्कालीन पटवारी श्रीमती कलावत द्वारा हल्का में अपने पद पर रहते हुए वरिष्ठ अधिकारी की बगैर अनुमति के फर्जी तरीके से कागजों में हेराफेरी कर जमीन खरीदी गई,और उसे अपनी बहन/भाभी के नाम कराया गया। तथा कागजों में ही चोरी छुपे सीमांकन और बटांकन किया गया। जिसकी भनक तक आवेदक को नहीं लगने दी। जबकि भौतिक रूप से वह जमीन आवेदक की है, और उस जमीन पर आवेदक का प्रधानमंत्री आवास योजना का मकान भी बना हुआ है।

इनका कहना है...

तत्कालीन पटवारी अरुण कलावत द्वारा हमारी जमीन को शासन की अनुमति के बगैर अवैध रूप से खरीद ली है,जिनकी रजिस्ट्री हमारे खेत से पीछे हुई है,लेकिन उन्होंने कागजों में फर्जी बटांकन कराके, हमारी जमीन पर बटांकन करवा लिया है। जबकि भौतिक रूप से उसी जमीन में हमारी प्रधानमंत्री आवास योजना की कुटीर बनी हुई है। पटवारी अरुण कलावत उस कुटीर को बार-बार गिरने की धमकी देती है। एक बार ये उसे गिराने भी पहुंचे थे।

भरोसा पुत्र दामोदर प्रजापति, भूमि स्वामी निवासी ग्राम तोंकली तहसील शाढ़ौरा जिला अशोकनगर।

जैसे ही आवेदन हमारे पास आ जाएगा उसकी हम विधिवत आर आई से जांच करवा लेते हैं,रिपोर्ट संबंधित अधिकारी को भेजते हैं, क्या स्थिति है।

ए.के.गौतम, तहसीलदार शाढ़ौरा जिला अशोकनगर।

राज्य समन्वयक ने किया छात्राओं की ऑन जॉब ट्रेनिंग का औचक निरीक्षण

अशोकनगर। भोपाल से आए राज्य समन्वयक (व्यावसायिक शिक्षा) श्री मयंक जैन ने मंगलवार को जिला चिकित्सालय अशोकनगर में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्राओं द्वारा की जा रही ऑन जॉब ट्रेनिंग का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय की हेल्थ केयर संकाय की छात्राएं 1 मई से 20 मई 2025 तक 20 दिवसीय प्रशिक्षण में भाग ले रही हैं। इस दौरान श्री जैन ने छात्राओं से बातचीत कर उनके अनुभव जाने और उन्हें हेल्थ केयर सेक्टर में भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में कार्य करते हुए छात्राएं न सिर्फ समाज की सेवा कर सकती हैं, बल्कि एक सशक्त और सुरक्षित भविष्य का निर्माण भी कर सकती हैं। यह ऑन जॉब ट्रेनिंग विद्यालय के प्राचार्य श्री महेन्द्र सिंह रघुवंशी के मार्गदर्शन में संचालित हो रही है, जिसमें हेल्थ केयर शिक्षक श्री नीरज साहू एवं व्यावसायिक शिक्षिका श्रीमती नेहा जोशी का भी सक्रिय योगदान है। जिला चिकित्सालय में हो रही इस प्रशिक्षण प्रक्रिया से छात्राओं को व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त हो रहा है, जो उनके भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

सात दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन

श्रद्धा और विश्वास का सम्मिलन ही शिव और पार्वती का विवाह: संत उद्धवदास महाराज

सत्ता सुधार ■ सीहोर

भगवान शिव भरोसे के प्रतीक हैं और पार्वती श्रद्धा की प्रतीक हैं। श्रद्धा और विश्वास का सम्मिलन ही शिव और पार्वती का विवाह है। विवाह के उपरांत ही मां पार्वती शिव को प्रसन्न करती हैं और शिवजी श्री राम कथा प्रारंभ करते हैं। इसी से राम कथा और श्रीराम के जन्म दोनों का प्रत्यक्ष रूप से राम कथा सुनने और भगवान राम के जन्म के बाद दर्शन करने का अवसर मानव के जीवन में आता है। यही शिव और पार्वती के विवाह का धार्मिक व आध्यात्मिक पक्ष है। उक्त विचार शहर के रुकमणी गार्डन में चित्रांश समाज और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा सीहोर के तत्वाधान में जारी सात दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के दूसरे दिन संत उद्धवदास महाराज ने कहे। संत उद्धवदास महाराज ने कहाकि जो मनुष्य सच्चे मन से श्रीराम कथा का श्रवण कर लेता है, उसका लोक ही नहीं परलोक भी सुधर जाता है। मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है और बहुत सत्कर्मों के बाद ही मनुष्य का जीवन मिलता है। भगवान शिव की भक्ति करने पर ही मां पार्वती को भगवान शंकर से विवाह करने का मौका मिला।

शिव विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि पर्वतराज हिमालय की घोर तपस्या के बाद माता जगदंबा प्रकट हुईं और उन्हें बेटी के रूप में उनके घर में अवतरित होने का वरदान दिया। इसके बाद माता पार्वती हिमालय के घर अवतरित हुईं। बेटी के बड़ी होने पर पर्वतराज को उसकी शादी की चिंता सताने लगी। माता पार्वती बचपन से ही बाबा भोलेनाथ की अनन्य भक्त थीं। एक दिन पर्वतराज के घर महर्षि नारद पधारे और उन्होंने भगवान भोलेनाथ के साथ पार्वती के विवाह का संयोग बताया। उन्होंने कहा कि नंदी पर सवार भोलेनाथ जब भूत-पिशाचों के साथ बरात लेकर पहुंचे तो उसे देखकर पर्वतराज और उनके परिजन अचंभित हो गए, लेकिन माता पार्वती ने खुशी से भोलेनाथ को पति के रूप में स्वीकार किया।

निरीक्षण | चिकित्सक एवं स्टॉफ से पहले जिला चिकित्सालय पहुंचे कलेक्टर

मरीजों को मिलें स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ: कलेक्टर आदित्य सिंह

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

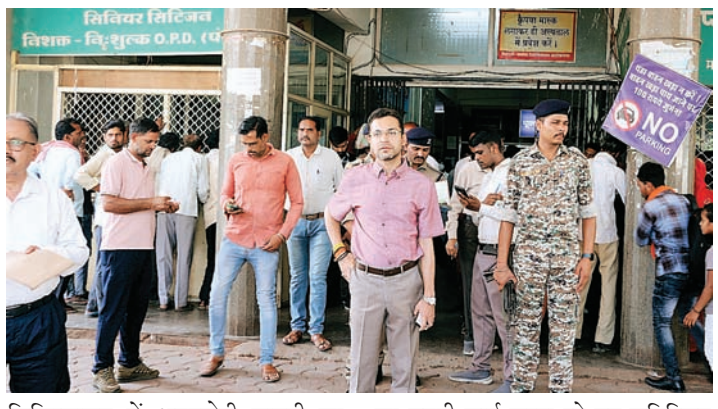

मंगलवार को कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा प्रातः 09 बजे जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। कलेक्टर चिकित्सक एवं मेडीकल स्टॉफ से पहले जिला चिकित्सालय पहुंच गये। चिकित्सक एवं स्टॉफ के कर्मचारी अपने कक्षों में नदारद मिले।कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित सिविल सर्जनडॉ डी.के.भार्गव को निर्देश दिए कि चिकित्सक एवं स्टॉफ के कर्मचारी नियत समय पर चिकित्सालय में आकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करें। साथ चिकित्सक वार्डों का भ्रमण कर मरीजों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाएं। मरीजों को चिकित्सकों का इंतजार न करना पड़े ऐसी व्यवस्था बनाई जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय में अनुपयोगी सामग्री का निष्पादन कराया जाए। साथ आवश्यक सामग्री की सूची तैयार कर मांग पत्र बनाकर शासन को भेजा जए। उन्होंने ओपीडी वार्डों सहित विभिन्न कक्षों के बाहर चिकित्सकों का ड्यूटी चार्ट चस्पा रहे यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि शासन प्रशासन की यही मंशा है कि स्वास्थ्य लाभ के लिए आने वाले मरीजों को स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिलें। स्वास्थ्य सेवा ही हमारा लक्ष्य हो इसका विशेष ध्यान दिया जाए। जरूरतमंदों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं देना चिकित्सक का परम कर्तव्य होता है, इसका पूर्ण निर्वहन किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर उपस्थित न होने तथा चिकित्सा सेवाएं न देने पर संबंधित चिकित्सकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिला चिकित्सालय के सभी वार्डों में पर्याप्त साफ-सफाई, हवा, पानी एवं विद्युत की पर्याप्त व्यवस्था हो यह सुनिश्चित किया जाए।

विभिन्न वार्डो का किया निरीक्षण: कलेक्टर श्री सिंह ने जिला चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ओपीडी, पैथालॉजी लैब, रक्तदान यूनिट, शिशु रोग कक्ष, नर्सिंग कक्ष, शिशु वार्ड, पोषण पुर्नवास केन्द्र, पुरूष एवं महिला वार्ड, सर्जिकल वार्ड, आपातकालीन कक्ष, नवजात शिशु, शिशु गहन चिकित्सा इकाई का निरीक्षण किया।

अव्यवस्थित खड़े वाहनों पर जताई आपत्ति

निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय में अव्यवस्थित चार पहिया वाहनों के खड़े होने पर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि वाहन पार्किंग के लिए जिस संस्था/ठेकेदार का टेंडर है, उसे कारण बताओ नोटिस जारी कर टेंडर निरस्त किया जाए। साथ वाहन पार्किंग के नए टेंडर आमंत्रित किए जाए। वाहन पार्किंग व्यवस्थित होने पर एंबुलेंस को आने-जाने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

ब्रीफ न्यूज

लोकायुक्त ने गलत तरीके से नौकरी हासिल करने पर दो के खिलाफ किया केस दर्ज

उज्जैन। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत तत्कालीन जिला फ्लोरोसिस सलाहकार ललित किशोर शर्मा को फर्जी तरीके से नियुक्त करने के संबंध में तत्कालीन संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं उज्जैन डॉ. दिलीप नागर एवं ललित किशोर शर्मा के विरूद्ध जिला उज्जैन में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है।

लोकायुक्त पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता लालसिंह परमार के द्वारा ललित किशोर शर्मा वर्तमान में जिला फ्लोरोसिस सलाहकार सीएमएचओ कार्यालय जिला शाजापुर की नियुक्ति वर्ष 2009 में जिला फ्लोरोसिस सलाहकार सीएमएचओ कार्यालय उज्जैन में डॉ. दिलीप नागर तत्कालीन संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संभागीय कार्यालय उज्जैन के द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी जिला उज्जैन के कार्यालय के पत्र पर डॉ. के. के. अग्रवाल की पदस्थापना के समय सीएमएचओ की पदमुद्रा पर स्वयं के हस्ताक्षर कर नियुक्ति दी गई थी जबकि जिला फ्लोरोसिस सलाहकार की नियुक्ति के लिये 5 साल का कार्य का अनुभव एवं स्नातकोत्तर में डिग्री होना आवश्यक थी। जबकि ललित किशोर शर्मा के पास 5 साल का कार्यानुभव भी नहीं था, साथ ही वांछित स्नातकोत्तर डिग्री नही होकर उक्त पद के लिये वांछित योग्यता नहीं थी, फिर भी फर्जी रूप से नियुक्ति प्राप्त करने के संबंध में पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा, लोकायुक्त उज्जैन को शिकायत प्राप्त होने पर शिकायत की जांच निरीक्षक दीपक सेजवार को दी गई थी। जिसकी जांच निरीक्षक सेजवार द्वारा की जाकर जांच के दौरान ललित किशोर शर्मा ने षड़यंत्र पूर्वक डॉ. दिलीप नागर तत्कालीन संयुक्त संचालक से सांठ गांठ कर शासन के साथ छल करते हुए फर्जी तरीके से नियुक्ति प्राप्त किया जाना प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित पाये जाने पर आरोपी ललित किशोर शर्मा एवं डॉ. दिलीप नागर के विरूद्ध अपराध दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

भस्म आरती में अद्भुत रूप में सजे बाबा महाकाल

उज्जैन। कालों के काल, विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मंगलवार सुबह बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि सुबह 4 बजे जैसे ही मंदिर के पट खुले, पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी देवी-देवताओं की पूजा की और फिर बाबा महाकाल का पंचामृत (दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस) से जलाभिषेक किया। इसके बाद हरि ओम का जल चढ़ाया गया और फिर कपूर की आरती की गई। बाबा को फूलों की माला पहनाई गई। आज के श्रृंगार की खास बात यह रही कि बाबा के मस्तक पर त्रिपुंड और भांग-ड्रायफ्रूट से आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिससे उनका स्वरूप और भी सुंदर लग रहा था। श्रृंगार के बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से बाबा के ज्योतिर्लिंग पर भस्म अर्पित की गई और फिर कपूर आरती कर भोग लगाया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

लालबाग के ऐतिहासिक स्थल के ...

सौंदर्यीकरण व पर्यटन संवर्धन हेतु 24 महीने में होगा पुनर्निर्माण : सीएम

47.59 करोड़ की लागत से लालबाग पैलेस का संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में होगा विकास

मुख्यमंत्री ने किया लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास के लिए भूमि-पूजन

सत्ता सुधार ■ इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर के ऐतिहासिक स्थल लालबाग पैलेस पहुंचकर होल्कर राजवंश के संस्थापक सूबेदार मल्हारराव होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने 47.59 करोड़ रूपये लागत से लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने लालबाग पैलेस का भ्रमण भी किया, जहां उन्होंने महल की ऐतिहासिक संरचना और सौंदर्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के प्रयास कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए बैठक कक्ष, क्राउन हॉल, बैंकेट हॉल, दरबार हॉल, किंग्स ऑफिस,

मंत्रणा कक्ष, पश्चिमी बैठक कक्ष, भारतीय भोजन कक्ष पुरुष एवं महिला, बॉल रूम आदि की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। आर्किटेक्ट श्री पुनीत सोहल द्वारा लालबाग पैलेस परियोजना का प्रजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उन्होंने लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास के लिए किए गए कार्य एवं आगामी कार्य योजना से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महत्वाकांक्षी कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना व्यक्त की। यह कार्य लालबाग के समृद्ध इतिहास और उसकी पुनः प्रतिष्ठा के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। उद्यान और होल्कर्स की विरासत को जीवंत रखने, उद्यान को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधि स्थल के रूप में विकसित करने एवं ऐतिहासिक अवधारणा पर आधारित रचना अनुसार पुनःविकसित करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जाएगा। इसके लिए 47.59 करोड़ की स्वीकृति सिंहस्थ मद अंतर्गत प्राप्त हुई है। यह कार्य मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जाएगा। कार्य की समय सीमा 24 माहअर्थात मई 2027 निर्धारित है। इसमें बाउंड्री वाल, पाथवे, पार्किंग, सॉफ्ट स्केपिंग एवं सिंचाई, जनसुविधा, टिकिट काउंटर, उद्यान कैफे, मुक्ताकाश मंच, मंडप,रानी अहिल्या बाई आत्मरक्षा केंद्र (बालिकाओं के लिए), वनस्पति रक्षा ग्रह, बाहरी विद्युतीकरण, सजावटी प्रकाश खंभे, बगीचे के लिए पाइप संगीत प्रणाली, सीसीटीवी आदि का कार्य किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर मंत्रि-परिषद के सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जिन्होंने परियोजना की महत्वता और विकास के प्रति सरकार के संकल्प का समर्थन किया।

कैबिनेट बैठक के पहले पीसीसी चीफ पटवारी ने निगम फर्जी बिल घोटाला पर किए सवाल

सत्ता सुधार ■ इंदौर

पहली बार इंदौर में हो रही कैबिनेट बैठक को लेकर कांग्रेस हमलावर हो गई है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने बैठक के ठीक पहले ट्वीट कर सीएम से जवाब मांगा। पटवारी ने पांच सवाल दागकर सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि राजबाड़ा में देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कैबिनेट बैठक के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इंदौर, जो स्वच्छता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, आज कई गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। ये मुद्दे इंदौर की जनता के हित और शहर की गरिमा से सीधे जुड़े हैं।

विजय शाह की बर्खास्तगी

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए आपके मंत्रिमंडल के मंत्री श्री विजय शाह को कड़ी फटकार लगाई है, उनकी माफी खारिज की है, और गंभीर धाराओं में एफआईआर का आदेश दिया है। इसके बावजूद, उनकी बर्खास्तगी पर कोई निर्णय क्यों नहीं लिया गया? इंदौर, जो देवी अहिल्याबाई की न्यायप्रिय नगरी है, में आज हो रही कैबिनेट

बैठक में क्या विजय शाह को मंत्रिमंडल से हटाकर न्याय की मिसाल पेश की जाएगी? क्या आप उन पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे जिन्होंने अदालती आदेश की अवहेलना की, और इसकी जांच के लिए समय सीमा तय करेंगे?

इंदौर का मास्टर प्लान : इंदौर के लिए 'विकास योजना-2041' का मास्टर प्लान कब तक लागू होगा? मई 2024 में विशेषज्ञों की सलाह के बावजूद प्रगति धीमी है। क्या आज की कैबिनेट बैठक में इसकी स्पष्ट समय सीमा और कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा? इस मास्टर प्लान में ट्रैफिक प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, और सांस्कृतिक धरोहरों को संबोधित करने के लिए क्या ठोस प्रस्ताव पेश किए जाएंगे, ताकि इंदौर की बढ़ती आबादी की जरूरतें, विशेषकर ग्रेटर इंदौर कॉरिडोर और सैटेलाइट टाउन जैसे प्रोजेक्ट्स के माध्यम से पूरी हों।

इंदौर नगर निगम में फर्जी बिल घोटाला : इंदौर नगर निगम में 2000 करोड़ रुपए के कथित फर्जी बिल घोटाले की जांच की वास्तविक स्थिति क्या है? कमजोर पैरवी और पुलिस की कथित मिलीभगत से सभी आरोपियों को जमानत मिलने की खबरें जनता में आक्रोश पैदा कर रही हैं। क्या आप इस घोटाले की जांच को तेज करने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष जांच समिति गठित करेंगे? प्रवर्तन निदेशालय ने 125 करोड़ रुपए के घोटाले में छापेमारी की, लेकिन 174 फर्जी फाइलों के गायब होने और बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई न होने की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या आज की बैठक में इस घोटाले की जांच को तेज करने की योजना की घोषणा होगी?

ट्रैफिक समस्या का समाधान

इंदौर की ट्रैफिक समस्या से आम जनता त्रस्त है। मेट्रो और ट्रैफिक मित्र जैसे प्रयास अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। क्या आज की कैबिनेट बैठक में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत करने और 'विकास योजना-2041' के तहत अलग ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी बनाने जैसे प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी? राजबाड़ा क्षेत्र में बैठक के लिए ट्रैफिक डायवर्शन की योजना बनाई गई है, लेकिन शहर के मध्य क्षेत्रों में रोजमर्रा के जाम और पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान कब तक होगा? क्या आप स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम लागू करने की समय सीमा तय करेंगे?

नशे की बढ़ती समस्या

इंदौर में युवाओं, विशेषकर स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं में नशे की लत और ड्रग्स से संबंधित हंगामे की खबरें चिंताजनक हैं। पुलिस की छापेमारी के बावजूद नशे की आपूर्ति क्यों नहीं रुक रही? आपकी सरकार की इस दिशा में दीर्घकालिक नीति क्या है? क्या आज की कैबिनेट बैठक में नशे की रोकथाम के लिए स्कूलों में जागरूकता अभियान, काउंसलिंग सेंटर स्थापित करने और नशामुक्ति के लिए व्यापक कार्यक्रम शुरू करने जैसे प्रस्ताव लाए जाएंगे।

खजराना पुलिस ने झपटमारी के आरोपी को किया गिरफ्तार

आरोपी फिल्मी स्टाइल में बाइक चलाकर मोबाइल छीनने की घटना को देता था अंजाम

सत्ता सुधार ■ इंदौर

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर थाना प्रभारी खजराना मनोज सिंह सेंधव ने क्षेत्र में संपत्ति संबंधी अपराध करने वाले आरोपियों को घेराबंदी कर उनकी धरपकड़ कर उनके विरुध्द सख्त कार्यवाही के लिए कार्ययोजना तैयार की। थाना प्रभारी खजराना द्वारा रिंगरोड से लगे आउटर कॉलोनियों, भीड़ भाड़ वाले स्थानों , रहवासी संस्था, मल्टी में लगातार हो रही चोरियों पर अंकुश लगाने के लिए टीम बनाकर आरोपियों को राउण्डअप करने हेतु लगाया गया।

फरियादी कालू श्रीवास्तव पिता मांगीलाल श्रीवास्तव निवासी धीरज नगर खजराना ने बताया कि मैं 17 मई को करीब 09.30 बजे पुरानी कलाली रोबोट चौराहे के पास से जा रहा था। पीछे से एक अज्ञात मोटरसाइकिल से आया और मेरा मोबाइल झपट कर भाग गया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना खजराना पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया।

थाना प्रभारी खजराना मनोज सिंह सेंधव ने जांच के दौरान लोगों के घरों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों को देखकर मिले फुटेज के आधार पर पुलिस टीम आरोपी को पकड़ने पहुंची तो वह पुलिस को देखकर भागने लगा। इसी दौरान पुलिस ने उसे पकड़ कर हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कृष्णा मालवीय पिता स्व. रमेश मालवीय निवासी ग्राम रावनपुरा पानीगांव तहसील कन्नौद जिला देवास हाल मुकाम - धीरज नगर खजराना बताया । आरोपी कृष्णा मालवीय को हिरासत में लेकर जब उससे पूछताछ की तो उसके द्वारा बताया कि वह अपने शौक पूरे करने के लिए मोबाइल छीनने की घटना को अंजाम देता था। आरोपी से मोबाइल बरामद किया है।

भीषण गर्मी में भी थमा नहीं जनसेवा का जज्बा, 42 डिग्री में केंद्रीय मंत्री लगा रहे जन चौपाल

टीकमगढ़। टीकमगढ़ में तेज गर्मी पड़ रही है, तापमान 42 डिग्री के पार है। लेकिन डॉ. वीरेंद्र खटीक जनसेवा में लगे हुए हैं। अपनी सादगी और सरलता के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. खटीक आठ बार से लगातार सांसद हैं और केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। इसके बावजूद उनमें कोई घमंड नहीं है। वे अक्सर बाइक या टैक्सी से चलते हैं और अपने क्षेत्र में जन चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं। जन चौपाल की तस्वीरें साफ बताती हैं कि लोग उन्हें कितना पसंद करते हैं। यही वजह है कि वे लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं और हर बार उनका जीत प्रतिशत बढ़ता जा रहा है। वे मध्य प्रदेश के पहले सांसद हैं जिन्होंने अब तक एक भी चुनाव नहीं हारा है। डॉ. खटीक सुबह हो या शाम, गर्मी हो या बारिश-हर मौसम में लोगों के बीच रहते हैं। ऐसा लगता है जैसे मौसम का उनके शरीर पर कोई असर नहीं होता। उनके दिल में गरीबों के लिए

कुछ करने का जज़्बा है और वे लगातार बुंदेलखंड जैसे पिछड़े इलाके में मेहनत कर रहे हैं। उनकी राजनीति में कोई दलाल या दिखावा नहीं होता। वे सीधे आम लोगों से मिलते हैं और उनकी बात सुनते हैं। यही वजह है कि उनकी लोकप्रियता कभी कम नहीं हुई। संघ की विचारधारा से आने के बावजूद डॉ. खटीक की छवि कभी कट्टरपंथी नहीं रही। उनके लिए हर इंसान इंसान है, चाहे वह किसी भी धर्म का क्यों न हो। टीकमगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. वीरेंद्र खटीक बीते एक महीने से लगातार जन चौपाल का आयोजन कर रहे हैं। टीकमगढ़ जिले की तीन, निवाड़ी जिले की दो और छतरपुर जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रों में वे लगातार जनता से मिल रहे हैं। 42 डिग्री की तेज गर्मी के बावजूद वे पेड़ों की छांव में बैठकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं और तुरंत अधिकारियों को समाधान के निर्देश भी देते हैं। डॉ. खटीक बताते हैं कि उन्होंने जन चौपाल की शुरुआत सागर लोकसभा सीट से की थी, जब उन्होंने पहला चुनाव जीता था। उनका मानना है कि जन चौपाल से सीधे उन लोगों से जुड़ाव होता है जो जिला मुख्यालय या दिल्ली जाकर अपनी समस्या नहीं बता पाते। जन चौपाल में सीधे जनता से बात होती है।

पत्नी की दूसरी शादी से नाराज था शख्स, गुस्से में कर लिया दूसरे पति का अपहरण, पांच गिरफ्तार

उज्जैन । उज्जैन में अपहरण का एक अनोखा मामला सामने आया। एक शख्स ने अपनी पत्नी की दूसरे पति का अपहरण कर लिया। महिला की ओर से शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी कर आरोपियों का पकड़ लिया। आज आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जानकारी के अनुसार विनोद कछावा से ज्योति की शादी हुई थी, लेकिन दोनों में पारिवारिक विवाद बढ़ा और दोनों अलग हो गए। इसी बीच ज्योति ने घोसला में रहने वाले रोहित से शादी कर ली। इस बात से नाराज होकर विनोद ने ज्योति पर नजर रखी और चिंतामन से लौटते समय उसने अपने साथियों के साथ रोहित का अपहरण कर लिया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए नाकेबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। चिंतामन थाना प्रभारी हेमराज यादव के अनुसार ज्योति नामक युवती अपने भांजे सुमित के साथ थाने आई और बताया कि दो कार में सवार होकर आए युवकों ने उसके पति रोहित का अपहरण कर लिया है। यह सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने अपहरण करने वालों की लोकेशन तलाशी।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने श्रद्धालुओं के लिए किए उचित प्रबंध

सत्ता सुधार ■ उज्जैन

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा वर्तमान में ऋतु परिवर्तन को देखते हुए श्री महाकाल महालोक, मंदिर परिसर एवं अन्य स्थानों पर पर्याप्त छाया, मेटिंग व शीतल जल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा अवन्तिका द्वार के समीप फेसिलिटी टनल की छत पर दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु जूता स्टैंड को शिफ्ट किया गया है व छत पर जम्बो कूलर व पंखे व मेटिंग बिछायी गई है। वही समीप ही पेय जल की भी व्यवस्था की गई है। साथ ही भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन हेतु एल.ई.डी. स्क्रीन भी लगाई गई है। श्री महाकालेश्वर मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो इस हेतु श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा सम्पूर्ण आंतरिक व बाह्य परिसर में पर्याप्त छाव, मेटिंग एवं शीतल जल की व्यवस्थाए की

गई है। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सूचना बोर्ड लगाये गये हैं। जिसमें श्रद्धालुओं को भस्मार्ती, मंदिर में प्रवेश, दान, दान हेतु अनाधिकृत व्यक्ति या कर्मचारी से संपर्क न करने, किसी को भी शीघ्र दर्शन या भस्मार्ती के लिए निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त राशि नहीं देने व काउण्टर पर ही भुगतान करने के निर्देश संबंधी सूचना बोर्ड लगाये गये है। मंदिर में अधिक जानकारी हेतु टोल फ्री नम्बर 18002331008 पर सूचना कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मांग सोमवार को कुछ मांगों पर सहमति जरूर बनी थी। पदाधिकारियों को कहना है कि उन्हें लिखित में कुछ नहीं दिया गया है

कर्मचारी संघ की हड़ताल जारी, पदाधिकारी बोले- सारी मांगें पूरी करे विश्वविद्यालय प्रशासन

सत्ता सुधार ■ इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय स्ववित्त संस्थान कर्मचारी (गैर शिक्षक) संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल आज भी जारी है। 20वां दिन हड़ताल को हो चुका है। कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक ये हड़ताल जारी रहेगी। हालांकि सोमवार को कुछ मांगों पर सहमति जरूर बनी थी। पदाधिकारियों को कहना है कि उन्हें लिखित में कुछ नहीं दिया गया है।

शनिवार को कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों-सदस्यों ने कुलगुरु डॉ.राकेश सिंघई की कार को रोककर नारेबाजी शुरू कर दी थी। इसके बाद कुलगुरु अपनी कार छोड़कर पैदल तक्षशिला कैंपस के बाहर चल गए थे। इस दौरान एक कर्मचारी ने कैंपस का मेन गेट बंद कर दिया था।

कुलगुरु खुद गेट खोलकर पैदल बाहर निकले थे और कैंपस से थोड़ा आगे जाकर रोड़ किनारे फुटपाथ पर बैठ गए थे। जब उनकी कार बाहर आई जिसके बाद वे रवाना हो सके थे।

इस घटना के बाद सोमवार को भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, विधायक गोलू शुक्ला आरएनटी मार्ग स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय पहुंचे थे। जहां उन्होंने कुलगुरु के साथ हुए दुर्व्यवहार को शर्मसार करने वाली घटना बताया था। इसके साथ ही उन्होंने कुलगुरु से चर्चा की थी, इस दौरान अन्य कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी व सदस्य यहां मौजूद थे।

खत्म नहीं हुई हड़ताल

चर्चाओं के बाद भी कर्मचारियों की हड़ताल खत्म नहीं हुई है। मंगलवार को भी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी-सदस्य तक्षशिला कैंपस के गेट के पास अपनी अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे है। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दीपक सोलंकी का कहना है कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं होती तब तक उनके ये हड़ताल जारी रहेगी। कल जिन मांगों पर सहमति बनी उसका भी कोई लिखित आदेश उन्हें नहीं मिला है। सोलंकी का कहना है कि कर्मचारी संघ द्वारा कुलगुरु के साथ कोई अशोभनीय व्यवहार नहीं किया गया है। चाहे तो इसकी जांच करा ले। उल्लेखनीय है कि कर्मचारी संघ का एक जनप्रतिनिधि मंडल विधायक रमेश मेंदोला से कुछ दिन पहले मिलने गया था। जहां उन्होंने अपनी मांगों को लेकर विधायक को को एक ज्ञापन भी दिया था।

उच्च शिक्षा विभाग की यह कैसी कार्यवाही : प्राचार्य को हेड ऑफिस भेजकर दिया प्रमोशन

मामला गर्ल्स कॉलेज में लैब कर्मचारी द्वारा छात्रा के साथ अश्लील हरकत किए जाने का

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर के गर्ल्स कॉलेज में लैब कर्मचारियों द्वारा एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत किए जाने का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने की घटना के दो दिन बाद 19 मई को प्रभारी अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा ग्वालियर चंबल संभाग द्वारा घटना के लिए जिम्मेदार प्राचार्य को निलंबित और स्थानांतरण ना करते हुए उच्च शिक्षा विभाग ग्वालियर में तैनात कर दिया गया, जिससे शिक्षकों में इस बात की चर्चा है कि विभाग द्वारा उनको पुरस्कृत किया गया है, जबकि उन पर निलंबन या स्थानांतरण की कार्रवाई होनी थी, यही नहीं उनके ही नजदीक व्यक्ति को प्राचार्य नियुक्त कर दिया गया है।

कार्यालय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा ग्वालियर-चम्बल संभाग प्रभारी अतिरिक्त संचालक प्रो. कुमार रत्नम द्वारा 19 मई को जारी डॉ भारती शुक्ला, प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र को प्रभारी प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय जिला मुरैना के पद से कार्यमुक्त करते हुए डॉ ज्ञानसिंह उच्चारिया प्राध्यापक रसायनशास्त्र, शासकीय कन्या महाविद्यालय जिला मुरैना को रिक्त प्राचार्य के पद पर पदभार ग्रहण करने के आदेश जारी किए हैं। सूत्र बताते हैं कि प्राचार्य भारती शुक्ला को उच्च शिक्षा ग्वालियर चंबल संभाग में पदस्थ किया गया है, जिसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

शिक्षाविदों का मानना है कि कॉलेज में जो गंभीर घटना घटित हुई, उसके लिए उच्च शिक्षा विभाग को प्राचार्य श्रीमती शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित करना चाहिए था अथवा स्थानांतरण, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उन्हें ग्वालियर चंबल संभाग के ऑफिस में पदस्थ कर एक तरह से प्रमोशन कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को गर्ल्स कॉलेज में लैब कर्मचारी अमित शर्मा का एक सीसीटीवी फुटेज मिला, जिसमें वह एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। मीडिया के चलते यह मामला सामने आया और हंगामा खड़ा हो गया, जिसके बाद पुलिस पहुंच गई और उसे अपने साथ ले गई। इसके बाद उक्त कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया गया। हालांकि इस मामले में छात्रा द्वारा कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई। यह बात भी गौर करने लायक है कि कुछ सहायक महिला प्राध्यापकों द्वारा कॉलेज के अंदर चल रही अनैतिक गतिविधियों को लेकर कई बार शिकायत भी प्राचार्य को की गई, लेकिन उन्होंने उनकी बात को तवज्जों नहीं दी तथा लैब कर्मचारी को प्रोत्साहन मिलता रहा और उक्त घटनाक्रम सामने आया।

ब्रीफ न्यूज

ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर 25 मई से

मुरैना। आधुनिकता की अंधी दौड़ में आज नैतिकता, आदर्श एवं परम्परा लुप्त होती जा रही है। ऐसी विषम परिस्थितियों में आगम परम्परा एवं लुप्त होते संस्कारों की पुर्नस्थापना की पवित्र भावना के साथ आचार्यश्री विद्यासागर, आचार्यश्री समयसागर, आचार्यश्री आर्जवसागर, मुनिश्री विलोकसागर, मुनिश्री विबोधसागर महाराज के आशीर्वाद एवं निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर महाराज की पावन प्रेरणा से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर द्वारा भारत एवं देश विदेश में जैन परंपरानुसार श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिवरों का आयोजन ग्रीष्मकालीन अवकाश में किया जा रहा है। धर्म नगरी मुरैना में उक्त शिविरों का आयोजन नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर एवं श्री गोपाल दिगंबर जैन संस्कृत विद्यालय में 25 मई से 03 जून तक होगा। नगर में विराजमान मुनिश्री विलोकसागर एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज एवं बाल ब्रह्मचारी संजय भैयाजी के निर्देशन में रविवार 25 मई को प्रातः 07 बजे शिविरों का सामूहिक शुभारंभ होगा एवं मंगलवार 03 जून को सामूहिक समापन होगा। इस अवसर पर स्थानीय विद्वान विद्वत महेन्द्रकुमार शास्त्री, विद्वत संजय शास्त्री सिहोनिया, प्राचार्य चक्रेश शास्त्री, मनोज शास्त्री विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

20 मई को 135 आवेदनकर्ताओं को जनसुनवाई में सुना गया

मुरैना। मंगलवार को जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रट मुरैना में कलेक्टर अंकित अस्थाना को जनसुनवाई के दौरान 135 आवेदन प्राप्त हुये। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को बारी-बारी से सुना और उनकी समस्या का निराकरण करने का आश्वासन संबंधित आवेदनकर्ता को दिया। इस दौरान जनसुनवाई कक्ष में बैठे सभी अधिकारियों को कलेक्टर अंकित अस्थाना ने निर्देश दिये कि प्राप्त होने वाले आवेदनों का अधिकारी तत्परता से निराकरण करें। इस दौरान कई विभागों को ऐसे आवेदन भी प्राप्त हुये, जिनका मौके पर तत्परता से निराकरण किया जाना संभव नहीं था। उन आवेदनों को कलेक्टर ने टीएल मार्क करते हुये संबंधित विभागों को उत्तरा पोर्टल पर भेजने के निर्देश एनआईसी को दिये।

काजी वसई गांव में चोर गैंग ने सीसीटीवी कैमरे तोड़कर किया चोरी का प्रयास, घटना अन्य सीसीटीवी में दर्ज

मुरैना। जिले के माता बसैया थाना अंतर्गत काजी वसई गांव में नकाब लगाकर बाइक पर आए चोर गैंग ने पहला मौका मुआयना किया और उसके बाद कुछ सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए, लेकिन गांव के एक डॉक्टर का सीसीटीवी कैमरा नहीं तोड़ पाए और उसमें उनकी हरकतें दर्ज हो गई। ग्रामीणों को अंदेशा है कि उक्त चोर गैंग ने आसपास के इलाके में बड़ी घटना को अंजाम दिया है, वहीं गांव में भी एक मकान में एसी निकालने का प्रयास किया। इसके बाद चोर गैंग कोतवाल डैम की ओर बाइक से भाग गई। काजी वसई गांव के डॉ शहिद खान के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोर गैंग की तस्वीर यह बयान कर रही है कि किस तरह चोर गैंग पहले रैकी करते हैं।

पागल कुत्ते ने आधा घंटे में 25 से अधिक लोगों को शिकार कर किया घायल, सभी घायल कैलारस, जौरा, मुरैना में भर्ती

साहसी युवक ने जकड़ लिया और ग्रामीणों ने कुत्ते को मौत के घाट उतारा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिले के कैलारस थाना अंतर्गत मंगलवार की सुबह 5 गांव के ग्रामीणों के लिए ऐसी काली सुबह बनकर आई। बलालपुर गांव से निकला एक पागल कुत्ता, जिसके सिर पर मौत मंडरा रही थी और वह एक नहीं पांच गांव के लोगों का शिकार करते हुए आखिरी गांव रीझौनी मैं ग्रामीणों के आक्रोश का शिकार बन गया। इस बीच उसने 25 से अधिक महिला, पुरुष व बच्चों को घायल कर अस्पताल पहुंचा दिया। पागल कुत्ते द्वारा काटे जाने से घायल सभी लोगों को कैलारस, जौरा, मुरैना अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। एक ग्रामीण पंकज तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार की सुबह लगभग 5:30 बजे एक पागल कुत्ता न जाने कहां से आया और उसने सबसे पहले बलालपुर गांव में 3 लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया और वहां से निकलकर साहसवारी का पुरा गांव में पहुंचा। यहां पर उसने लगभग 7 लोगों पर हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद वह बहरा का पुरा गांव पहुंचा, जहां उसने 5 लोगों को घायल कर दिया। इसके बाद ब्रम्हबाजना गांव में पहुंचा और वहां पर बैकुंठी धाकड़ पत्नी श्रिया धाकड़ उम्र 57 पर हमला कर उसे घायल कर दिया यह महिला गोबर डालने जा रही थी। कुत्ते के हमले में घायल लोगों में बैजनाथ शर्मा पुत्र रामदयाल शर्मा उम्र 50 निवासी ब्रम्ह बाजना, मीरा पत्नी रमेश जाटव 55, माया पत्नी श्रीनिवास कुशवाह 35, मनीषा पत्नी सुघर सिंह 28, मीना पत्नी सत्यवीर सिंह कुशवाह उम्र 52 निवासी साहस बारी का पुरा सहित ब्रत्म बजाना के 9 लोग घायल बताए गए हैं, इसमें एक 3 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। कुत्ते द्वारा अंतिम हमला रीजॉनी गांव में एक युवक पर किया गया, जहां उसका कान दांतों में चबा लिया। युवक ने साहस दिखाते हुए कुत्ते के दोनों कान पकड़कर उसे दबोच लिया और तभी उसके परिवार के लोग लाठी डंडा लेकर आ गए। सभी ने कुत्ते पर हमला बोलकर उसे मौत के घाट उतार दिया। पागल कुत्ते द्वारा यह हमला उस समय किया गया जब सभी लोग सोंच के लिए जा रहे थे या फिर अपने नित्य रोज के कार्यक्रम गोबर डालना, सानी करना आदि कार्य कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार पागल कुत्ते ने आधा घंटे के अंदर 25 से अधिक लोगों को अपना शिकार बनाया, जिससे 5 गांवों में हड़कंप मच गया और लोग दहशत में आ गए। कुत्ते को मारने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। बताया जाता है कि सभी घायलों में से कुछ को कैलारस, जौरा एवं मुरैना अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का उपचार चल रहा है।

अर्जित अवकाश की राशि निकालने पर खुलेआम मांगी जा रही रिश्वत, कलेक्टर नहीं कर रहे कार्यवाही

विष्णु दत्त शर्मा के बाद रिटायर रामसेवक का मामला आया सामने, एक लाख रुपए प्राचार्य और बाबू ने मांगे

सत्ता सुधार ■ मुरैना

रिटायर शिक्षकों का अर्जित अवकाश निकालने के नाम पर लगातार रिश्वत मांगे जाने के प्रकरण सामने आ रहे हैं और इसकी शिकायत पीड़ितों द्वारा लगातार कलेक्टर के यहां जनसुनवाई में की जा रही है, बावजूद इसके जिला कलेक्टर द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया गया है। कार्रवाई न होने के कारण प्राचार्य एवं बाबू का हौसला बढ़ता जा रहा है और वह खुलेआम रिश्वत मांग रहे हैं। मंगलवार को जनसुनवाई में रिटायर शिक्षक रामसेवक शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई तो वहीं वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के उपप्रांत अध्यक्ष ने भी इस मामले को लेकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई है। अभी इससे पूर्व रिटायर शिक्षक विष्णु दत्त शर्मा का मामला सामने आया था।

मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे रामसेवक शर्मा रिटायर्ड शासकीय शिक्षक ई. पी. एस. माध्यमिक विद्यालय विचौली का पुरा ने बताया कि 31 दिसंबर 2022 को सेवानिवृत होकर अपने स्वत्वों के निराकरण हेतु में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र 02 संकुल केन्द्र गया और मैंने लिपिक प्रमोद श्रीवास्ताव से अर्जित अवकाश के संबध में निवेदन किया तो लिपिक ने अर्जित अवकाश निकाले जाने हेतु 25 प्रतिशत एक लाख रूपये की माँग करते हुए कहा कि इसमें से मुझे प्राचार्य को भी देना पडता है। फिर में प्राचार्य के पास गया, उन्होने कहा धनराशि निकलवाने के लिये आग्रह से काम नहीं चलेगा। उन्होने मुझे प्रमोद बाबू से मिलने को कहा, मैंने उनसे कहा कि प्रमोद तो उनसे 1 लाख रूपये पहले ही लेने की कह रहे है। प्राचार्य ने कहा ठीक तो कह रहा है, क्योकि हमें ऊपर भी देना पडता है। उस पर मैंने पैसे देने में असमर्थता बताई। इस कारण मेरा अर्थ अवकाश आज तक नही निकाला गया, जबकि डी.ओ. एवं बी. ओ. द्वारा पत्राचार्य से आदेशदित किया गया है।

विकलांग जनों ने 6 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम को सौंपा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

मंगलवार को विकलांग बल के निर्देशन में विकलांग बल मध्यप्रदेश के जिला मुख्यालय मुरैना पर विकलांग बल के उपप्रधान हेमंत सिंह कुशवाह के नेतृत्व में विकलांग जनों की 6 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन एडीएम एस बी सिंह मुरैना को सौंपा गया। ज्ञापन में प्रमुख मांग पेंशन में वृद्धि 600 रूपये से बढ़ाकर 5000 रूपये, विकलांग व विधवा महिलाओं को आवास योजना का लाभ दिए जाने, विकलांग जनों को योग्यतानुसार नौकरी व रोजगार करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने, विकलांग जनों को रोजगार के लिए मंडी व सामुदायिक कार्यालयों में दुकान उपलब्ध करवाने, विकलांग अधिनियम 2016 के तहत विकलांग जनों के लिए जो नियम बनाए गए हैं। उसको धरातल पर लागू करवाने तथा विकलांग जनों व विधवा महिलाओं को राशन में वृद्धि कर वर्तमान में 5 किलो के स्थान पर प्रति व्यक्ति को 35 किलो अनाज उपलब्ध करवाने आदि बिन्दु शामिल हैं। विकलांग बल मुरैना के जिलाध्यक्ष विक्रम सिंह एडवोकेट ने कहा कि अपनी उक्त मांगों को लेकर मध्यप्रदेश के समस्त विकलांग अपनी मांगों को लेकर कई वर्षों से प्रयास करने के बाद भी यह मांगे आज दिनांक तक पूरी नहीं हुई है इसलिए हम सब चाहते हैं कि उक्त मांग जल्द से जल्द पूरी कराने में सहयोग करें।

हांसई गांव में सीमांकन करने गए राजस्व अधिकारी, पटवारी एवं ग्रामीण पर लाठी डंडों से हमला, बंदूक भी लहराई

हमले में तीन लोग घायल, राजस्व अधिकारी, पटवारी जान बचाकर भागे, पुलिस ने किया मामला दर्ज

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिविल लाइन थाना क्षेत्र के श्रीचंद का पुरा ग्राम हांसई में मंगलवार की दोपहर खेत का सीमांकन करने एक पक्ष के साथ पहुंचे राजस्व अधिकारी पटवारी पर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। इस दौरान राज्य अधिकारी पटवारी अपनी जान बचाकर वहां से किसी तरह भाग लिए, लेकिन आरोपियों ने एक पक्ष के तीन लोगों को घायल कर दिया और लाइसेंसी बंदूक से जान से मारने की धमकी दी। पुलिस द्वारा 8 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि फरियादी भरत कुशवाह पुत्र देवीराम कुशवाह उम्र 35 साल निवासी श्रीचंद का पुरा हांसई थाना सिविल लाइन मंगलवार को राजस्व अधिकारी एवं पटवारी को बुलाकर दोपहर 12 बजे अपने 327, 324 नम्बर वाले खेत पर सीमांकन करा रहे थे, तभी जाहर सिह का पुरा हांसई के साहब सिह गुर्जर, पंजाब सिह गुर्जर, सूबेदार सिह गुर्जर व संदीप गुर्जर लाठियां लेकर आये और बोले कि यहां सीमांकन नही होगा। हम लोगो ने कहा कि हम अपने खेत का सीमांकन करा रहे है, इसी बात को लेकर चारों लोग मां बहिन की गंदी-गंदी गालियां देने लगे। लोगो ने गालियां देने से मना किया तो संदीप गुर्जर ने फरियादी को लाठी मारी जो बाये पैर के घुटने के पास लगी, चोट होकर खून निकल आया, सूबेदार ने लाठी मारी जो फरियादी के दाहिने पैर की पिड़ली के पास लगी। पंजाब व साहब सिह गुर्जर ने लाठियों से सूरज कुशवाह की मारपीट की, जिससे सूरज के दोनो पैरो में मूंदी चोटे आई, फिर वहा दिलीप गुर्जर, दीपू गुर्जर लाठियां लेकर आये व रामनिवास गुर्जर अपनी 315 बोर की लाइसेंसी बंदूक, जगदीश 12 बोर की दोनाली बंदूक लेकर आये और चारो गालियां देकर बोले तुम लोग यहां सीमांकन कैसे करा रहे हो और दिलीप व दीपू गुर्जर ने मेरे भाई लक्ष्मण की लाठियो से मारपीट की, जिससे लक्ष्मण के बाये हाथ की कलाई व पीठ में चोटे आई तथा रामनिवास गुर्जर व जगदीश गुर्जर ने अपनी लाइसेंसी बंदूको से हवाई फायर किये, जिससे जीवन संकट में पड़ गया। पुलिस ने भारत कुशवाह की रिपोर्ट पर से 8 आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

धरना एसडीएम ने आकर बताया शक्कर कारखाने की ...

नीलामी हमेशा के लिए रद्द, उपवास कार्यक्रम कराया स्थगित

सत्ता सुधार ■ कैलारस

शक्कर कारखाना चलाओ संघर्ष समिति द्वारा लगातार चलाये जा रहे आंदोलन के क्रम में सामूहिक उपवास धरना आन्दोलन की आज बहुत बड़ी जीत हुई है। किसानों द्वारा शक्कर कारखाने की जमीन को नीलामी से बचाने व शक्कर कारखाना चालू करने के लिए लगातार आंदोलन किया जा रहा था। किसानों के आंदोलन के चलते सरकार को झुकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। 20 मई को शक्कर कारखाना प्रांगण में किये जा रहे सामूहिक उपवास कार्यक्रम में बतौर शासन के प्रतिनिधि एसडीएम सबलगढ़ ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर किसानों के बीच सरकार की ओर से बात रखते हुये कहा कि सरकार ने जमीन की नीलामी की प्रक्रिया हमेशा के लिये रद्द कर दी है। भविष्य में कभी भी कारखाने से जुड़ी किसी भी सम्पत्ति को विक्रय नहीं किया जायेगा। सरकार कारखाने की देनदारियों को कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर आर्थिक पूर्ति करेगी। एसडीएम द्वारा धरना स्थल पर बैठे किसानों को जूस पिलाकर उपवास समाप्त कराया।

किसान नेताओं ने इसे क्षेत्र की जनता के जन आंदोलन की जीत बताते हुये सभी किसानों को संघर्ष में शामिल होने के लिये आभार व्यक्त किया है। साथ ही कहा कि भविष्य में भी किसानों की लड़ाई को पूरी मजबूती के साथ लड़ा जायेगा। संघर्ष समिति ने कारखाना चलाने के लिये अगले चरण में आंदोलन की रूपरेखा बनाने व चर्चा के लिये 15 जून को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उपवास आंदोलन में जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक तिवारी, किसान सभा के गयाराम सिंह धाकड, काग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव बृजमोहन मरैया, एसएफआई के प्रदेश अध्यक्ष राजवीर धाकड, किसान नेता ओमप्रकाश श्रीवास, सुरेश उपाध्याय, संदीप मरैया, पार्षद डॉ शम्मा कुरैशी, मोहित शुक्ला, डॉ मुरारी लाल अमर, हरीराम धाकड, नीकेराम त्यागी, रतीराम धाकड सरपंच बीरम्पुर, संतोष सोलंकी, सतेन्द्र सोलंकी, रफीक शेख, नीरज जाटव, मुकेश शुक्ला, किसान नेता जगन्नाथ सिंह धाकड, भौरू सिंह, सरवन लाल धाकड, जिला काग्रेस प्रवक्ता हरीश पाठक, ओम प्रकाश शर्मा पूर्व सरपंच, सराफ्त अली, राजकुमार सिंह गुर्जा सहित सैकड़ो की संख्या में किसान शामिल हुये।

रोटरी मेडीकल मिशन राहत में विवेक तन्खा ने दिये 22 लाख के चैक

सत्ता सुधार ■ मुरैना

रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 के सफल आयोजन में राज कृष्ण तन्खा फाउण्डेशन के संस्थापक, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अभिभाषक, राज्य सभा सदस्य विवेक तन्खा ने 22 लाख रूपये के चेक आयोजन समिति में चिकित्सकों के लिये एवं पैरा मेडीकल स्टाफके लिये उपयोग किये गये होटल इत्यादि का भुगतान अपने ट्रस्ट में से किया। मुरैना एडीएम सी.बी.प्रसाद ने सभी होटल संचालक एवं होटल के स्टाफ को उपरोक्त चेक प्रदान किये। कलेक्टर कार्यालय के सभागार में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता राजीव शर्मा, रोटरी मेडीकल मिशन के अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन, सचिव प्रदीप पारासर, रोटरी क्लब ग्वालियर के आगामी अध्यक्ष उदित चतुर्वेदी, रोहित जैन, सचिन राजपूत, पंकज जैन सहित अनेक व्यापारियों ने उपस्थित होकर राज कुष्ण तन्खा फाउण्डेशन की ओर से उपरोक्त राशि भेंट की। उल्लेखनीय है कि राज कृष्ण तन्खा फाउण्डेशन ने रोटरी मेडीकल मिशन राहत-2 में अपने फाउण्डेशन की ओर से 37 लाख रूपये प्रदान किये, जबकि 8 जनवरी 2005 की पहली मीटिग में राज्य सभा सदस्य विवेक तन्खा ने मेडीकल केम्प के लिये 25 लाख रूपये देने की धोषणा की थी और उन्होने 37 लाख रूपये इस आयोजन में अपनी ओर से व्यय किये।

ब्रीफ न्यूज़

खंडवा के पहलवानों ने 6 गोल्ड 8 सिल्वर 4 ब्रांच मेडल प्राप्त कर चैंपियनशिप हासिल की

खंडवा। अंडर 15 एवं अंडर 17 राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता ग्राम कनाड जिला इंदौर में 16 मई से 19 मई तक आयोजित की गई जिसमें खंडवा जिले के पहलवानों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 6 गोल्ड मेडल 8 सिल्वर मेडल और 4 ब्रांस मेडल प्राप्त कर चेम्पीयनशिप हासिल कि। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनीलजैन में बताया कि अंडर 15 में 38 द्मद् अमित पटेल 41 द्मद् भावेश तवर 66 द्मद् जयश्री वर्मा अंडर 17 में 45 द्मद् समर्थ पटेल 45 द्मद् ग्रिको रोमन यश पटेल 92 द्मद् पार्थ यादव प्रथम रहे यह आगामी 25 से 27 तक नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेंगे इस उपलब्धि पर उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश कुश्ती संघ मंगल यादव, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, महापौर अमृता अमर यादव, विधायक कंचन तनवे, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय, गुरु हीरालाल यादव, सचिव जिला कुश्ती संघ राजेंद्र पांजरे,आदि ने बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी।

जनसुनवाई में दर्ज आवेदन, वार्डो में डालें पाइप

हरदा। खिड़किया नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 07 एवं 08 के वार्डवासियों द्वारा जनसुनवाई में दर्ज आवेदन दिया गया है । किशोर कुमार राठौड़ ने बताया कि विगत कई वर्षो से पीने के पानी को लेकर समस्याएं आ रही है और हमारे वार्डो के घरो में पानी पहुंचाने हेतु पाइप लाइन कि व्यवस्था नही है। जिसके फलस्वरूप वार्डवासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गलियों में पक्की सड़क का निर्माण भी नही हो पाया है। जिससे वषार्काल में नालियों से निकलने वाले पानी से गंदगी बनी रहती है। इसके कारण स्वास्थ्य सम्बंधित परेशानिया बनी रहती है। पूर्व में सीएम. हेल्पलाइन पर शिकायत भी दर्ज की जा चुकी है लेकिन आज तक शिकायत का आज तक निराकरण नहीं किया गया है। जनसुनवाई मे 15 लोगों ने हस्ताक्षर किए, जिसमें से 7 हस्ताक्षर अंग्रेजी और 7 हिन्दी में दर्शाए गए थे।

भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए लगायें जल पात्र : गंगराड़े

हरदा। सभी लोग पशुओं के लिए लगाएं जल पात्र, जिला कलेक्टर के निर्देशन में जन अभियान परिषद की चयनित संस्था युवा उपभोक्ता कल्याण समिति द्वारा जल संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत पशुओं को पीने के लिए पानी के लिए, व्यवस्था की गई। इतनी भीषण गर्मी में पशु-पक्षी पानी के लिए परेशान हैं। सारे नदी तालाब सूख चुके हैं, पशु-पक्षियों पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। हम इंसान बोल सकते हैं, अपने लिए पीने के पानी की व्यवस्था कर सकते हैं, लेकिन जल संकट में यह बेचारे जानवर बोल नहीं सकते, हमारे एक छोटे से प्रयास से जिन घरों में पर्याप्त पानी की व्यवस्था है, वह अपने घरों के बाहर पानी की होद, जल पात्र पशु पक्षियों के लिए लगा सकते हैं ।

'बॉस का फोन आया...' और रुक गई कार्रवाई!

वन विभाग ने पकड़ी अवैध फर्नीचर फैक्ट्री, लेकिन रसूख के आगे ढीली पड़ गई प्रशासनिक पकड़

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जिले के हरसूद विधानसभा क्षेत्र के झुम्मरखली गांव में सोमवार सुबह वन विभाग की फ्लाइंग स्क्वॉड टीम ने एक अवैध फर्नीचर फैक्ट्री पर छापा मारा, लेकिन कार्रवाई अधूरी छोड़नी पड़ी। वजह - 'बॉस का फोन'। यह शब्द कार्रवाई के दौरान एक अधिकारी की जुबान पर आया और उसी के साथ रुक गया विभागीय पहिया।

जानकारी के अनुसार, खंडवा-नर्मदापुरम हाईवे किनारे स्थित 'श्री संवरिया सेठ फर्नीचर' नामक दुकान में बड़े पैमाने पर अवैध रूप से सागौन कीमती लकड़ी की चिराई और फर्नीचर निर्माण किया जा रहा था। दुकान के संचालक रमाशंकर विश्वकर्मा द्वारा वर्षो से बिना लाइसेंस के कारोबार चलाया जा रहा था। शिकायतें मिलने के बाद फ्लाइंग स्क्वॉड ने सुबह छापा मारा।

कार्रवाई के दौरान टीम को बड़ी मात्रा में सागौन की लकड़ी और भारी मशीनें मिलीं। लेकिन इसी बीच एक अधिकारी को किसी बॉस का फोन आया, और उसने तुरंत दूसरे वरिष्ठ अधिकारी को फोन पकड़ाते हुए कहा – साहब बात करिए, बॉस का कॉल है। इसके बाद जिस तेजी से कार्रवाई शुरू हुई थी, उतनी ही तेजी से थम भी गई।

स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 'बॉस' शब्द दरअसल क्षेत्रीय विधायक और जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के लिए प्रयुक्त होता है, जिन्हें क्षेत्र में बॉस के नाम से ही जाना जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि मंत्री के रसूख के कारण कार्रवाई को बीच में ही रोक दिया गया।

कार्रवाई के बाद शाम 6 बजे तक न तो ज़ब्त सामग्री की कोई आधिकारिक जप्ती रिपोर्ट (POR) जारी की गई, और न ही संचालक के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई की गई। जब इस बाबत DFO राकेश डामोर से संपर्क किया गया तो उन्होंने पहले स्वयं को भोपाल में होना बताया और फिर कार्रवाई से अनभिज्ञता जताई।

सिंगाजी रेंजर रमेश गेहलोत का मोबाइल लंबे समय तक बंद रहा, लेकिन DFO से बात होने के बाद उनका कॉल आया और उन्होंने सफाई दी कि कार्रवाई जारी है और लकड़ी की माप तौल की जा रही है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकारा कि अवैध फर्नीचर संचालक रमाशंकर ने उन्हें अस्पताल से कॉल कर जानकारी मांगी थी।

गौरतलब है कि जिस दुकान में अवैध गतिविधियां चल रही थीं, वहां मुख्य दरवाजे के बजाय पीछे की दीवार में छेद बनाकर लकड़ी की आवाजाही होती थी, जिससे बाहरी व्यक्ति को दुकान बंद प्रतीत हो।

इस पूरी कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं

क्या वन विभाग अब भी मंत्री विजय शाह को वन मंत्री मानकर उनके इशारे पर काम कर रहा है, जबकि वे इस विभाग में नहीं हैं? क्या प्रशासनिक तंत्र राजनीतिक दबाव में निष्प्रभावी हो चुका है? कार्रवाई की अधूरी तस्वीरें, ग्रामीणों की नाराज़गी और विभागीय अधिकारियों की चुप्पी अब खुद सवाल बन गई है — कौन है बॉस और क्या यह फोन वाकई कानून से बड़ा हो गया है?

शपथ पत्र बनवाने में खुलेआम लूट खसोट जारी रसीद नहीं देकर नियमों का कर रहे उल्लंघन

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में शपथ पत्र बनवाने को लेकर खुलेआम लूट खसोट किया जा रहा है। शपथ पत्र के लिए 50 रूपये का स्टाम और 50 लिखने को 150 रूपये नोटरी वाले ले लेते हैं। इस प्रकार 250 से 500 रूपये तक शपथ पत्र के नाम लिये जा रहे हैं। दूर दराज गांव देहात से आने वाले कम पढ़े-लिखे गरीब, हरिजन, आदिवासी लोगों के साथ हरदा, खिड़किया, टिमरनी, सिराली सहित हर जगह शपथ पत्र बनवाने के नाम पर नहीं दी जाती है। रसीद मांगने पर नहीं दी जाती है और रसीद मांगने पर स्टाम्प विक्रेता बुरा भला कहकर भगा दिया जाता है।

स्टाम्प विक्रेता की मनमानी

स्टाम्प विक्रेता की मनमानी पर कब अंकुश लगेगा यह यक्ष प्रश्न बन गया है। 50 रूपये का स्टांप कोई-कोई 100 रूपये में देता है। रसीद नहीं देने के कारण अवैध वसूली का खुलासा नहीं हो पा रहा है। शपथ बनवाने वालों का पता लगाकर उनसे पूछताछ की जाये तो अवैध वसूली का खुलासा हो सकता है।

लूट खसोट रोकने की जरूरत : शपथ पत्र, स्टांप, नोटरी के नाम पर वर्षो से जारी लूट खसोट को रोकने की जरूरत है। इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि इस मुद्दे को कई दफे उठाया गया, जिसे देख सुनकर अनसुना कर दिया जाता है। स्टाम्प विक्रेता, स्टाम्प बेचने के साथ-साथ लिखने का नाम भी करते हैं। नोटरी वाले भी रसीद दिये बिना मनमानी तरीके से वसूली करते हैं। न तो रेट तय है और न ही लिस्ट चस्ता है। इसका फायदा उठाकर वसूली कर रहे हैं।

क्या कहते जवाबदार -

शपथ पत्र, स्टाम्प और नोटरी वालों को बुलाकर रेट लिस्ट तय कर उसे चस्पा करवाया जायेगा और मनमानी वसूली करने वालों के खिलाफ जांच-पड़ताल कराकर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

सिद्धार्थ जैन, जिला कलेक्टर, हरदा

सस्ता सुलभ न्याय दिवा स्वप्न बना : दुबे

सस्ता, सुलभ न्याय दिवा स्वप्न बनकर रह गया है। टिमरनी के पार्षद सुनील दुबे का कहना है कि न्याय की लड़ाई लड़ना इतना महंगा हो गया है कि गरीबों, न्याय की लड़ाई करने में अपने आपको अक्षम पा रहे हैं। ईश्वर के भरोसे छोड़कर न्याय की लड़ाई ही नहीं लड़ रहे हैं। दूर दराज से किराया भाड़ा खर्च कर दिन भर की मजदूरी का नुकसान कर आते हैं। शपथ पत्र आदि देने में 800 से 1000 रूपये खर्च हो जाते हैं और पेशी पर पेशी होने से गरीबों का न्याय पर से भरोसा उठ रहा है।

रसीद नहीं दी जाती - गंगराडे

चारूवा के संजय गंगराडे ने बताया कि स्टाम्प और नोटरी वालों को ली गई राशि की रसीद देनी चाहिए, रसीद न देकर जहां एक और को नियम का उल्लंघन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीबों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। लंबे समय से शपथ पत्र के नाम पर लूट खसोट किया जा रहा है। तहसीलदार, एसडीएम आदि के नाम के नीचे अवैध वसूली हो रही है। जिसे कोई देखने और सुनने वाला नहीं है।

रेट लिस्ट चस्पा नहीं - उस्मानी

अधि साजिद उस्मानी ने बताया कि शपथ पत्र बनवाने के लिए स्टाम्प, लिखने और नोटरी का रेट तय नहीं है। जिससे जितना बन गया उतना रेट लिया जाता है। 50 रूपये का स्टाम्प लिखने के लिए नाम पता लिखना होता है और मेटर सब लिखा लिखाया रहता है । 10-20 रूपये के बजाय 50 रूपये का लिया जाता है। इसी तरह नोटरी वाले 30 रूपये के रसीद टिकट और सील लगाकर साइन करके 150 से 250 रूपये तक के लिये जाते हैं। हरदा, खिड़किया, टिमरनी और सिराली कोर्ट परिसर में देखें जमा हो रहा है। लंबे समय से लूट खसोट किया जा रहा है। आवाज उठाई जाती है। करीब तबके के लोगों की समस्या के कारण ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इस बार जिले में सर्वाधिक वैकेंसी प्राप्त हुई हैं लगभग 3500 वैकेंसी है इसकी जानकारी इच्छुक आवेदकों तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक : कलेक्टर

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। इस बार जिले में सर्वाधिक वैकेंसी प्राप्त हुई हैं, लगभग 3500 वैकेंसी है। इच्छुक आवेदक तक इसकी जानकारी पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। आगामी ÷युवा संगम÷ रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला 27 एवं 28 मई को आयोजित किया जा रहा है इसके सफल आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये। बैठक में कलेक्टर श्री कोचर ने उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, आई.टी.आई एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित संस्थाओं के प्राचार्यो को लक्ष्य निर्धारित करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित करने निर्देशित किया । उन्होंने निर्देशित किया कार्यक्रम स्थल (पॉलिटेक्निक कॉलेज) पर पूर्व-पंजीयन एवं स्थल पर पंजीयन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की जाए। प्रवेश स्थल पर कंपनियों की सम्पूर्ण जानकारी हो एवं योग्यता अनुसार पंजीयन हेतु पृथक से व्यवस्था की जाए, अभ्यर्थियों को बैठने की व्यवस्था हो एवं प्रवेश स्थल पर ही हेल्प डेस्क की व्यवस्था की जाये । पार्किंग हेतु व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए पुलिस प्रशासन के माध्यम से व्यवस्था नियंत्रित की जाए। बेठक में जिला रोजगार अधिकारी को रोजगार कार्यालय में पंजीकृत सभी आवेदकों को स्स्र्-एवं कॉलिंग के माध्यम से सूचित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को ग्रामीण स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

पशुपालन राज्य मंत्री ने निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

हटा उपजेल में सुधारगृह जैसा माहौल : पटेल

सत्ता सुधार ■ दमोह

प्रदेश के पशुपालन राज्य मंत्री लखन पटेल ने आज विधायक उमादेवी खटीक के साथ हटा उपजेल में ओएनजीसी के सौजन्य से सीएसआर मद से मुलाकात शेड निर्माण, शुद्ध शीतल पेयजल व्यवस्था, मंदिर जीर्णोद्धार एवं दीवालो का सौंदर्यकरण कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जेल महानिदेशक जी पी सिंह खास तौर पर मौजूद थे। उन्होंने उपजेल परिसर का जायजा भी लिया। इसके पूर्व जेल गॉर्ड ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली ।

इस अवसर पर पशुपालन राज्य मंत्री लखन पटेल ने निर्माण कार्य की सराहना की। इस मुलाकात कक्ष को सर्व सुविधायुक्त बनाते हुए हुए सीसीटीव्ही कैमरे से कवर किया गया है। राज्य मंत्री श्री पटेल ने जेल के बाहर काउंटर के पास टीन शेड एवं परिसर के समतलीकरण के साथ सौंदर्यकरण कराने की बात कही। उन्होने जेल परिसर की साफ सफाई एवं पेंटिंग कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पूरा जेल परिसर सुधार गृह परिलक्षित हो रहा है। महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा कि सामुदायिक सेवा योजना से ओएनजीसी द्वारा निर्मित मुलाकात कक्ष बंदियों के परिवारजनों की सुविधा के लिए बहु उपयोगी है। गायत्री परिवार के डॉ सीएल नेमा एवं पंडित रामकिशोर दुबे ने पूजन सम्पन्न कराया। सहायक जेल अधीक्षक नागेंद चौधरी ने सभी का स्वागत किया।

इस दौरान भाव सिंह लोधी (मासाब), जनपद सदस्य कनई पटेल, राधिका पटेल, गोविंद पटेल, एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीओपी रघु केशरी, सागर जेल अधीक्षक मानेंद्र सिंह परिहार, एसडीएम हटा राकेश सिंह मरकाम, तहसीलदार प्रवीण त्रिपाठी सहित सम्मानीय मीडियाजन, गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

खंडवा के बड़ा कब्रिस्तान में तीन महिलाओं की कब्रें खोदी गईं

कफन अस्त-व्यस्त, तांत्रिक क्रिया या शरारती तत्वों की घिनौनी करतूत?

सत्ता सुधार ■ खंडवा

शहर के बड़ा कब्रिस्तान से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। हाल ही में शुक्रवार को दफनाई गई तीन बुजुर्ग महिलाओं की कब्रों के साथ छेड़छाड़ किए जाने का सनसनीखेज़ खुलासा हुआ है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि कब्रों को पैरों की ओर से खोदकर खोला गया और कफन तक अस्त-व्यस्त कर दिया गया। इस घटना ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी है। पुलिस प्रशासन, कब्रिस्तान समिति और मुस्लिम समाज के वरिष्ठजन तत्काल मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कब्रों की चटाई हटी, फर्शी खिसकाई, शवों के कफन अस्त-व्यस्त : कब्रिस्तान पहुंचने पर देखा गया कि तीनों कब्रों की चटाइयां हटी हुई थीं और फर्शी पैरों की ओर से सरकी हुई थी। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि कफन भी अस्त-व्यस्त हालत में था, जिससे शवों के साथ छेड़छाड़ की आशंका और गहरी हो गई है। यह सभी महिलाएं लगभग 50 वर्ष की उम्र की थीं और शुक्रवार को ही दफनाई गई थीं।

कब्रिस्तान में आमजन की आवाजाही नहीं, फिर कैसे मिली जानकारी? : कब्रिस्तान कमेटी के अनुसार यहां सामान्यतः आम लोगों की आवाजाही नहीं होती। किसी कब्र के बारे में जानकारी केवल कब्र खोदने वाले या मृतक के परिजनों को ही होती है। ऐसे में कब्रों को खोलना पूर्वनियोजित योजना का हिस्सा भी हो सकता है। वहीं, समाज में इसे धार्मिक भावनाओं पर चोट के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस की सख्त जांच - जल्द हो सकता है खुलासा : पुलिस ने कब्रिस्तान के चौकीदार से पूछताछ, ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज खंगालना, और फॉरेंसिक एंगल से भी जांच शुरू कर दी है। परिजनों की सहमति के आधार पर शवों की स्थिति की पुष्टि के लिए विशेषज्ञ टीम बुलाई जा सकती है।

मामले क़ो लेकर किसने क्या कहा...

हमें जैसे ही जानकारी मिली, हम तुरंत कब्रिस्तान पहुंचे। देखा कि तीन कब्रें खुली हुई थीं, चटाइयां भी हटाई गई थीं। यह तांत्रिक क्रिया भी हो सकती है या किसी मानसिक रूप से विकृत व्यक्ति की शरारत भी। यह बहुत ही गंभीर मामला है और समाज की भावना को आहत करने वाला है।

– जाहिद अहमद, कोषाध्यक्ष, कब्रिस्तान कमेटी

सुबह जब मैं आया तो देखा कि तीन कब्रें पहले से ही खुली थीं। पैरों की तरफ की फर्शी हटी हुई थी। कफन भी अस्त-व्यस्त था। ये तीनों कब्रें शुक्रवार को ही खुदी थीं, इसलिए शक होता है कि किसी तांत्रिक क्रिया के लिए ऐसा किया गया हो सकता है। 20 साल से मैं ये काम कर रहा हूं, पहली बार ऐसी हरकत देखी है।

– अब्दुल रहमान, कब्र खोदने वाला कर्मचारी

हमारी अम्मी को शुक्रवार को सुपुर्द-ए-खाक किया था। आज सुबह फोन आया कि कब्र के साथ छेड़छाड़ हुई है। पहुंचे तो देखा कि कब्र खुली हुई है और कफन भी अस्त-व्यस्त है। ये क्या इंसानियत है? हमें न्याय चाहिए, ये हमारी धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ है।

– मोहम्मद हनीफ, परिजन मृतक के

पुलिस को जानकारी मिली थी कि कुछ कब्रों के साथ छेड़छाड़ हुई है। तुरंत टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया गया। परिजनों से संपर्क किया गया है, और उनकी सहमति से आगे की कार्रवाई की जाएगी। ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। यदि कोई दोषी पाया जाता है, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

– अभिनव बारंगे, सीएसपी खंडवा

व्याख्यान शंकराचार्य भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के पुनर्जागरण के प्रतीक थे

आदिगुरु शंकराचार्य जी जयंती पर पथरिया में हुआ व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

सत्ता सुधार ■ दमोह

आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती के उपलक्ष में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महाविद्यालय सभागार पथरिया में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा आयोजित किया गया जिसमें शंकराचार्य जी के जीवन दर्शन, अद्वैत वेदांत और उनके आदर्श जीवन आध्यात्मिक योगदान पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ शंकराचार्य जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरलाल चौरसिया, रमाकांत पौराणिक, सुशील कुमार नामदेव, उमाशंकर उपाध्याय, कृष्णा पटेल रहे ।

इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत एमसीएमसीडीपी के विद्यार्थी सोनम राजपूत, ज्योति नेमा, मीना अहिरवार, अंकित पटेल द्वारा चित्र बनाकर जल संरक्षण का संदेश दिया गया । मुख्य वक्ता पंडित रमाकांत पौराणिक ने अपने उद्बोधन में आदि गुरु शंकराचार्य जी के जीवन और कार्यो पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि शंकराचार्य जी का जन्म केवल एक संत या दार्शनिक के रूप में नहीं हुआ था, बल्कि वे भारतीय संस्कृति और आध्यात्म के पुनर्जागरण के प्रतीक थे।उन्होंने कहा कि शंकराचार्य जी ने मात्र 32 वर्ष के जीवनकाल में भारतवर्ष को एक अद्वितीय आध्यात्मिक एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया। उनके द्वारा चार धामों में स्थापित मठ आज भी ज्ञान, साधना और भारतीय दर्शन के प्रमुख केंद्र हैं।÷अहम ब्रह्मास्मि÷ के विचार को प्रतिपादित करते हुए उन्होंने बताया कि शंकराचार्य जी का अद्वैत वेदांत दर्शन आत्मा और परमात्मा की एकता का संदेश देता है, जो समत्व और विश्व बंधुत्व की भावना को जन्म देता है। जिला समन्वयक सुशील नामदेव ने कहा कि वर्तमान समय में अद्वैत वेदांत को पढ़ने की आवश्यकता है यदि हम उसका अध्ययन करते हैं तो सभी प्रकार के भेद खत्म हो जाएंगे शंकराचार्य जी का जीवन दर्शन हम सभी को प्रेरणा देने का काम करता है आज उनके कार्यो का अनुसरण करना आवश्यक है । ब्लाक समन्वयक उमाशंकर उपाध्याय ने आदि गुरु शंकराचार्य के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान की बात रखी ओर सभी से कहा कि अपने अपने क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गतिविधियां आयोजित करे। जिले के यूथ अचीवर्स एवं नवांकुर संस्था अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपके मध्य इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता इसलिए है कि आप शंकराचार्य जी के विचारों को आत्मसात कर समाज सुधार के कार्य में अग्रणी भूमिका निभा सके।

इस दौरान विशेष रूप से गायत्री परिवार के वरिष्ठ हरलाल चौरसिया, शासकीय सी एम राईज स्कूल शिक्षक रमाशंकर पौराणिक , परामर्शदाता दिलीप पटैल, शैलेंद्र पाराशर, यज्ञनारायण पांडे, रोहित जैन,दर्शिका तिवारी के साथ सामाजिक संस्थाओं के लोगों के साथ मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थी उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता दिलीप कुमार पटेल ने किया एवं आभार विकासखंड समन्वयक उमाशंकर उपाध्याय ने व्यक्त किया ।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत प्रांतिय त्रैमासिक बैठक

हरदा। ठेंगड़ी भवन भोपाल में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत मध्य भारत प्रांत की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया ।जिसने मध्य भारत प्रांत के 16 जिलों से ग्राहक पंचायत सदस्यों की उपस्थिती रही। इसी अवसर पर, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक पांडे की उपस्थिति में मध्य भारत प्रांत की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

जौहरी कमल सोनी सहीत प्रमुखों को दिया दायित्व: इस बैठक में जिला ग्राहक पंचायत हरदा से जौहरी कमल सोनी, मदनलाल सोनी,लक्ष्मीनारायण गौर टिमरनी, झब्बूलाल लोधी धाना की उपस्थिति रही। ग्राहक पंचायत जिला प्रभारी एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप विदिशा को प्रांत प्रचार प्रमुख का दायित्व दिया गया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री अलंकार वशिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुश्री दीप लक्ष्मी के मार्गदर्शन में मध्य प्रांत की त्रैमासिक बैठक संपन्न हुई। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत मध्य भारत प्रांत की नवीन कार्यकारिणी घोषित की गई। प्रांत संगठन मंत्री लोकेंद्र मिश्रा, प्रांताध्यक्ष डॉ विजय गंभीर,प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष विवेक भटनागर, प्रांत उपाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, प्रान्त उपाध्यक्ष देवीसिंह राठौर बनाये गये।

प्रांतिय कार्यकारिणी सदस्य मनोनित : प्रांत सचिव राजेश दागी, प्रान्त सह सचिव देवेंद्र भार्गव, प्रान्त सहसचिव श्रीमती वंदना दीदी, प्रांत महिला प्रमुख श्रीमती प्रियंका राजावत,प्रान्त महिला सहप्रमुख श्रीमती नीलम गुप्ता, प्रांत कार्यालय प्रमुख दीपक श्रीवास्तव,विधि प्रमुख एड हरीश बारी,पर्यावरण प्रमुख आशीष तिवारी, रोजगार सृजन प्रमुख अर्जुन कुशवाह,रोजगार सृजन सह प्रमुख लखन सिंह टंडन, प्रांत प्रचार प्रमुख प्रदीप जैन, प्रांत सहप्रमुख सुनील धनगर, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य भोपाल आदि सभी समाज का जागरण एवं जनकल्याण के कार्य करते रहें ।

सुहाग नगरी की नई पहचान बनेगी फूड इंडस्ट्री

प्रोसेसिंग प्लांट लगाने पर सरकार दे रही सब्सिडी, युवाओं को मिलेगा रोजगार

फिरोजाबाद। यूपी का फिरोजाबाद जनपद अब चूड़ियों के शहर के साथ-साथ फूड हब के नाम से भी जाना जायेगा. यहां सरकार फूड प्लांट लगाने के लिए अनुदान भी दे रही है. इतना ही नहीं फूड को ओडीओपी (एक जनपद-एक उत्पाद) में शामिल कर लिया है. फूड इकाइयों के लगने से युवाओं को रोजगार मिल सकेगा. वहीं किसानों को भी अपनी आलू की फसल का अच्छा मूल्य मिल सकेगा.उपायुक्त उधोग संध्या यादव ने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत फिरोजाबाद में ग्लास वेयर के साथ-साथ फूड प्रोसेसिंग को भी एक अतिरिक्त उत्पाद के रूप में शामिल किया गया है. इस पहल से नवीन इकाइयां जनपद में स्थापित होंगी, जिससे एक लाख से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा.किसानों की सुधरेगी दशा = जिले में इससे आलू प्रोसेसिंग यूनिट में सुधार होगा. इससे किसानों की दशा एवं दिशा सुधरेगी. जिले में देखा जाए तो इस समय कुल एक लाख 78 हजार हेक्टेयर कृषि क्षेत्र है, जिसमें से कुल 48 हजार हेक्टेयर जमीन पर आलू की खेती की जा रही है. आलू प्रसंस्करण इकाई के अलावा कृषि आधारित उत्पादों जैसे- आचार, मुरब्बा, चिप्स, जैम और जैली जैसे प्रोडक्शन यूनिटों को इससे फायदा पहुंचेगा.फूड प्रोसेसिंग इकाइयों से युवाओं और तकनीकी रूप से कुशल लोगों को नये रोजगार मुहैया होंगे. ओडीओपी के तहत अतिरिक्त उत्पाद में फूड प्रोसेसिंग के रूप में शामिल करने से युवाओं को नए क्षेत्र में कारोबार करने का मौका मिलेगा.उन्होंने बताया कि लोकल को वोकल करने के विचार से छोटे शहरों के उत्पादों को अंतराष्ट्रीय पहचान दिलाने के उददेश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने 24 जनवरी 2018 को ओडीओपी योजना की शुरुआत की जिसका प्रमुख उददेश्य था, लघु कुटीर और मध्यम उद्योगों का विकास करना जिससे न केवल क्षेत्रीय उत्पादों को पहचना मिलेगी, बल्कि इससे बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी मिलेगा.इस योजना को संचालित करने के लिए पुरुषों को एक लाख रुपये और महिलाओं को डेढ़ लाख रुपये की लोन सब्सिडी दी जाएगी. इस योजना से परम्परागत उद्योगों को एक नया जीवन मिलेगा. लोगों को भी आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

फिरोजाबाद में एक्सीडेंट में युवक की मौत

कोर्ट में तारीख करने गया था, वापसी में जा रहा था ससुराल

फिरोजाबाद। मुस्तफाबाद रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 26 वर्षीय टैक्सी चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हाथरस के नगला हरिया गांव निवासी राजकुमार पुत्र विजयराज सिंह के रूप में हुई है।

राजकुमार फिरोजाबाद दीवानी कोर्ट में अपने एक मामले की तारीख के लिए आया था। कोर्ट की कार्यवाही के बाद वह अवागढ़ के सुराय स्थित अपनी ससुराल जा रहा था। मुस्तफाबाद रोड पर पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही राजकुमार ने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने पोस्टमॉर्टम को भेजा शव पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार राजकुमार चार भाइयों में सबसे छोटा था। वह दो बच्चों का पिता था और टैक्सी चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। हादसे के समय वह बाइक पर अकेला सवार था। जसराना के इंस्पेक्टर शेर सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे में नौकरी के नाम पर नौ लाख हड़पे

टूंडला। रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर पीड़ित के फूफा और उसके पुत्र ने ही 9 लाख रुपये की ठगी कर ली। डाक से फर्जी ज्वाइनिंग लेटर भेजकर गुमराह किया। पीड़ित ने पिता-पुत्र के विरुद्ध न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गांव उलाऊ निवासी राहुल कुमार के फूफा राकेश कुमार और उनके पुत्र प्रवेंद्र उर्फ नेता निवासी धीरपुरा थाना नगला सिंघी 18 अप्रैल 23 को उसके घर आए। आरोप है कि राकेश कुमार और प्रवेंद्र रेलवे में टीसी के पद पर नौकरी दिलाने की बात कही। पीड़ित ने दो बीघा खेत बेचकर सात लाख रुपये फूफा को दे दिए। आरोपियों ने बाकी के दो लाख रुपये ज्वाइनिंग लेटर आने से पहले मांगे। कुछ समय बाद डाक से ज्वाइनिंग लेटर घर पहुंच गया था। पीड़ित ज्वाइनिंग लैटर लेकर कोलकाता रेलवे कार्यालय में पहुंचा।

कोलकाता में मौजूद रेलवे अधिकारियों ने ज्वाइनिंग लेटर को फर्जी बताकर पीड़ित को लौटा दिया। रेलवे में ज्वाइनिंग न मिलने पर पीड़ित ने आरोपी रिश्तेदारों से संपर्क किया तो पिता-पुत्र ने जान से मारने की धमकी दे डाली। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

समाज में अब भी हैं दहेजलोभी बेटियों को बनाएं स्वावलंबी

फिरोजाबाद । बाल विवाह और दहेज उत्पीड़न पर कानून बनाए गए हैं, लेकिन इन पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। शिक्षित महिलाएं मानती हैं कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है। इसके लिए जागरूकता बढ़ाने और...दहेज को लेकर सरकार ने कानून बनाए हुए हैं तो बाल विवाह भी प्रतिबंधित है, लेकिन इसके बाद भी फिरोजाबाद में न तो बाल विवाह पर पूरी तरह अंकुश लगा है। वहीं दहेज उत्पीड़न की घटनाएं भी आए दिन सामने आती हैं। कहीं पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया जाता है तो कहीं विवाहिता का शव घर में मिलता है तो ससुरालीजन फरार। यह घटनाएं समाज की उन महिलाओं को भी व्यथित करती हैं, जो शिक्षित हैं एवं समाज से भी सीधे जुड़ी हुई हैं। उनका मानना है कि इसके लिए विभागों एवं समाज को सामंजस्य बना कर अभियान चलाना होगा।

फिरोजाबाद में ट्रांसफार्मर ज्यादा तापमान में भी देंगे चकाचक बिजली

फिरोजाबाद। गर्मियों में बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्या न हो इसके लिए फिरोजाबाद में बिजली विभाग ट्रांसफार्मरों के पास प्रोटेक्शन बॉक्स लगा रहा है, जिससे तापमान बढ़ने पर आग लगने जैसी घटनाएं न हों.

फिरोजाबाद– गर्मियों के मौसम में अक्सर लोगों को बिजली से संबंधित समस्या का सामना करना पड़ता है. भयंकर गर्मी में बिजली के ट्रांसफार्मर भी फुंकने लगते हैं. जैस- जैसे बिजली का लोड बढ़ता है, ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायतें भी बढ़ने लगती हैं. लेकिन अब लोगों को इस समस्या से निजात मिलेगी. दरअसल यूपी के फिरोजाबाद में बिजली विभाग द्वारा गली मोहल्लों में लगे ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा के लिए प्रोटेक्शन बॉक्स लगाए जा रहे हैं. जिससे किसी भी तरह का फॉल्ट होने या ट्रांसफार्मर में आग लगने जैसी घटना पर रोक लग सकेगी.

प्रोटेक्शन बॉक्स से नहीं पड़ेगा ट्रांसफार्मर पर लोड

फिरोजाबाद विद्युत विभाग के अधिकारी इंजीनियर मागेंद्र कुमार ने लोकल 18 को जानकारी देते हुए बताया, कि फिरोजाबाद में गर्मियों में लोग घरों में कूलर, एसी का इस्तेमाल अधिक करते हैं. जिससे छोटे बड़े ट्रांसफार्मरों पर बिजली का लोड बढ़ता है. जिसकी वजह से ट्रांसफार्मरों के फुंकने की शिकायत मिलती है. लेकिन इस बार हमने सभी ट्रांसफार्मरों के पास प्रोटेक्शन बॉक्स लगाना शुरू कर दिए हैं. जिससे ट्रांसफार्मर पर अधिक लोड नहीं पड़ेगा और गर्मियों में बिजली के तार गर्म होने पर प्रोटेक्शन बॉक्स में लगे फ्यूज इस लोड को झेलेंगे. इससे फ्यूज खराब होने पर उन्हें आसानी से बदला जा सकेगा.

अधिकारी ने बताया कि फिरोजाबाद में सभी जगह पर यह प्रोटेक्शन बॉक्स लगाया जा रहे हैं. गर्मियों में अधिक तापमान के कारण ट्रांसफार्मर खराब होते हैं, लेकिन इससे ट्रांसफार्मर फुंकने ने की समस्या भी दूर होगी और उनमें आग भी नहीं लगेगी. यह प्रक्रिया फिरोजाबाद में पहली बार की जा रही है, जिससे लोगों को बिजली की समस्या का सामना न करना पड़े।

मंदिर में खुदाई के दौरान मिले मुगल काल के सिक्के

फिरोजाबाद। कोटला में एक प्राचीन महादेव मंदिर की खोदाई का कार्य चल रहा था। सोमवार को मंदिर में काम कर रहे श्रमिकों ने चीख पुकार शुरू कर दी। मंदिर की जमीन की खोदाई में सिक्के निकलना शुरू हो गया। पहले तो सोने के सिक्कों का हल्ला हुआ। लेकिन जब इनमें से कुछ सिक्कों को धोकर देखा तो यह प्राचीन सिक्के तांबे के प्रतीत हो रहे थे। ग्रामीणों ने मंदिर में इन प्राचीन सिक्कों को रखवा दिया है।

कोटला में वनखंडेश्वर महादेव मंदिर है जो काफी प्राचीन है। यह लोगों की श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। यहां पर खोदाई कर इन दिनों मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है। मंदिर कमेटी से जुड़े लोग लगातार खोदाई के कार्य की निगरानी रख रहे हैं। शिवजी के मंदिर की मान्यता काफी है।

किसान समाधान दिवस आज

फिरोजाबाद । उप कृषि निदेशक ने बताया कि जनपद के सभी सम्मानित कृषक भाइयों को सूचित किया जाता है, कि जिलाधिकारी महोदय, फिरोजाबाद की अध्यक्षता मे किसान समाधान दिवस का आयोजन दिनांक 21.05.2025 को समय दोपहर 12:00 बजे विकास भवन सभागार मे अयोजित किया जायेगा।अत् आप सभी कृषक बन्धु उक्त किसान समाधान दिवस मे प्रतिभाग करने के लिये आमंत्रित है।

घर से कोचिंग पढ़ने निकली छात्रा ने लगाई नहर में छलांग, पुलिस ने निकाली लाश

फिरोजाबाद। नहर में कूदते हुए छात्रा को देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरु कर दिया। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से नहर से युवती की मृत अवस्था में बाहर निकाला।फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में घर से कोचिंग पढ़ने के लिए निकली 12 वीं कक्षा की छात्रा ने अज्ञात कारणों से नहर में छलांग लगा दी। ग्रामीणों ने युवती को नहर में कूदते हुए देखा तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवती के शव को नहर से बाहर निकाल लिया।

शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा है।थाना मक्खनपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव इंदुमई निवासी नेहा (19) उर्फ नंदनी 12वीं कक्षा की छात्रा थी। वह सोमवार को घर से कोचिंग पढ़ने के लिए निकली थी। दोपहर 12 बजे करीब वह जसलई गांव के समीप आ गई। जिसने नहर पटरी के समीप अपनी चप्पलें एवं बैग उतारकर रख दीं और नहर में छलांग लगा दी।

नहर में कूदते हुए छात्रा को देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरु कर दिया। ग्रामीणों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से नहर में युवती की तलाश शुरु करा दी। घटना की जानकारी मिलने के कुछ देर बाद ही परिवारीजन भी मौके पर आ गए। जिनका रो-रोकर बुरा हाल था। एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवा लिया। परिजनों ने युवती के जीवित होने की आस में संयुक्त चिकित्सालय में उसको भर्ती कराया। यहां चिकित्सक ने भी स्वास्थ्य परीक्षण कर युवती को मृत घोषित कर दिया।

इसके चलते पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि युवती के नहर में कूदने के कारण की जानकारी नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

वर्षों पुरानी धरोहर चंद्रवाड़ किले का बढ़ेगा वैभव

सरकार करेगी संरक्षित, नगर निगम ने तैयार किया 55 करोड़ का प्रस्ताव

फिरोजाबाद। चंद्रवाड़ किले को संरक्षित करने के लिए नगर निगम ने 55 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया है। यमुना नदी के किनारे स्थित यह किला कभी समृद्ध राज्य का हिस्सा था।

1194 में मुहम्मद गौरी की सेना ने इस पर हमला किया था जिससे यह क्षतिग्रस्त हो गया था। अब स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत इसके जीर्णोद्धार से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। कांच की रंग-बिरंगी चूड़ियों के लिए विख्यात फिरोजाबाद का प्राचीन नाम चंद्रनगर जिस चंद्रवाड़ राज्य से पड़ा है, सरकार उसके खंडहर हो चुके किले को संरक्षित करेगी। इसके लिए नगर निगम ने 55 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया है। करोड़ों की धनराशि से चंद्रवाड किले का वैभव बढ़ेगा।

शहर से छह किलोमीटर दूर यमुना नदी के किनारे बसा गांव चंद्रवाड़ कभी समृद्धशाली राज्य था। जैन विद्वानों की मान्यता के अनुसार, चंद्रनगर राज्य भगवान कृष्ण के पिता वासुदेव के शासनकाल में भी अस्तित्व में था।

यमुना किनारे बंदरगाह की शिलाएं, इस बात का प्रमाण हैं कि यहां जलमार्ग से व्यापार होता था। यहां राजा चंद्रसेन द्वारा बनवाए गए किले के अवशेष अब भी यहां हैं।

डामर की कालाबाजारी करने वाले गैंग का भंडाफोड़

फिरोजाबाद। यूपी एसटीएफ ने बिटुमेन की कालाबाजारी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है. एसटीएफ ने गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है. इनके कब्जे टैंकर, कंटेनर सहित अन्य सामग्री बरामद हुई है.

उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पेट्रोलियम पदार्थ की कालाबाजारी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है. शनिवार तड़के की गई इस कार्रवाई में एसटीएफ ने 6 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो मिलावटी बिटुमेन (डामर) की सप्लाई और फैक्ट्री में अवैध मिक्सिंग के काम में लगे थे. पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से दो टैंकर, आठ बड़े कंटेनर, दो मिक्सर मशीन, 600 बोरी सफेद पाउडर और छह एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं.बताया गया है कि यह कार्रवाई फिरोजाबाद जिले के शिकोहाबाद थाना क्षेत्र में भूड़ा नहर की पुलिया के पास सुबह करीब 4=05 बजे की गई. गिरफ्तार किये गए आरोपियों की पहचान दुर्जन सिंह (जनपद मथुरा), जगदीश प्रसाद (मथुरा), अतिन (फिरोजाबाद), नितिन उर्फ सोनू (फिरोजाबाद), स्वतंत्र पाल (फिरोजाबाद) नीरज (मथुरा) के रूप में हुई है.काफी से मिल रही थी अवैध सप्लाई और मिलावट की शिकायत एसटीएफ को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि मथुरा और फिरोजाबाद इलाके में अपमिश्रित पेट्रोलियम पदार्थ, खासकर बिटुमेन (जो सड़कों के निर्माण में उपयोग होता है) की अवैध तरीके से सप्लाई और मिलावट की जा रही है. इसी को लेकर एसटीएफ आगरा यूनिट की टीम बनाई गई, जिसका नेतृत्व निरीक्षक हुकुम सिंह ने किया.मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ टीम ने फैक्ट्री परिसर पर छापा मारा, जहां से दो टैंकर (क्क 85क्क्ल-4317 और क्क85ष्टञ्ज-5521) पकड़े गए. पूछताछ में फैक्ट्री कर्मचारियों और चालकों ने बताया कि वे मथुरा रिफाइनरी से बिटुमेन लोड कर लाते हैं, फिर गंतव्य स्थान पर पहुंचने से पहले एक टैंकर से 4-5 ड्रम बिटुमेन निकालकर उसमें सफेद पाउडर मिलाते हैं. मिक्सिंग के बाद यह माल दोबारा टैंकर में भर दिया जाता है और स्थानीय बाजारों में ऊंचे दाम पर बेचा जाता है.बताया गया कि यह धंधा लंबे समय से चल रहा था और इससे गिरोह को भारी मुनाफा होता था. इस अवैध धंधे का संचालन कथित रूप से डेविड जैन नामक व्यक्ति द्वारा किया जाता है, जो फैक्ट्री का मालिक है. मौके से फैक्ट्री का आपरेटर भगवान सिंह भाग निकला. गिरफ्तार सभी आरोपियों पर शिकोहाबाद थाने में केस दर्ज किया गया है।

कुर्सी पर गहरी नींद में सोते दिखे एआरओ, फिरोजाबाद में राशन कार्ड कार्यालय का हाल

फिरोजाबाद। जसराना तहसील परिसर स्थित राशन कार्ड विभाग में एक अजीब मामला सामने आया है। कार्यालय के सहायक संभागीय अधिकारी (ऋह्र) राजेश कुमार काम के समय अपनी कुर्सी पर गहरी नींद में सोते हुए नजर आए।इस घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि अधिकारी अपनी कुर्सी पर बैठे गहरी नींद में हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस पर अलग-अलग प्रतिक्रिया दी है। स्थानीय नागरिकों ने इस घटना पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि राशन कार्ड से जुड़े कामों के लिए पहले से ही कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अधिकारी की इस लापरवाही से लोगों में रोष है।जांच कर कार्रवाई की कही बात अब सवाल यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करेगा। राजेश कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग उठ रही है।

डीलरों ने राशन कार्ड धारकों से बोला झूठ, ई-केवाईसी के नाम पर हो गया बड़ा खेल

फिरोजाबाद। मई में हुई राशन की घटतोली के शिकार महरूनिशा और प्रेमवीर जैसे सैकड़ों कार्डधारक हैं। जिनके राशन की कालाबाजारी ई-केवाईसी के नाम पर की गई है। शहर हो या गांव राशन की कई दुकानों पर ये खेल खुलेआम हुआ, लेकिन न तो नोडल अधिकारियों ने कोई कार्रवाई की और न पूर्ति विभाग ने।

राशन कार्डधारकों को प्रत्येक सदस्य की ई-केवाईसी कराने के लिए भारत सरकार ने पहले 30 अप्रैल तक का समय दिया था। जिसे लाखों यूनिट की ई-केवाईसी न होने पर बढ़ा दिया गया है, लेकिन राशन डीलरों ने इसकी जानकारी कार्डधारकों को नहीं दी।

कार्डों में जितने यूनिट की ई-केवाईसी नहीं हुई है उतने यूनिट का राशन काटकर दिया गया। कार्डधारकों ने कारण पूछा तो बताया कि बार-बार कहने के बाद भी ई-केवाईसी नहीं कराई इसलिए अब ऊपर से राशन आना बंद हो गया है।पर्ची पर तो राशन पूरा दिखेगा, लेकिन मिलेगा उतना ही जितने की ई-केवाईसी हुई है। खासबात ये है कि इस दौरान दुकानों पर वे नोडल अधिकारी भी नहीं दिखे, जिन्हें डीएम द्वारा वितरण की निगरानी के लिए नियुक्त किया जाता है। सूत्रों का कहना है कि यदि मामले की जांच हो और कार्डधारकों के बयान लिए जाएं तो पूरा मामला सामने आ जाएगा।केस-एक= लेबर कालोनी निवासी महरूनिशा के राशन कार्ड में परिवार के सात सदस्यों के नाम हैं। 16 मई को वह राशन लेने गईं तो केवल चार लोगों का ही राशन मिला। डीलर का कहना था कि बार-बार कहने के बाद भी तीन लोगों की ई-केवाइसी नहीं कराई इसलिए उनका राशन नहीं मिलेगा। स-दो= सैलई क्षेत्र निवासी प्रेमकुमार के घर में पांच सदस्य हैं। सभी का नाम राशन कार्ड में चढ़ा है, लेकिन मई में उन्हें सिर्फ तीन लोगों का गेहूं-चावल ही मिला। प्रेमकुमार ने बताया कि पर्ची पर पांच लोगों का राशन निकला। डीलर ने इलेक्ट्रानिक कांटे पर तोला भी 25 किलो, लेकिन दिया सिर्फ 15 किलो।पूर्ति विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में 19.55 लाख यूनिट हैं।

महिला-पुरुषों को जागरूक करने के लिए किया संवाद

फिरोजाबाद । इसके लिए अक्सर ग्रामीण क्षेत्र एवं श्रमिक बस्तियों में पहुंच कर महिला-पुरुषों को जागरूक करने वाली महिलाओं के बीच हिन्दुस्तान के बोले फिरोजाबाद के तहत संवाद किया तो इन क्षेत्रों की कई समस्याएं भी निकल कर सामने आईं। श्रमिक बस्तियों एवं गांवों के संपर्क में रहने वाली महिलाओं का कहना था कि इसके पीछे मुख्य तौर पर दो वजह हैं। पहली श्रमिक बस्तियों में कई परिवारों के पास रुपया नहीं होता है लिहाजा वह बेटियों की जल्द शादी कर देना चाहते हैं तो इसके चलते उन्हें ज्यादा पढ़ाते-लिखाते भी नहीं हैं। शुरू से ही बेटे-बेटियों में भेद किया जाता है। कम उम्र में बेटियों की शादी से ही फिर आगे चलकर दिक्कतें भी आती हैं। अगर बेटियां पढ़ लिख कर आत्मनिर्भर होंगी तो उन्हें ससुराल में भी दहेज उत्पीड़न का शिकार नहीं होना पड़ेगा।

घरेलू हिंसा का भी बेटियां विरोध कर सकेंगी, लेकिन पढ़ाई-लिखाई के अभाव में यह भी अपनी ससुराल में ही फंस कर रह जाती हैं।

ब्रीफ न्यूज

42 की उम्र में खेल रहे एंडरसन

नई दिल्ली। भारतीय में जहां अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को अच्छे फार्म के बाद भी 36 साल की उम्र में टेस्ट टीम से बाहर होना पड़ा है। वहीं इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 42 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं। रोहित और विराट दोनो को ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ये कहते हुए संन्सास के लिए मजबूर कर दिया कि अब वह भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं है और उन्हें युवा खिलाड़ियों के लिए जगह बनानी है। इसी कारण दोनो ने इंग्लैंड दौरे के ठीक पहले टीम को अलविदा कह दिया। वहीं इनसे बड़ी उम्र के एंडरसन अभी भी काउंटी क्रिकेटट खेल रहे हैं। एंडरसन ने पिछले साल जुलाई में आखिरी मैच खेला था। उन्होंने 704 टेस्ट विकेट लेने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था हालांकि, उनका संन्यास भी विवादों में रहा था। ईसीबी ने अपने संदेश में एंडरसन को संन्यास लेने को कहा। इसके बाद एंडरसन ने मजबूरी में संन्यास ले लिया था पर इसके 10 महीने बाद ही वह घरेलू मैचों से फिर मैदान पर लौट आए हैं। एंडरसन ने रविवार को डर्बीशर के दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिखाया है कि उनकी तेजी अभी भी बनी हुई है। एंडरसन ने अपनी स्विंग से दोनों ओपनर्स डेविड लॉयड और सेलेब ज्वेल को पेवेलियन का रास्ता दिखाया है।

एशेज सीरीज के लिए फिटनेस हासिल करने टेस्ट कप्तान स्टोक्स ने छोड़ी शराब

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के लिए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं। इसी कारण उन्होंने शराब पीना भी बंद कर दिया है। जिससे की उनके पैर की मांसपेशियों की चोट भी शीघ्र ठीक हो सके। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान चोट लगने के बाद अपने बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी करवाई थी जिसके कारण वह लंबे समय तक खेल से बाहर हो गए थे। स्टोक्स ने कहा, ''अपनी पहली बड़ी चोट के बाद मुझे झटका लगा और मैं सोच रहा था कि यह कैसे हुआ? उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा 'मैंने चार या पांच रात पहले थोड़ी शराब पी थी, क्या इसका कोई विपरीत प्रभाव असर हो सकता है? इससे कोई सहायता नहीं मिलती। स्टोक्स ने कहा, 'फिर मैंने सोचा कि मैं जो करता हूं मुझे उसे बदलना होगा। स्टोक्स को पिछले साल हंड्रेड टूर्नामेंट में पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी और न्यूजीलैंड के टेस्ट दौरे के दौरान वह फिर से चोटिल हो गए। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी पूरी तरह से इससे दूर हो पाऊंगा पर मैंने दो जनवरी से शराब नहीं पी है। मैंने अपने से कहा, 'जब तक मैं अपनी चोट का इलाज पूरा नहीं कर लेता और मैदान पर वापस नहीं आ जाता, तब तक शराब का सेवन नहीं करुंगा।

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए ब्रिगटन व लीवरपूल के खिलाड़ी।

मुम्बई इंडियंस ने बेयरस्टो सहित तीन खिलाड़ियों को शामिल किया

एजेंसी ■ मुम्बई

मुम्बई इंडियंस ने आगामी प्लेऑफ मुकाबलों को देखते हुए इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और श्रीलंका के चरित असलंका को विल जैक्स, रयान रिकलटन और कॉर्बिन बॉश के स्थान पर अस्थायी तौर पर शामिल किया है। मुम्बई इंडियंस ने बेयरस्टो को 5.25 करोड़ रुपए, तेज गेंदबाज ग्लीसन को एक करोड़ और असलंका को 75 लाख रुपए में खरीदा है।

मुंबई इंडियंस अगर प्लेऑफ में पहुंचती है तो ये खिलाड़ी जैक्स, रिकलटन और कॉर्बिन की जगह खेलेंगे। जैक्स, रिकलटन और कॉर्बिन लीग सत्र के बाद स्वदेश लौट जाएंगे। जैक्स 26 मई को मुम्बई इंडियंस का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय सीरीज में शामिल होने के कारण स्वदेश लौट जाएंगे। वहीं रिकलटन और बॉश भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से खेलेंगे। बेयरस्टो ने आईपीएल के पांच सत्र में 50 मैच खेले हैं। उन्होंने साल 2019-20 में सनराइजर्स हैदराबाद और 2022 और 2024 में पंजाब किंग्स के लिए खेला है। बेयरस्टो ने 34.54 की औसत और 144.45 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं।

आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने दिल्ली और मुंबई में आज होगा मुकाबला

वहीं गुजरात टाइटन्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गई, शाम 7:30 बजे से होगा मैच

एजेंसी ■ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को मुंबई इंडियन्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला होगा। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें जीत हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी पक्की करने उतरेंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की दावेदार हैं पर मुम्बई इंडियंस को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। इसके अलावा पिछले कुछ मैचों में उसका प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। प्लेऑफ के बचे हुए एक स्थान के लिए अब ये दोनो ही दावेदार हैं क्योंकि एक अन्य दावेदार लखनऊ सुपरजायंट्स सनराइजर्स हैदराबाद से हुए मुकाबले में हार से दौड़ से बाहर हो गयी हैं। वहीं गुजरात टाइटन्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी हैं।

अब तक के प्रदर्शन पर नजर डालें तो इस सत्र में दिल्ली ने शुरुआती मुकाबलों में लगातार जीत हासिल की थी पर पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है जिसके कारण उसपर दबाव रहेगा। उसके बल्लेबाज और

गेंदबाज भी लय में नजर नहीं आ रहे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई को शुरुआती मैच में हार मिली थी पर एक बार जीत की लय मिलने के बाद उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा है।

अंकों की बात करें तो मुंबई इंडियंस के 14 अंक हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के 13 अंक हैं और इस स्तर पर आने के बाद दोनों के पास ही प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है। एक जीत से जहां मुम्बई 16 वहीं दिल्ली 15 अंकों पर पहुंच जाएगी। ऐसे में कैपिटल्स को आगे बढ़ने के लिए अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने की जरूरत है, वहीं मुम्बई के लिए एक जीत ही काफी है। दोनों टीमों को अपने अंतिम मैच पंजाब किंग्स से खेलने हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। इस मैच में जीत से मुंबई की टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी पर वह हारी तो 24 मई को दिल्ली और पंजाब के बीच होने वाले मुकाबले के परिणाम पर उसका प्लेऑफ में जाना तय होगा। अगर इस मैच में दिल्ली जीती तो मुम्बई बाहर हो जाएगी। वहीं अगर पंजाब जीती तो मुम्बई प्लेऑफ में पहुंच जाएगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

मुंबई इंडियंस :- हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रेयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, रघु कुमार, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान और जसप्रीत बुमराह।

दिल्ली कैपिटल्स :- अक्षर पटेल (कप्तान), मुस्ताफिजुर रहमान, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकांडे, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं सरफराज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बल्लेबाज सरफराज खान ने इंग्लैंड दौरे की तैयारियां शुरु कर दी हैं। सरफराज को इंडिया ए में शामिल किया गया है। इंडिया ए टीम इस दौरे में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच खेलगी। वहीं एक अभ्यास मैच भारतीय टीम से होगा। पिछले कुछ समय में सरफराज का वजन बढ़ा था जिसके कारण उनपर सवाल भी उठे थे। इसी को देखते हुए अब इस बल्लेबाज ने फिटनेस पर जोर देना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही सरफराज कड़े सख्त डाइट प्लान का पालन कर रहे हैं। इससे उन्होंने तकरीबन 10 किलो वजन घटाया है। सरफराज ने अभी तक विदेश में कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है।

उन्होंने 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया था। सरफराज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो टेस्ट के लिए इंडिया ए टीम में शामिल किया गया है। वह इस अवसर पर बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में अपनी दावेदारी पेश करना चाहते हैं। सरफराज अपनी फिटनेस के लिए उबली हुई सब्ज़ियों के साथ ही चिकन खा रहे हैं1 वह दिन में दो बार अभ्यास भी कर रहे हैं। आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंदों पर कैसे शॉट खेलना है, इसपर काम कर रहे हैं। यह इंग्लैंड के हालातों में जरुरी है क्योंकि वहां गेंद स्विंग करती है। सरफराज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। उन्होंने अंतिम बार न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीसरा टेस्ट खेला था। अपने करियर में अब तक खेले गए 6 मैचों में सरफराज ने 37.10 की औसत से एक शतक और तीन अर्द्धशतक के साथ 371 रन बनाए हैं। अब तक के करियर का उनका एकमात्र शतक न्यूज़ीलैंड के खिलाफ था। जब उन्होंने बेंगलुरु में शानदार 150 रन बनाए थे. इससे पहले उन्होंने मुंबई के लिए नाबाद 222 रन की धमाकेदार पारी खेली थी। जिससे टीम को ईरानी कप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

सरफराज अनुभवी खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद खाली हुई जगह के लिए अपनी दावेदारी पेश करना चाहते हैं। सरफराज का लक्ष्य इंडिया ए के लिए सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर टेस्ट सीरीज खेलने का अवसर पाना है। वह अपने पिता नौशाद खान के मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि विदेशी टेस्ट पास कर सकें।

आईपीएल में भिड़े दो खिलाड़ी, बीसीसीआई उपाध्यक्ष को करना पड़ा हस्तक्षेप

एजेंसी ■ लखनऊ

लखनऊ सुपर जॉइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच यहां हुए मैच में दो खिलाड़ियों के बीच हुआ विवाद इतना बढ़ा कि बीसीसीआई उपाध्यक्ष तक को हस्तक्षेप करन पड़ गया। इस मैच में 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सुपर जॉइंट्स के गेंदबाज दिग्वेश राठी से भिड़ गये। यह मामला उस समय हुआ जब अभिषेक ने 20 गेंदों में 59 रन बनाकर दिग्वेश की गेंद पर आउट हुए। दिग्वेश ने जब इसपर खुशी जतायी तो अभिषेक भड़क गये और दोनो के बीच झड़प शुरु हो गयी। इसके बाद किसी प्रकार मामला शांत हुआ। मैच के बाद ये विवाद सुलझाने के लिए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने दोनो से बात की। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए

लखनऊ सुपर जॉइंट्स ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 205 रन बनाए। इसके बाद 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने दूसरे ही ओवर में विकेट खो दिया। उसके बाद ओपनर अभिषेक ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को वापसी करायी। उन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक बना दिया। इस बल्लेबाज ने 20 गेंदों में 4 चौके और 6 छक्के लगाकर 59 रन बनाये। अभिषेक का विकेट लेने के बाद दिग्वेश ने उनकी तरफ देखकर पहले तो आक्रामक अंदाज में पवैलियन जाने का इशारा किया फिर नोटबुक स्टाइल में जश्न मनाया। इससे पैवेलियन जा रहे अभिषेक नाराज हो गये और उन्होंने राठी को कुछ कहा। इस दौरान दोनों एक दूसरे के पास पहुंच गए और गुस्से में बहस करने लगे। तब अंपायरों और कुछ खिलाड़ियों ने बीच-बचाव कर मामला संभाला। पैवेलियन लौटते समय अभिषेक ने इशारों ही इशारो में राठी को बाल खींचते हुए पीटने के संकेत दिये।

राहुल को कम आंक गया: मूडी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को कम आंका गया है। मूडी के अनुसार राहुल लोगों की अपेक्षा से कहीं बेहतर खिलाड़ी हैं। राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की पारी खेली थी हालांकि उनकी टीम जीत नहीं पायी। राहुल ने 60 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 172.30 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाकर नाबाद रहे। आईपीएल 2025 में इस बल्लेबाज ने 148.04 की स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 493 रन बनाय हैं। आईपीएल 2018 के बाद से यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है, जब उन्होंने 14 मैचों में 158.41 की दर से 659 रन बनाए थे। मूडी ने पर कहा, मुझे हमेशा केएल राहुल के बारे में आलोचना काफी असाधारण लगती है। मुझे लगता है कि वह बहुत से लोगों की तुलना में बहुत बेहतर खिलाड़ी हैं। और जिस तरह से मैं इस पारी को देखता हूं, मुझे लगता है कि यह एक शानदार पारी है।

पोंटिग बोले , सरल और प्रभावी रवैये से पंजाब किंग्स को सफलता मिली

जयपुर। पंजाब किंग्स टीम के कोच रिकी पोटिंग टीम के प्लेऑफ में पहुंचने से बेहद उत्साहित हैं। पोंटिंग ने ड्रेसिंग रूम में टीम की प्रशंसा करते हुए कहा - इस सत्र में अब तक जबरदस्त खेल दिखाया है। उसेन खिलाड़ियों की दृढ़ता की प्रशंसा की। पोंटिंग ने कहा कि खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही एक सरल पर प्रभावी रवैया अपनाया है, जिससे विपरीत हालातों में भी वे अपना स्वाभाविक खेल दिखा पाये। बल्लेबाजी इकाई के साथ अपनी खुशी व्यक्त करते हुए जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए युवा नेहल वढेरा की जमकर तारीफ की। नेहल ने केवल 37 गेंदों पर ही 70 रन बनाए। पोंटिंग ने कहा, आपने जो किया उससे आप विरोधी टीम पर दबाव बनाने में सफल रहे। आपको इस प्रारूप में आगे भी ऐसा करना ही होगा। उन्होंने शशांक सिंह की भी प्रशंसा की। साथ ही कहा कि हर बार जब आप टूर्नामेंट में किसी चीज से जूझते हैं, तो आप उसे पूरा करने का तरीका ढूंढ लेते हैं। इसके अलावा उन्होंने युवा गेंदबाज हरप्रीत बरार सहित सभी गेंदबाजों के रवैये को भी सराहा। पोंटिंग ने कहा, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आपको मौका मिलता है और इसका परिणाम मिलता है।

दैनिक
सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

24 जून को काशी आएंगे केंद्रीय गृहमंत्री शाह

काशी से तय होगी चार राज्यों की रणनीति

मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक होगी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रहेंगे मौजूद

उत्तराखंड, छग-मप्र के सीएम होंगे शामिल

सत्ता सुधार ■ वाराणसी

मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक 24 जून को काशी में होगी। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। उत्तर प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24वीं बैठक उत्तराखंड में हुई थी। इस बार मेजबानी के लिए यूपी को चुना गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक काशी में कराने का निर्णय लिया। यह बैठक नदेसर के होटल ताज में होगी। इसमें गृह मंत्री के साथ ही यूपी के मुख्यमंत्री, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मौजूद रहेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर ही कमिश्नरी सभागार में अपर मुख्य सचिव सचिवालय प्रशासन जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली जाएं। इसमें गृह मंत्रालय के साथ ही नीति आयोग और अंतर राज्य परिषद के अधिकारी भी हिस्सा लेंगे।

खाने की गुणवत्ता पर फोकस: खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन खाने की गुणवत्ता का ख्याल रखे। पुलिस महकमा सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखे। लाइजन ऑफिसर नियुक्त किए जाएं। स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होनी चाहिए। अग्निशमन विभाग को फायर चेक, पर्यटन को टूरिस्ट गाइड, घाट देखने के लिए क्रूज, एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन पर अतिथियों के स्वागत के लिए प्लेटफॉर्म लगाने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम सत्येंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त डॉ एस चनप्पा, अपर नगर आयुक्त सविता यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

जर्जर खंभे हटाएंगे

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार ही बैठक काशी में होनी है। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने लोकनिर्माण विभाग को सड़कें ठीक करने की जिम्मेदारी दी है। बिजली निगम को जर्जर खंभे हटाने हैं। लटकते तार ठीक कराने हैं। नगर निगम को सफाई, कूड़ा उठान, चौराहों की लाइटिंग कराने को कहा है।

चौराहों की होगी पेंटिंग

उन्होंने बताया कि सीवरेज ओवरफ्लो नहीं होना चाहिए। वाराणसी विकास प्राधिकरण फसाड लाइटें तेजी से लगवाए। चौराहों की पेंटिंग और लाइटिंग कराई जाए। जल निगम के अफसरों को सख्त हिदायत दी और कहा कि नई खोदाई नहीं की जानी चाहिए। मंदिर जाने वाली सड़कें ठीक रहनी चाहिए।

वारधानी क्लासेज के छात्रों ने बोर्ड परीक्षा में फहराया परचम

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान वारधानी क्लासेज के छात्रों ने इस वर्ष हुई CBSE बोर्ड परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया है। 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं के परिणामों में छात्रों ने न केवल 98% औसत पास प्रतिशत हासिल किया, बल्कि 50 से अधिक छात्रों ने 95% से ऊपर अंक प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

डॉ. करण वर्धानी
निर्देशक, वर्धानी बायोलॉजी क्लासेस

शिक्षकों और छात्रों की मेहनत रंग लाई: संस्थान के प्रधानाचार्य श्री राजेश वर्मा ने बताया, हमारे छात्रों की यह सफलता उनकी लगन और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। हमने पाठ्यक्रम को समझने के लिए इंटरएक्टिव क्लासेज, रेगुलर मॉक टेस्ट और डाउट सेशन पर विशेष फोकस किया था। 12वीं में 97% अंक लाने वाली छात्रा रिया शर्मा ने कहा, वारधानी के शिक्षकों ने हर कठिन टॉपिक को सरल तरीके से समझाया। रिवीजन वीक और सैंपल पेपर्स ने कॉन्फिडेंस बढ़ाया।

एटीएस के रडार पर आईएसआई के 21 जासूस

चार महिलाएं भी शामिल, शहजाद गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ मुरादाबाद

एटीएस द्वारा पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के जासूस शहजाद की गिरफ्तारी के बाद उसके 21 अन्य लोग भी जांच एजेंसियों के रडार पर हैं।

इनमें चार महिलाएं भी शामिल हैं। रामपुर जिले के टांडा थाना क्षेत्र के आजादनगर निवासी शहजाद अपने कारोबार के सिलसिले में पाकिस्तान जाता था। वहीं वह आईएसआई अधिकारियों के संपर्क में आया और जासूस बन गया। उसकी गतिविधियों की एटीएस दो माह से निगरानी कर रही थी। एटीएस ने उसके नंबर को सर्विलांस पर ले लिया था। जांच अधिकारियों ने आईएसआई एजेंटों से बातचीत का रिकॉर्ड इकट्ठा करने के बाद उसको गिरफ्तार किया। आरोप है कि शहजाद आईएसआई एजेंटों से संपर्क होने के बाद उनके प्रभाव में आ गया था। धर्म का हवाला देकर वह युवाओं को अपने संगठन से जोड़ रहा था। कई युवाओं को वह आईएसआई एजेंटों से मिलवा चुका था।

भारतीय सिम का इस्तेमाल

शहजाद ने भारतीय सिम आईएसआई के एजेंटों को उपलब्ध कराया था। इनका इस्तेमाल पाक एजेंसी जासूसी के लिए करती थी। गिरफ्तार एजेंट रामपुर और मुरादाबाद के करीब 21 लोगों से लगातार संपर्क में था। इसमें चार महिलाएं भी शामिल हैं। एटीएस की टीम सभी लोगों की गहराई से छानबीन कर रही है। हालांकि, अभी किसी अन्य व्यक्ति को जांच एजेंसी ने हिरासत में नहीं लिया है।

जासूस शहजाद को भेजा जेल

मुरादाबाद से गिरफ्तार किए गए आईएसआई के जासूस शहजाद को अदालत ने 31 मई तक की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। एटीएस उसे जल्द रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। उसके पास से बरामद मोबाइल को एटीएस ने फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। एटीएस ने रविवार को रामपुर निवासी शहजाद को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

खुफिया एजेंसी ने की पूछताछ

आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में यूपी एटीएस ने टांडा निवासी शहजाद को गिरफ्तार किया है। मसालों के व्यापार की आड़ में वह सीमा पार तस्करी और जासूसी गतिविधियों में शामिल था।

टैंक और फील्ड मार्शल सैम मानेक शॉ की मूर्ति की गई स्थापित

अयोध्या में अब गुप्तार घाट पर बहेगी देशभक्ति की बयार

सत्ता सुधार ■ अयोध्या

रामनगरी में सरयू के किनारे गुप्तार घाट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। जगह-जगह सेल्फी प्वाइंट बनाए जा रहे हैं, जिससे आने वाले श्रद्धालु व पर्यटक सेल्फी ले सकें। कमिश्नर गौरव दयाल ने बताया कि गुप्तार घाट पर छावनी परिषद और विकास प्राधिकरण के संयुक्त प्रयास से दो जगहों का सुंदरीकरण किया गया है। मंगलवार को एक स्थान पर 1971 के भारत पाक युद्ध के हीरो रहे पूर्व सेनाध्यक्ष और देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेक शॉ की मूर्ति का अनावरण किया गया, तो दूसरी जगह पर 1965 और 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को धूल चटाकर अपना जलवा दिखाने वाले टी 55 टैंक को स्थापित किया गया है।

सैलानी जानेंगे सेना का शौर्य

कमिश्नर ने बताया कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि अयोध्या में पिकनिक स्पॉट को चिन्हित करके जो हमारे सेना के हीरो हैं, उनको सम्मानित करें। ऐसे प्रमुख स्थल विकसित किए जाएं, जिससे यहां आने वाले देश दुनिया के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सेना के पराक्रम और उपलब्धियों के बारे में जानकारी हो सके।

टैंक के साथ सेल्फी भी लेंगे

डोगरा रेजीमेंटल सेंटर के ब्रिगेडियर कुंवर रंजीव सिंह ने बताया कि टी 55 टैंक स्टेशन के लिए रिलीज हो गया था। इसके साथ जवान रहते थे। इसको गुप्तार घाट पर स्थापित किया गया है। यहां पर जो पर्यटक आते हैं और जो स्थानीय आबादी है, वह लोग इस टैंक को देख सकेंगे और इसके बारे में जानकारी ले सकेंगे। जो लोग सेल्फी के शौकीन हैं, वह टैंक के साथ सेल्फी भी ले सकते हैं।

12 हजार से अधिक बच्चों को मिला शिक्षा का मौका

प्रदेश में 10 हजार बाल श्रमिकों की हुई पहचान

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार साल 2027 तक प्रदेश को बालश्रम से मुक्त करने की तैयारी में है। इसके लिए जागरुकता से लेकर शिक्षा और पुनर्वासन तक, हर स्तर पर ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर 12 जून को प्रदेश में विशेष जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने का भी प्रस्ताव है। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के समन्वय से जागरुकता अभियान को धार दी जाएगी।

प्रदेश से बालश्रम को खत्म करने के लिए सरकार की ओर से 10336 बाल श्रमिकों की पहचान की जा चुकी है। वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक 12426 बाल श्रमिकों का शैक्षिक पुनर्वासन कराया गया है। इसके अलावा 1089 परिवारों को आर्थिक मदद भी दी गई है। योगी सरकार द्वारा संचालित बाल श्रमिक विद्या योजना के अंतर्गत 2000 कामकाजी बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाकर आर्थिक सहायता भी दिलाई गई। श्रम कल्याण परिषद के माध्यम से संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए आठ कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसके लिए सरकार ने 40 करोड़ की कॉर्पस निधि उपलब्ध कराई है। वर्ष 2024-25 में अब तक 309 श्रमिकों को 1.32 करोड़ की सहायता देकर राहत पहुंचाई जा चुकी है।

बंधुआ मजदूरी के खिलाफ सरकार

बाल श्रम को खत्म करने के साथ ही सरकार ने बंधुआ मजदूरी के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए हैं। वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक कुल 1408 बंधुआ श्रमिकों का पुनर्वासन कर उन्हें 1817.21 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

एक लाख का इनामी ढेर,बदमाश पर दर्ज थे 48 मुकदमे

गोंडा। यूपी के गोंडा में सोमवार की आधी रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश ढेर हो गया। उसकी पहचान सोनू उर्फ भुर्रे निवासी कादीपुर, करनैलगंज के रूप में हुई। इस पर एक लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ उमरी बेगमगंज क्षेत्र के सोनौली गांव के पास हुई। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि 24 अप्रैल को उमरी के डिक्सिर गांव में चोरी के दौरान हत्या के मामले में पुलिस को सोनू की तलाश थी।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की टीम ने लिया बब्बर शेर भरत और पक्षियों का सैंपल

गोरखपुर। बर्ड फ्लू की दस्तक के बाद केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की ओर से गठित जांच टीम ने सोमवार को चिड़ियाघर में बाड़ों का निरीक्षण किया। टीम ने बब्बर शेर भरत और कई पक्षियों का सैंपल लिया। चिड़ियाघर परिसर और बाहर समेत टीम ने 50 सैंपल लिए। इन्हें जांच के लिए राष्ट्रीय राष्ट्रीय उच्च पशु संस्थान भोपाल भेजा। इनमें कई पक्षियों के बीट के सैंपल भी शामिल हैं। इसके अलावा तालाब, जानवरों के पीने वाले पानी, नहाने वाले पानी का भी सैंपल टीम ने लिया है। कौओं की मौत वाली जगह पर जाकर निरीक्षण किया। साथ ही वन्यजीवों की मौत के बारे में चिकित्सकों से विस्तृत जानकारी ली। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की ओर से बनाई गई चार सदस्यीय जांच कमेटी रविवार को ही आ गई थी।

सरकारी स्कूलों के दाखिले में 22 लाख की गिरावट चिंतनीय

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सरकारी स्कूलों में होने वाले दाखिले में बच्चों की संख्या में गिरावट होना चिंता की बात है। सरकार को शिक्षा के महत्व व जरूरत पर उचित ध्यान देना चाहिए। वहीं, उन्होंने ये भी कहा कि सरकार मदरसों को लेकर अपना नजरिया बदले। उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि यूपी के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों में सन 2023-24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए किन्तु 2024-25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट सरकारी स्कूल व्यवस्था की ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर व चिन्तनीय है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव द्वारा करुणा प्रिन्टर्स महाडिक साहब के बाड़े के पास, निम्बालकर की गोठ नं. 2 कम्पू लश्कर, ग्वालियर से मुद्रित एवं सिद्धेश्वर नगर आईटीआई कॉलेज के पास झांसी से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, फोन- 0751-4922849, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22048 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट ।शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।